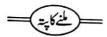


## مطالعہ پاکستان کی کتاب کے جملہ حقوق بحق تنظیم المدارس اہلسنت پاکستان محفوظ ہیں۔

Registration #: 28773-COPR



قيمت: 115روپ



تنبير برادرز

40 اردوبازارلا مور

Ph: 042-37246006 Mobile: 0321-9996263

ربلیشرز تنظیم الررارس اہلسنت (پاکستان) 8-راوی پارک راوی روڈلا ہور پاکستان 7-37731045-



## طلباء شهادة العامه كے لئے تنظیم المدارس كے نصاب كے مطابق

\*

# مُطَالَعهُ يَاكسُتَان

مرسب مفتی محمر صدیق ہزاروی

تنظيم المدارس الملسنت بإكستان

و نستن کی دو ای دو

جمله حقوق بحق ناشر محفوظ ہیں

مفت محرصديق بزاروى

مُطالعة يَاكستان

lea

آب پہ آتی ہے دُعا بن کے تمنا میری زندگی شمع کی صورت ہو خدایا میری

دُور دُنیا کا میرے دم سے اندھیرا ہو جائے ہر جگہ میرے حمکنے سے اُجالا ہو جائے

ہر جبہ بیرے ہیے سے ، بونا ، د ب زندگی ہو میری پروانے کی صورت یارب

علم کی شمع سے ہو مجھ کو محبت یارب ہو میرا کام غریوں کی جمایت کرنا

درد مندول سے ضعفول سے محبت کرنا

مرے اللہ! بُرائی سے بچانا مجھ کو

نیک جو راہ ہو، اُس راہ یہ چلانا مجھ کو

(علامه محما قبال مينية)

— ناشر<u>—</u>

تنظيم المدارس الملسنت بإكستان









## فهرست

| منح  | عنوان   | نمبرشار |
|------|---|---------|
| 13   | پېلاباببرصغير پيل اشاعت اسلام                   | 1       |
| 14   | برمغير بين مسلمانوں کي آيد                      | 2       |
| 15   | برصغيرين اشاعت اسلام اورصوفياء كرام             | 3       |
| ∙ 15 | برصغيرين اسلامي حكومت كاقيام                    | 4       |
| 16   | برصغير مين مسلمان حكومت كاز وال                 | 5       |
| 17   | زوال کے اسباب                                   | 6       |
| 18   | املاحی کاوشیں                                   | 7       |
| 18   | حضرت شاه ولى الله رحمة الله عليه                | 8       |
| 19   | مندو جارحيت كاآغاز                              | 9       |
| 20   | انگریزوں کی آ مد                                | 10      |
| 21   | جنگ آزادی اوراس کی وجو ہات                      | 11      |
| 22   | مشزى پادر يول كى بدلگاى                         | - 12    |
| 22   | جگ آزادی کا آغاز                                | 13      |
| 23   | جنك آزادى اورعلام فضل حق خيرآ بادى رحمة الشعليه | 14      |
| 24   | جنك آزادى اورد يكرعلاء ومشائخ                   | 15      |
| 25   | سوالات  | 16      |
| 26   | دوسراباب سيتحريك بإكتان                         | 17      |
| 27   | تحريك پاكستان كے محركات                         | 18      |
| 27   | فرقه وارانه فسادات                              | 19      |
| 27   | معاشرتی حالات<br>مسلم زبان وثقافت کی مخالفت     | 20      |
| 27   | مسلم زبان وثقافت كى مخالفت                      | 21      |

| 28 |   | مُطَالَعة |
|----|---|-----------|
| 28 | کانگری وزارتیں  | 22        |
| 28 | دوتو ئ نظرىيە   | 23        |
|    | اسلامی نظریهٔ حیات  | 24        |
| 30 | دوتوى نظرييا ورحضرت مجد دالف ثاني رحمة الله عليه                  | 25        |
| 32 | امام احمد رضا خان قا دری بر بلوی رحمة الله عليه اور دوقو می نظریه | 26        |
| 34 | امام احمد رضاخان قادری بر بلوی رحمة الله عليه كے معاشی نكات       | 27        |
| 34 | تقتيم ہند   | 28        |
| 34 | جناب عبدالقديري مفصل تجاويز                                       | 29        |
| 35 | علامه ڈاکٹرمحمدا قبال رحمۃ اللہ علیہ کی تجویز                     | 30        |
| 35 | علامه سيدمحر هيم الدين مرادآ بادي رحمة الله عليه كي تجويز         | 31        |
| 35 | چو مدری رحمت علی اور پاکستان                                      | 32        |
| 36 | انڈین نیشنل کانگرس کا قیام  | 33        |
| 36 | آل الذيام لم يك كا قيام   | 34        |
| 36 | صوبا كَيْ سلم ليك وخاب كا قيام                                    | 35        |
| 36 | دوتوی نظریه کی بنیاد پرحقوق کی حفاظت                              | - 36      |
| 37 | مسلمانوں کا سیاسی پلیٹ فارم                                       | 37        |
| 37 | قائداعظم رحمة الله عليه كي مسلم ليك مين ثموليت اورمعابد وللمعود   | 38        |
| 37 | نهرور بورث اور مهندو کی غداری                                     | 39        |
| 38 | قائداعظم رحمة الله عليہ کے چودہ نکات                              | 40        |
| 39 | مسلمانوں کے علیحہ وشخص کوشلیم کرنا ضروری تھا                      | 41        |
| 39 | قومیت کامسئلہ   | 42        |
| 40 | ووتو می نظرید کی بنیاد پر تقسیم ہند کا مطالبہ                     | 43        |
| 40 | خطبهاليآ باد  |           |
| 40 | برطانوی حکومت کانیا آئین ادر مسلمانوں کے لئے مشکلات               | 44        |
| 41 | يومنجات   | 45        |

| <b>&amp;</b> |   | مَطَالَع |
|--------------|---|----------|
| 42           | موالات -  | 47       |
| 43           | تيسرابابقيام پاكستان  | 48       |
| 44           | قراردادٍ لا ہور   | 49       |
| · 44         | تحريك پا كىتان كا نياد در   | 50       |
| 45           | برطانوی وزراء کی طرف ہے آئندہ آئین کی تجاویز                        | 51       |
| 46           | يوم راست اقدام  | 52       |
| 46           | مىلم نىگ كى حمايت   | 53       |
| 46           | تحريك بإكستان اورعلماء ومشائخ                                       | 54       |
| 47           | آل انڈیا تی کانفرنس   | 55       |
| 48           | حضرت بيرجماعت على شاه رحمة الله عليه كاكردار                        | - 56     |
| 48           | مفيراسلام علامة عبدالعليم صديقي ميرهمي رحمة الله عليه كاكردار       | 57       |
| 50           | مولا ناظهورالحن درس رحمة الله عليه كى كاوشين                        | 58       |
| 50           | قيام پاكستان مين صوبول كاكردار                                      | 59       |
| 50           | مشرقی بنگال   | 60       |
| 51           | صوبہ پنجاب  | 61       |
| 52           | انگریز گورزی سازش اورتح یک سول نافر مانی                            | 62 .     |
| 52           | صوبه پنجاب کی تقلیم   | 63       |
| 52           | فسادات اورمسلمانوں کی شہادت<br>تحریک پاکستان میں صوبہ سندھ کا کردار | 64       |
| 53           |   | 65       |
| 54           | شال مغربی سرحدی صوبه (صوبه خیبر بختونخواه)                          | 66       |
| 55           | صوبه بلوچشان  | 67       |
| 56           | 3 جون1947ء کامنصوبہاوراس کے اہم نکات                                | 68       |
| 58           | 3 جون1947ء کامنصوبہ ادراس کے اہم نکات<br>3 جون1947ء کے منصوبہ رقمل  | 69       |

| 59   | قانون آ زادي مند  | 70  |
|------|---|-----|
| 59   | يوم آ زادي  | 71  |
| 61   | سوالات  | 72  |
| 62   | چوتھاباب پاکستان کی ریاست اور حکومت   | 73  |
| 63   | يبلا كورز جزل اوروز براعظم  | 74  |
| 63   | اسلامی جمہوریہ پاکستان کی ابتدائی مشکلات  | 75  |
| 64   | 1ر پژ کلف ایوار ڈکی ناانصافیاں  | 76  |
| 64   | 2انظامي مشكلات  | 77  |
| 65   | 3عماجر من كي آ م  | 78  |
| 65   | 4ا ثاثوں کی تقسیم   | 79  |
| 66   | 5فوج اورفوجي ا ثاثول كي تقتيم   | 80' |
| 67 · | 6 دريائي پاني كامئله  | 81  |
| 68   | 7رياستول كاتنازعه   | 82  |
| 68   | الفرياست حيدرآ باد وكن  | 83  |
| 69   | بجونا گڙھ   | 84  |
| 69   | جمناواور  | 85  |
| 69   | ورياست بحول وتشمير  | 86  |
| 71   | -<br>آئین اسلامی جمهوریه پاکستان  | 87  |
| 71   | آ نمین کیا ہوتا ہے؟<br>آ نمین کی ضرورت واہمیت   | 88  |
| 71   | آئمین کی ضرورت واہمیت   | 89  |
| 73   | قرار دادِمقاصد تمن پاکتان کی بنیاد  | 90  |
| 75   | قراردادِ مقاصد کی اہمیت<br>پاکستان میں دستورسازی کے مراحل<br>1956ء کے آئین کی اہم خصوصیات<br>آئین (1956ء) کی منسوفی | 91  |
| 75   | یا کتان میں دستور سازی کے مراحل   | 92  |
| 76   | 1956ء کے آئین کی اہم خصوصیات  | 93  |

| لقة با تنان | العدني كستان كالحالي المراس من العدني كستان كالمحالي المراس من العدني كستان كالماد المراس كالمحالي المراس الماد | 95   |
|-------------|---|------|
| 77          | 1962ء کے نین کی ناکامی  | 96   |
| 78          | جزل یجیٰ خان کا دورِ حکومت  | 97   |
| 78          | مشرتی پاکتان کی علیحد گی اوراس کی وجو ہات   | 98   |
| 80          | رئ چ سان کی میلادی اوراس کی وجوہات<br>شخ مجیب الرحمٰن کے چھ نکات (1966ء)  | 99   |
| 81          | 1970ء کے اتحابات  | 100  |
| 81          | 1973ء کے آئین کی خصوصیات  | 101  |
| 82          | 1973ء کے آئین کی اسلامی دفعات   | 102  |
| 82          | اسلای نظریاتی کونسل   | 103  |
| 85          | وفاقی شری عدالت   | 104  |
| 85          | ریائی حکمت عملی کے اہم اصول   | 105  |
| 87          | 1977ء ـــــــــــــــــــــــــــــــــــ   | 106  |
| 88          | سوالات  | 10   |
| 91          | (25, (1,1))   | 10   |
| 92          | پانچوال باب پاکتان ایک دفاعی مملکت<br>ریاست آزاد جمول و کشمیر (مختمرتعارف)  | 10   |
| 93          | ریاست؛ راد بهون و میرار تنظیر نعارف)<br>شالی علاقه جات ( گلگت، بلتستان )  | . 11 |
| 96          | بار من الد جائے ( ملک ، جدیان )<br>پاکستان کے اہم ادارے   | 11   |
| 93          | افواج پاکستان   | 11   |
| 97          | مسلم افواج کی تقسیم   | 11   |
| 98          |   | 11   |
| 98          | مسلح افواج كے اعلیٰ ترین عهدے اور شعبے<br>پاکستانی فوج كے كيشند آقيسرز اوران كے نشانات  | 11   |
| 99          | دفائی کیاظ سے فونڈ کی تقسیم<br>مسلح افواج کے عہدے<br>فوجی اعزازات حاصل کرنے والوں کے نام<br>نشانِ حیدرحاصل کرنے والے سپوت   | 1    |
| 99          | را افاح کور   | 1    |
| 101         | فوجی اعزازات حاصل کر زوالوں کرور  | 1    |
| 101         | رُهُ الراد الما الما الما الما الما الما الما ال  | 1    |

| 103 | مستان کامرازات<br>پاکتان کامرازات  | 120 |
|-----|--|-----|
| 104 | ماکستان کے فوجی اعز ازات<br>ماکستان کے فوجی اعز ازات   |     |
| 104 | یا کستان کے میزائل   | 121 |
| 105 | یا شاق سے عبدے<br>بولیس کے عبدے  | 122 |
| 105 | پویس مے مہدے<br>یا کستان کی انظامی تقسیم   | 123 |
| 106 |  | 124 |
| 107 | صوبه پنجاب کے ڈویژن اور اصلاع  | 125 |
| 107 | صوبہ سندھ کے ڈویژن اورا ضلاع   | 126 |
| 108 | صوبہ خیبر بختونخواہ کے ڈویژن اوراصلاع  | 127 |
| 108 | صوببلوچتان کے ڈویژن اور اصلاع  | 128 |
| 110 | tG   | 129 |
| 111 | سوالات   | 130 |
| · · | حوالات<br>چھٹاباب سیاکتان کے دسائل اور تظیم سازی<br>معلومات پاکتان<br>پاکتان کے قدرتی دسائل                    | 131 |
| 112 | معلومات باكستان  | 132 |
| 115 | ماکستان کے قدرتی وسائل   | 133 |
| 115 | مٹی  | 134 |
| 116 | جنگلات   | 135 |
| 117 | معد نات  | 136 |
| 121 | باكستان كي المجم تصليس   | 137 |
| 122 | بنيادي جمهوريتي  | 138 |
| 122 | يونين كۇسل يا ٹاؤن كىيىشى  | 139 |
| 123 | تخصيل كونسل يا تفانه كونسل   | 140 |
| 123 | نبیادی جمہوریتی<br>یونین کونسل یا ٹا وَن کمیٹی<br>مخصیل کونسل یا تھا نہ کونسل<br>ڈسٹر کٹ کونسل<br>ڈویژنل کونسل | 141 |
| 123 | ۋەرىي <sup>ۇ</sup> قل كۇسل   | 142 |
| 25  | پارلینشا(Parliamen   | 143 |

|     | ياكستان كا والى الحالي الحالي المالي           | كح مُطَالَعة |
|-----|--|--------------|
| 126 | اميد وارول كي الميت                            | 145          |
| 127 | قوى اسبلي كاانتخاب                             | 146          |
| 127 | قوی اسبلی کی میعاد                             | 147          |
| 127 | قوى اسبلى كالبيكرودْ پي سپيكر ،                | 148          |
| 127 | ىينٹ(Senate)                                   | 149          |
| 128 | چيئر من اور ڈپٹی چیئر مین بینٹ                 | 150          |
| 129 | پاکتان کے حکمران (1947ء سے تا حال)             | 151          |
| 129 | <i>گورز. جز</i> ل                              | 152          |
| 129 | י מננו   | 153          |
| 130 | نائب معدور                                     | 154          |
| 130 | وزرائے اعظم                                    | 155          |
| 132 | مسلح افواج كريرابان                            | 156          |
| 136 | چیف ارشل لاءا پیونسٹریٹر<br>چیف ایگریکٹو       | 157          |
| 137 |  | 158          |
| 137 | سريم كؤرث كے جيف جسٹس صاحبان (1949ء سے تا حال) | 159          |
| 138 | پاکستان کی عدالتیں                             | 160          |
| 139 | پاکستان میں اسلامی تحریکییں                    | 161          |
| 409 | 1 تحريك فتم نوت 1953ء                          | 162          |
| 139 | 2تح يك فتم نوت 1974ء                           | 163          |
| 140 | 3تح يک نفاذ نظام مصطفیٰ<br>4تح يک ناموسِ دسالت | 164          |
| 140 | 4  | 165          |
| 140 | پاکتان کے فی جی آبوار                          | 166          |
| 141 | سوالات<br>معروضی سوالات                        | 167          |
| 142 | معروضي سوالات                                  | 168          |

## ابتدائيه

الحمد للد! آج ہم ایک آزاد ملک اسلامی جمہوریہ پاکتان میں آزادی کاسانس لے رہے ہیں اس آزادی کے حصول کے لئے ہمارے بزرگوں نے کیا قربانیاں دیں اور کس طرح آگ وخون کے اس سمندر کو یار کرکے کامیابی کے اس ساحل ہے ہمکنار ہوئے؟۔

پھر آزادی کے حصول کے بعد وطن عزیز میں کیا کچھ ہوا، ہور ہاہے اوراس پاک وطن کواللہ تعالیٰ نے کن کن عظیم نعمتوں سے نوازاہے؟

ان تمام باتوں ہے آگائ ' مطالعہ پاکتان ' ہے حاصل ہوتی ہے کین افسوس کی بات یہ ہے کہ نگ نسل کو حقائق ہے آگاہ کرنے کی بجائے جھوٹی تاریخ مرتب کی گئی اوروہ لوگ بالحضوص وہ علاء جوتح یک پاکتان کے مخالف تھاں کو تحریک پاکتان کا ہمرو شار کیا جائے لگا اور اہل سنت و جماعت جن کے ہاتھوں میں حضرت مثاہ ولی اللہ ، حضرت مجدوالف ثانی شیخ احمر سر ہندی ، حضرت علامہ فضل حق خیر آبادی اور حضرت امام احمد رضا خان فاضل بر یلوی رحمۃ اللہ عین کا دامن کل بھی تھا اور آج بھی ہے اس جماعت نے قائد اعظم اور علامہ اقبال کے ساتھ ل کریا کتان بنایا مطالعہ یا کتان میں ان کونظر انداز کردیا گیا۔

چنانچ تنظیم المدار سابل سنت کے ارباب اختیار نے ابتدائی کوشش کے طور پر بیرقدم اٹھایا کہ درجہ انویہ عامہ کے نصاب میں مطالعہ پاکتان کے سلطے میں ایک ایک کتاب شامل کی جائے جس میں تھا کئی کومنظر عام پر لا یا جائے تا کہ نو جوان نسل بیرجان سکے کہ کون لوگ پاکتان بنانے والے جیں اور کن لوگوں نے تحریک عام پر لا یا جائے تا کہ نو جوان نسل بیرجان سکے کہ کون لوگ پاکتان بنانے والے جیں اور کن لوگوں نے تحریک پاکتان کی مخالفت کی اور جب بیرج کے کامیا بی سے ہمکنار ہونے گی تو چندا فراد کواس تحریک میں شامل کردیا۔ منظیم المدارس کے موجودہ صدر حضرت علامہ مفتی مذیب الرحن مدظلہ نے مجلس عاملہ کے اجلاس میں مرتب کرنے کا تھم فرمایا۔ میں موجودہ مدر حضرت براہ وی کومطالعہ پاکتان مرتب کرنے کا تھم فرمایا۔



الحمد للد! راقم نے مجلس عاملہ کے دوسرے اجلاس 9 مئی 2014 و مرتب شدہ کتاب مجلس عاملہ کے سامنے رکھ دی اور مجلس عاملہ کے سامنے رکھ دی اور مجلس عاملہ کے معزز ارکان نے اس کا وش کو پہند فرماتے ہوئے منظوری دے دی۔ جس پر راقم ان تمام معزز ارکان عاملہ کاممنون ہے۔ اس کے بعد تنظیم المدارس کی نصابی کمیٹی کے چند معزز حمبران نے پچھ تجاویز پیش کمیں جنہیں کتاب میں شامل کر دیا گیا ہے۔

میں اُن تمام احباب کاشکرید اداکرتا ہوں جنہوں نے پچھ کتب مہیا کیں یا انٹرنیٹ سے معلومات حاصل کر کے داقم کی مدد کی ۔ بالحضوص تنظیم المدارس کے صدر محترم جناب مفتی مذیب الرحمٰن صاحب کاشکر گزار ہوں جو داقم کی ایک دیرین خواہش کی تحمیل کا باعث بنے اور تنظیم کے ناظم اعلیٰ حضرت صاحبز ادہ محمد عبد المصطفیٰ ہزاروی زیدہ مجدۂ میرے شکرید کے مستحق ہیں جنہوں نے اس کتاب کی اشاعت کی ذمہ داری تنظیم کی طرف ہے اور کے داقم کے لئے کام آسان کردیا۔

الله تعالى تمام احباب كوجزائ خيرعطافرمائ - آمين شم آمين بجان سيد العرسلين

محسد صديق هزاروى سعيدى ازهرى استاذ الحديث جامع بجوريدر بارحفرت داتا يخ بخش دحمة الشعليدلا بور وفاضل جامع نظاميرضوبيلا بور



میں اپنی اس حفیری کوشش کو

ا پندر شدگرای غزالی زمان حضرت علامه سیدا حمد سعید کا طمی رحمة الله علیه ايخ جمله اساتذه كرام بالخصوص

مخدوم الل سنت شخ الحديث مفتى أنظم پاكستان حضرت مفتى محمد عبد القبوم بزراروكي رحمة الشعليه

اديب السنت محقق العصر على محمد عبد ألحكيم شرف قا در في رحمة الشعليه

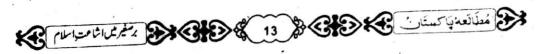
اوراينے والدگرا ي

استاذالعلماء حفرت مولا المحمر عبد الله چهرط هوى رحمة الله عليه

کی خدمت عالیہ میں پیش کرتا ہوں۔

گر قب ل اُفتد زھے عزوشرف

محمصديق ہزاروي سعيدي ازھري 4 شعبان المعظم/ 3 جون 2014ء



پېلاباب....

بَرْ صَعْدِر میں اشاعت اسلام بسم الله الرّحمن الرحيم

## برصغیر میں مسلمانوں کی آمد

سرز مین حجاز کے مقدس شہر مکہ مکر مہ میں اللہ تعالی کے آخری نبی حضرت محمہ مصطفیٰ صلی اللہ علیہ وآلہ وہلم کے ذریعے اسلام کا سورج طلوع ہوا جس نے ایک جہان کوروش کیا اور مسلمان مجاہدین کی مجاہدانہ کوششوں کے ذریعے دنیا کے مختلف ممالک میں اسلامی پر چم اہرانے لگا۔

مسلمانوں نے جہاں فتوحات کا سلسلہ جاری رکھا اور مفتوحہ علاقوں میں مسلمان مجاہدین کے اخلاق حسنہ اور دین اسلام کی پُرکشش تعلیم سے بیدین پھیلا وہاں مسلمان تاجروں اور مبلّغین اسلام کے ذریعے بھی اسلامی تعلیمات عرب سے نکل کرمجم کی سرزمین کومنور کرنے لگیں۔

چنانچہ برصغیر(پاک وہند) میں مسلمان تاجروں اور مبلغین کی آمد، اشاعت اسلام کاذر بعد بی اور 712ھ میں جب محمد بن قاسم رحمة الله علیہ نے سندھ پرحملہ کیا اور مظلوموں کی دادری کی تواس سے اسلام کوسیاسی قوت حاصل ہوگئی اور اسلام ایک دین کی حیثیت سے اُمجرا اور چونکہ اسلام کے دامن میں رحمت ، برکت وافعاف اور ہروہ خوبی موجود ہے جس کی انسانیت کوتلاش ہے اس لئے اسلام کے آتے ہی برصغیر کے نہیں معاشر تی اور معاشی نظام میں انقلاب آگیا اور دُھی انسانیت کوشکھ اور چین کی زندگی نصیب ہوگئی اور ایک اسلامی معاشر تھیل پایا۔

جب کہ شالی برصغیر میں مسلمانوں کی آ مدکاسلسلہ گیارہویں صدی عیسوی سے شروع ہوا جب سلطان محمود غرنوی نے برصغیر پر حملے کئے اور پنجاب کا علاقہ اپنی سلطنت میں شامل کیا۔ اس کے بعد سلطان محم غوری کی فتو حات نے اشاعت اسلام کی راہ ہموار کی۔



## برصغير مين اشاعت إسلام اورصُو فياءكرام

ایک طرف مسلمان مجاہدین نے جغرافیائی اعتبار سے فتوحات کے جھنڈے گاڑے تو دوسری طرف اولیاء کرام اور صُو فیائے عِظام نے دلول کو فتح کر کے اسلام کی طرف ماکل کرنا شروع کر دیا، چونکہ بیصو فیاء کرام پاکیزہ زندگی ، بلند کردار اور حُسن اخلاق کے اسلحہ سے لیس تھے لہذا ان کی صدافت نے اسلام کے سنہری اصولوں کی پذیرائی میں بنیادی کردار اداکیا اور یوں برصغیر کے باشندگان اسلام کے دامنِ رحمت سے وابستہ ہوتے کے گئے۔

ان بزرگوں میں حضرت علی بن عثمان المعروف دا تا گئی بخش (وفات 1072ء) حضرت شیخ اساعیل لا موری (وفات 1056ء) حضرت شخی سرور (ڈیرہ غازیخان، وفات 1081ء) حضرت خواجہ معین الدین چشتی (اجمیر شریف، وفات 1362ء)، حضرت بہاؤالدین زکریا ملتانی (ملتان، وفات 1362ء)، حضرت عثمان مروندی المعروف لائل شہباز قلند (سبون شریف سندھ، وفات 1274ء) حضرت مجدد الف ٹائی (سرمندشریف مندوستان، وفات 1664ء) اور حضرت شاہ عبد المطیف بھٹائی (سندھ، وفات 1752ء)

## برصغير مين اسلامي حكومت كأقيام

شہاب الدین غوری کے بعدان کے آزاد کردہ غلام قطب الدین ایک نے (جن کا مزار لا ہور میں انارکلی بازار کے پاس ہے کا 1206ء میں برصغیر میں اسلامی حکومت کی بنیادر کھی اور دبلی کواپنا پایئے تخت بنایا۔
چونکہ حکومت کا بنیادی کام اپنی رعایا کوخوش حال زندگی مہیا کرنا ہوتا ہے اس کے علاوہ ملک میں امن چونکہ حکومت کا بنیادی کام اپنی رعایا کوخوش حال زندگی مہیا کرنا ہوتا ہے اس کے علاوہ ملک میں امن اقائم کرنا، ظالموں کے ہاتھ روکنا اور مظلوموں کی دادری کرنا حکومت کی ذمہ داری میں شامل ہے۔

اس لئے اسلامی حکومت کے قیام کے بعد مسلمان حکمرانوں نے یہاں کی رعایا کومساوات اور عدل کی اور ذات پات کی تفریق فتم کر کے مساوات کی بنیاد پران کو بنیادی حقوق فراہم کئے جس کے

نتیج میں برصغیر کے ہندواور دیگر ندا ہب سے تعلق رکھنے والے لوگ بھی اسلامی حکومت کواپنے لئے باعث رحمت سمجھنے گئے اور بوں انتشار کا خاتمہ اور بنظمی کا قلع قمع ہوا اور سیای وحدت کے ذریعے چھوٹی چھوٹی ریاستوں کوختم کر کے مرکزی حکومت کومضبوط کیا گیا۔

اس کافائدہ میہ ہوا کہ برصغیر میں اسلامی حکومت کے بہترین نتائج ظاہر ہوئے ، فنون نطیفہ کوتر تی حاصل ہوئی بلم وادب کوفر وغ حاصل ہوا ، فن تعمیر نے ایک نئ عمدہ جہت اختیار کی اور قوموں کے میل جول کی وجہ سے مسلمانوں کی نشکری زبان اردوجس میں عربی فاری اور دیگر زبانوں کے الفاظ شامل ہیں، معرض وجود میں آئی اور مسلمان حکمران علم وادب کی سریری کرنے گے اور یوں بے شارا ہل علم پیدا ہوئے۔

#### برصغير مين مسلمان حكومت كازوال

سلطان قطب الدین ایک نے 1206ء میں برصغیر میں جس اسلامی حکومت کی بنیا در کھی تھی وہ مختلف مسلم حکمر انوں کی حکمر انی میں جاری رہی اور برصغیر کے باشندوں کو ایک سنہری دور دیکھنے کو ملایہاں تک کہ 1707ء میں مغلیہ فرماں روا اور نگزیب عالمگیر کی روات کے بعد اس کے نالائق اور کمزور جانشین اس وسیع سلطنت کوسنجال نہ سکے اور مرکز کی کمزوری کی وجہ سے علاقائی ریاستوں نے سراٹھانا شروع کردیا۔

وکن میں مرہنوں نے سراٹھایا، پنجاب میں سکھوں نے بغاوت کی راہ اختیار کی ، دہلی اور آگرہ کے درمیانی علاقوں میں جانوں نے بغاوت کر دی اس دوران بنگال دکن اور اُودھ کے صوبہ داروں نے نیم خود مختار رہانی علاقوں میں جانوں نے بغاوت کر دی اس دوران بنگال دکن اور اُودھ کے صوبہ داروں نے نیم خود مختار رہائیں۔

جہدیہ ہوا کہ مرکزی حکومت کمزور ہوگئی، اس کی آ مدنی کم ہوگئی اور مغلیہ حکومت کے دفاع کے لئے بڑی فوج رکھنا مشکل ہوگیا۔

ای زمانے میں ایران میں ناور شاہ نے بوی قوت حاصل کر لی اور 1739ء میں اس نے برصغیر ہ حملہ کر کے مغل بادشاہ محمد شاہ رکھیلا (وفات 1748ء) کوکر نال کے مقام پر شکست دی اور دبلی میں قل عام کا تھ دیا جس کے منتیج میں خون کی ندیاں بہائی گئیں۔ المُولِيَّة الْمُعَالِيَّة الْمُولِيِّة الْمُولِيِّة الْمُولِيِّة الْمُؤْمِنِيِّة الْمُولِيِّة الْمُؤْمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِينِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِّة الْمُؤمِنِيِيِّ الْمُؤمِنِيِيِي الْمُؤمِيِيِيِي الْمُؤمِنِيِيِيِي الْمُؤمِي الْمُؤمِنِيِيِيِي ا

1747ء میں جب نادرشاہ آل ہوا تو افغانستان میں احمد شاہ ابدالی (وفات1772ء) نے وہ متار ریاست قائم کرلی اوراس نے کئی بار برصغیر پر صلے کر کے مغلیہ حکومت کی رہی سہی سا کھ کو بھی ختم کر دیا۔

زوال کےاسباب

کی بھی قوم کے ذوال میں بنیادی طور پراس کی اپنی کمزور یوں کا دخل ہوتا ہے پھر بیرونی سازشیں اس زوال کواس کے منطقی نتیجے پر پہنچاتی ہیں۔اگر ہم برصغیر میں مسلمانوں کے زوال کا سرسری جائزہ لیس تو درج ذیل اسباب سامنے آتے ہیں۔

1.....ناابل حكمران\_

2 ..... ند ب سے رُوگردانی۔

3.....مرکز کی کمزوری کے باعث بیرونی حملے۔

4....اقتدار کی جنگ۔

5....نی ایجادات سے ناواتفیت\_ 6.....جذبه جهاد کی کی\_

ہ مستبدنبہ بہاری ہا۔ 7....شتن اور آ رام طلی۔

8.....أمراء كى مفاد پرتق \_ 9..... ہندؤوں كى سازشيں \_

9.....بروون مارین. 10......بری توت کی عدم موجودگی۔

11....مرہٹوں اور سکھوں کا عروج۔ 12..... اخلاتی انحطاط۔

13....درباری سازشیں\_

14.....تاجروں کی شکل میں انگریز کی آ مہ

#### اصلاحی کاوشیں ·

جب برصغیر میں مسلم حکومت زوال پذیر بهور ہی تھی اس وقت کئی نہ ہی اور رُوحانی شخصیات نے اک در کومحسوس کیا اور اصلاح امت کا بیڑ الٹھایا ان میں حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ الله علیہ (وفات 1762ء) اور ال کے صاحبز اور سے حضرت شاہ عبد العزیز رحمۃ اللہ علیہ (وفات 1824ء) اور النجے بھائیوں شاہ رفع الدین رحمۃ الله علیہ (وفات 1814ء) اور النجے بھائیوں شاہ رفع الدین رحمۃ الله علیہ (وفات 1814ء) نے قرآن وسنت کی تعلیم کے ذریعے مسلمانوں میں اسلامی رُوح بھونگی۔

بنگال میں حاجی شریعت اللہ اور تنتو میر نے مسلمانوں کوانگریزوں اور ہندؤوں کی دوہری غلامی سے نجات دلانے کا بیڑا اٹھایاان کی کوششوں ہے بنگال میں اسلامی اقد ار کوفر وغ ملااور لوگ غیراسلامی رسم وروائ کوڑک کر کے شریعت پڑمل کرنے گے لا ہور کے مسلمانوں نے سکھوں کے مقابلے کے لئے حیدری فوج قائم کی دیگر مقامات پر بھی مسلمانوں نے سمی حکمران کی قیادت کے بغیر غیر مسلموں کے تسلط سے بہنچ کے لئے اپنی ہمت کے مطابق کوشش کی ۔

### حضرت شاه ولى الله محدث د بلوى رحمة الله عليه

حضرت شاہ ولی الله رحمة الله عليہ1703ء کو دہلی میں پیدا ہوئے آپ کے والد ماجد علامہ شاہ عبد الرحیم رحمة الله علیه ایک ممتاز عالم اور صوفی بزرگ تصحضرت شاہ ولی الله رحمة الله علیه نے پندرہ سال کی عمر میں اکثر علوم دینیہ سے فراغت کے بعد اپنے والد کے مدرسہ میں پڑھانا شروع کیا۔

حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ کا سلسلہ نسب والدکی طرف سے حضرت فاروق اعظم رضی اللہ عنہ اور والدہ کی جانب سے حضرت امام موئی کاظم رحمۃ اللہ علیہ تک پنچتا ہے۔ 1731ء میں آپ نے حج بیت اللہ شریف کی سعادت حاصل کی اور 1732ء میں سرز مین حجاز سے واپسی پر تصانیف اور تدریس کا سلسلہ شروع کیا مجر تدریس اینے شاگر دوں کے حوالے کر کے تصانیف, اسلامی معاشرے کی اصلاح، اسلامی اقدار کے تحفظ مجر تدریس اینے شاگر دوں کے حوالے کر کے تصانیف, اسلامی معاشرے کی اصلاح، اسلامی اقدار کے تحفظ

اور برصغیر میں غیر مسلم قو توں کے خاتے کی کوشش میں مصروف ہو گئے۔1762ء میں آپ کا وصال ہوا۔

آ پایک صحیح العقیدہ تی عالم دین تھے اور آ پ نے قر آ ن مجید کے فاری ترجمہ اور حدیث شریف کے درس و قد رئیں کے ذریعے مسلمانوں کی اصلاح کا اہم کارنامہ انجام دیا۔

مسلمان سرداراورگورنر جب مرہوں کی گوشالی نہ کرسکے تو حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ نے خطوط کے ذریعے افغانستان کے بادشاہ احمد شاہ ابدالی کواس بات کا قائل کیا کہ نا در شاہ کی طرح محض لوٹ مار کرنے اور نون بہانے کی بجائے اسے مرہوں اور ہندو جاٹوں کی سرکو بی کرنا چاہیے۔جن کی آئے دن کی شرارتوں کی وجہ سے اسلامی حکومت خطرے سے دوجا رہے۔

چنانچدا 176ء میں پانی بت کے تاریخی مقام پراحمد شاہ ابدالی اور مرہٹوں کے درمیان ایک فیصلہ کن جنگ ہوئی جس میں مرہٹوں کی مقام ہور پر پھر جنگ ہوئی جس میں مرہٹوں میں وہ دم خم ندر ہا کہ وہ منظم طور پر پھر سے حملہ کر سکیں۔

حقیقت یہ ہے کہ مرہوں کے خلاف احمر شاہ ابدائی کو بلانے اور نجیب الدولہ کوشریک کرنے میں شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ کا وشیس شامل تھیں اور پانی بت کا میدان کا رزار حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ نے ایک طرف مسلم سیای قیادت کو بچانے کی کوشش کی کا سجایا ہوا تھا۔ گویا حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ نے ایک طرف مسلم سیای قیادت کو بچانے کی کوشش کی اور دوسری طرف اپنی غربی ، ساجی اور ثقافتی حالت اور دوسری طرف اپنی غربی ، ساجی اور ثقافتی حالت کوسد حار نے میں گراں قدر خدمات انجام ویں اور صرف یہی نہیں بلکہ حضرت شاہ ولی اللہ رحمۃ اللہ علیہ نے حضرت مجددالف ٹانی رحمۃ اللہ علیہ کی دوتو می نظریہ کے احیاء کی تحریک کو بھی زندہ رکھا۔

#### هندوجار حيت كاآغاز

جب مسلمان حکمرانوں کی عیاثی اور اقتدار کی جنگ ہے مسلمانوں کی اجماعی قوت بھر گئی اور برصغیر میں مسلم حکومت کمزور پڑگئی تواس کے نتیج میں مسلمانوں کا ایک ہزار سالہ افتدار کا سورج غروب ہونے لگا اور ہندوجواب تک مفلوب تنے سراٹھانے لگے وہ طویل عرصہ تک حکومت سے محروم رہنے کی وجہ سے کاروباری

بن چکے تھے۔ جب کہ سلمانوں کے ذہن جا میر دارانہ بن گئے اس لئے سلمانوں میں یورپ کے مقابلے میں ، جدید منعتی معاشرہ قائم کرنے کی صلاحیت بھی نہیں تھی۔ جدید منعتی معاشرہ قائم کرنے کی صلاحیت بھی نہیں تھی۔

لہذا ہندؤوں نے دوکا نداری ، تجارت اور دیگر کاروبار میں دلچینی لیناشروع کردی اور یول برصغیر میں ہتدومعاشرتی اوراقضادی لحاظ ہے منظم اور کامیاب ہوگئے ۔ یہ بات ہر عقلند آ دمی جانتا ہے کہ کسی بھی کامیاب معاشرہ کے قیام کے لئے اس کی اقتصادی کامیابی ضروری ہے اور چونکہ مسلمان تجارت سے دور کردیے گئے حتی کہ مسلمانوں کے ذہنوں میں یہ بات بھی ڈال دی گئی کہ گھر میں تراز ورکھنانحوست کی علامت ہو گئے وہ ان سے سودا خریدتے اور اپنی چیزیں گروی رکھتے۔

اس کے علاوہ ہندؤوں نے مسلمانوں کی خالفت میں گئی جارحانہ تحریکیں بھی شروع کردیں۔آریساج مورکھ کورکھ میں اس کے علاوہ ہندؤوں نے مسلمانوں کی خالفت میں گئی جارحانہ تحریک ہندؤوں کو بھانا ورمسلمانوں کو ذرج کرنا تھا۔
آریساج نے شدھی کی تحریک چلائی جس کا نعرہ تھا کہ ہندوستان صرف ہندؤوں کا ہاس تحریک سے مسلمان اس جینے کہ یا تو ان کو ہندو بنتا پڑے گا یا ہندوستان جیموڑ نا ہوگا اس لئے مسلمان زندہ رہنے کے لئے اپنے آپ کومنظم کرنے پر مجبور ہوگئے۔

#### انگريزوں کي آمد

ہندوؤں کی بڑھتی ہوئی طاقت کے ساتھ ساتھ برصغیر کے مسلمانوں کوایک اور دھچکا اس وقت لگاجب برطانیے نے برصغیر میں اپنا اثر ورسوخ قائم کرنا شروع کردیا اس وجہ سے مسلمانوں کے مخالفین زیادہ مضبوط ہورہے تھے کیونکہ غیرمسلم چاہے کتنے حصوں میں بے ہوئے ہوں مسلمانوں کے مقابلے میں متحداورا یک ملت کی طرح ہوتے ہیں۔

شروع شروع میں انگریز تجارت کی غرض سے برصغیر میں داخل ہوئے جب انہوں نے یہاں کے مطالب سے سازگار دیکھا تو انہوں نے چھوٹی چھوٹی ریاستوں کے معاملات میں دخل اندازی شروع مطالب کے سازگار دیکھا تو انہوں نے چھوٹی جھوٹی ریاستوں کے معاملات میں دخل اندازی شروع

کردی اور یوں وہ اپنا اثر ورسوخ بڑھانے میں کامیاب ہوگئے۔ چنانچہ ایسٹ انڈیا کمپنی نے1757ء میں نواب سراج الدولہ سے بنگال فتح کیا اور پھر1857ء تک سوسال کے عرصہ میں ایک ایک کر کے تمام بڑی ریاستوں کو فتح کرلیا۔

دہلی فتح کرنے کے بعدانگلتان (برطانیہ) کی ملکہ وکٹوریدنے برصغیر کو ہا قاعدہ برطانیہ کی نوآ بادی بنانے کااعلان کردیا اور یوں مسلمان انگریز اور ہندو دونوں کی غلامی میں چلے گئے اور مسلمانوں کے اقتدار کی تشتی ڈوب گئی۔

#### جنگ آ زادی اوراس کی وجوہات

اب مسلمانوں کے سامنے دو کاذہ سے برصغیر سے انگریز کے عاصبانہ تسلط کوختم کرنا اور برصغیر کے مسلمانوں کے لئے دوقو می نظریہ کی بنیاد پرعلیحدہ مملکت کا قیام جہاں مسلمان آزادی کے ساتھ اسلامی شافت کوفر دغ دے سکیں اور اسلامی نظام حکومت قائم ہو سکے ۔ان دو محاذوں میں سے پہلامحاذ آزادی کا تھا چنانچہ برصغیر کے مسلمانوں نے آزادی ہند کے لئے جدوجہد شروع کردی ۔اس کی بنیاد سیاسی معاشرتی ، نہ بہی اور فوجی وجی ہات بھی تھیں جن کی قدر نے تصیل درج ذیل ہے۔

مسلمانوں نے اپنے دورِافتدار میں بھی بھی نیلی امتیاز کی پالیسی پڑمل نہیں کیا تھالیکن انگریز محکوم اقوام کوحقارت کی نظر سے دیکھتے تھے ادر ہرمعا ملے میں گورے کوکالے پرتر جیح دیتے تھے۔

چونکہ انگریز نے حکومت مسلمانوں سے لی تھی اس لئے وہ مسلمانوں کوا پنادشمن سیجھتے تھے،وہ اس بات سے ڈرتے تھے کہ کہیں مسلمان دوبارہ اقتدار میں نہ آ جائیں یہی وجہ ہے کہ وہ مسلمانوں کوسیای ،اقتصادی اور ساجی لحاظ سے کیلنے کے لئے اپنی پوری طاقت استعمال کرتے تھے۔

انگریز حکومت برصغیر کے باشندوں (بالخصوص مسلمانوں) کوعیسائی بنانے میں زیادہ دلچیں لے رہی تھی۔اور حکومتی سریر تی میں مشن اسکولوں اور ہیں تالوں میں تھلم کھلاعیسائیت کی تبلیغ کی جاتی تھی۔



## مشنری با در بول کی بےلگامی

چارٹرا یکند 1813 کی رُوسے برطانوی حکومت نے مشنری پادر یوں کو برظیم میں آنے اور یہاں

آباد ہونے کی اجازت دے کرعیسائیت کی تبلیغ میں ایک نیا جوش پیدا کردیا۔ یہ مشنری بہت تنگ نظراور متعصب
واقع ہوئے تھے انہوں نے مصرف سے کہ مختلف طریقوں سے عیسائیت کی تبلیغ شروع کردی بلکہ دیگر ندا ہب پر
ناروا تقید بھی کرتے اور نازیبا اور بیہودہ تحریوں کے ذریعے بھی نفرت پھیلار ہے تھے۔ اس کے علاوہ سرکاری
طور پرعیسائیت کی سر پرتی ہونے لگی ،اسلامی قوانین میں مداخلت شروع کردی گئی کمپنی کی افواج میں دلی طور پرعیسائیت کی سر پرتی ہونے لگی ،اسلامی قوانین میں مداخلت شروع کردی گئی کمپنی کی افواج میں دلی سابھوں کے ساتھ ذلت آمیز اورا متیازی سلوک کیا جاتا ، نہ ہب کے خلاف احکام جاری کئے گئے مثلاً کی سپائی کوفوجی ملازمت کے دوران واڑھی رکھنے کی بھی اجازت نہتی ۔ ان وجو ہات کی بنیاد پرانگریز کے خلاف جنگ از دورکی کا آغاز ہوگیا۔

#### جنك آزادى كا آغاز

اگر چہ جنگ آزادی کے لئے بیتام (فیکورہ بالا) وجوہات جواز فراہم کرتی تھیں لیکن اس کی فوری وجہ
ایک بی قتم کی را تعل اور چر بی والے کا رقوس تھاس کا رقوس کواستعال کرنے سے پہلے دانتوں سے کا شاپڑتا تھا
فوج میں بیا فواہ پھیل گئی کہ نے کا رقوس پرگائے اور سور کی چر بی گئی ہوئی ہے چونکہ گائے ہندوؤں کے نزدیک
مقدس اور سُور مسلمانوں کے لئے حرام ہے۔ اس لئے فوجی سپاہی غصہ سے بے قابوہو گئے جس کے رقام میں
مقدس اور شور مسلمانوں کے لئے حرام ہے۔ اس لئے فوجی سپاہی غصہ سے بے قابوہو گئے جس کے رقام میں
مقدس اور شور مسلمانوں کے لئے حرام ہے۔ اس لئے فوجی سپاہی خصہ سے بے قابوہو گئے جس کے رقام میں
مقدس اور شرک ہور محمول کی تعین رحمول نے تھلم کھلا بعناوت کردی اور جنگ آزادی کا آغازہ و گیا۔
مقد مقد مقد مقد مقد میں بی بارک پور، دبلی باکھ و کا نہور، ہر بلی ، جھانی وغیرہ میں بھی انگریزوں کے خلاف جنگ
آزادی شروع ہوگئی لیکن بنجاب اور د لیک ریاستیں انگریزوں کی وفادار رہیں اور انہوں نے قومی اور مکلی مفاد کی ہوا ہ نہ کرتے ہوئے انگریزوں کی الماور فوجی مدد کی چنا نچے انگریزوں نے اکتوبر 1857ء تک جنگ آزادی کو مان کو ماکا کا مینا کررکھ دیا اور اس کے بعد وہ نوے سال تک برصغیر پر حکم ران رہے۔



## نكبآ زادى اورعلامه فضل حق خيرآ بادى رحمة الله عليه

یدایک اٹل حقیقت ہے کہ برصغیر کے علاء کرام نے ہرمشکل وقت میں قوم کی راہنمائی کی اگر چہ کچھ علاء نے علاء سوء کا کر دار بھی اوا کیالیکن علاء اٹل سنت نے ہمیشہ تاریخی کر دارا داکیا چنانچ تحرکی کی آزادی ہند کے موقع بھی علامہ نضل حق خیر آبادی رحمۃ اللہ علیہ اور دیگر علاء اہلسنت نے جیل کی سخت سزائیں بر داشت کیس لیکن پھر کی علامہ نوٹ کو خوف کو خاطر میں لائے بغیر برصغیر کے باشندوں کی آزادی کے لئے بھر پورکر دارا داکیا۔

حضرت علامہ فضل حق خیرا آبادی رحمۃ اللہ علیہ (۱) اس جماعت کے سرخیل تھے جن کوجزیرہ انڈیمان ن کالا پانی '' کی سزادی گئی اور اس قدر مصائب ڈھائے گئے کہ اگر پہاڑ پر بھی ڈالے جاتے تو وہ ریزہ ریزہ ہاتا آپ نے ان تمام مصائب کاذکر اپنی شہرہ آفاق ،معرکۃ الاراء تصنیف ''رسالہ غدریہ'' میں کیا ہے جے ہاتا آپ نے ان تمام مصائب کاذکر اپنی شہرہ آفاق ،معرکۃ الاراء تصنیف ''رسالہ غدریہ'' میں کیا ہے جے اس السندید ''

''کالا پانی'' کی سزاکے دوران آپ نے یہ کتاب کھی اوراس وقت آپ کے پاس کاغذاور قلم پچھنہ پ نے بیہ کتاب کو سکتے سے کپڑوں اورلکڑیوں پرتحریر کی ۔اس کتاب کے تعارفی مضمون میں معروف رائٹر ماحمہ نے لکھا ہے:

"مولا نافضل حق خیرا بادی یگانت روز عالم تقیع بی کے بانے ہوئے ادیب اور شاعر تقی علوم کے امام وجمہتد تھے۔ ان سب خصائص سے بالاان کی خصوصیت میتی کہ وہ بہت بڑے سیاستدان مد برادر مفکر بھی تھے، مند تدریس پر بیٹھ کر وہ علوم وفنون کی تعلیم دیتے تھے اور ایوان حکومت میں مد برادر مفکر بھی تھے۔ غدر (تحریک آزادی) کے بعد نہ بہتی کروہ دوررس فیصلے کرتے تھے وہ بہادر اور شجاع بھی تھے۔ غدر (تحریک آزادی) کے بعد نہ جانے کتنے مُور مااور رزم آراا لیے تھے جو گوشہ عافیت کی تلاش میں مارے مارے پیمرتے تھے۔

۔۔۔۔علامر فسل حق خبرآباد کارتمۃ اللہ علیہ بحری جن ، ماتریدی چنٹی 1212ھ/1797ء میں پیدا ہوئے اپنے والد مولا نافضل امام رقمۃ اللہ علیہ بناگرد تھے۔ صدیث مولا نا عبدالقادر داوی سے پڑھی بقرآن مجید چار ماہ میں حفظ کرلیا ، تیرہ سال کی عربی فارخ التحصیل ہو مکے ،علوم منطق سے ، قلسفہ ادب، مکام، اصول اور شاعری میں اپنے ہم عمروں میں ممتاز اوراعلی قابلیت رکھتے تھے۔ انگریزوں نے ان کو 1857 میں قدر کرکے ۔ ورکون مینے دیا۔ وہیں 12 مفرہ 1278 میں 1861ء میں وقات پائی۔ ( تذکرہ علائے بندمی 382)



کیکن مولا نافضل جن ان لوگوں میں سے تھے جوائیے کئے پر نادم اور پشیمان نہیں تھے۔''

(انواررشاص:۴۳۵)

حضرت علامہ فضل حق خیر آبادی رحمۃ اللہ علیہ وہ مجاہد تھے جنہوں نے انگریز کے خلاف جہاد کا فتو کی دیا تھا اور انگریز کی طرف سے رہائی کی پیشکش کے باوجود اپنا فتو کی واپس نہ لیا اور جیل کی سختیاں برادشت کیس اور جب آپ کی رہائی کا بروانہ آیا تو آپ کا جنازہ جیل سے باہر آرہا تھا۔

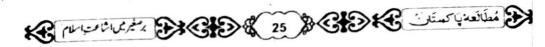
جنك آزادى اورد يكرعلاء ومشائخ

مجابدِ تحریک آزادی علامہ فضل حق خیر آبادی رحمۃ اللہ علیہ کے علاوہ اکابر علاء ومشاکئے نے بھی تحریک آزادی میں بھر پور حصہ لیااور انگریز کی طرف سے ڈھائے گئے مظالم کوخندہ پیشانی سے قبول کیاان میں سے چندا ہم شخصیات کے اساء گرامی درج ذیل ہیں۔

نوٹ ..... جب مسلمان انگریز کے خلاف جہاد کررہے تھے سیدا حمد ہریلوی اور مولا نامحمرا ساعیل انگریز کے خلاف جہاد کی مخالفت کررہے تھے۔

مولا ناجعفرتهانيسرى نے لکھاہے:

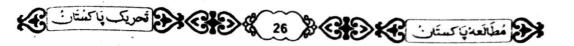
" بیمی سیحی روایت ہے کہ قیام کلکتہ کے دوران جب ایک روز مولا نا محمد اساعیل وعظ فر مارہ سے کے ایک شخص نے مولانا سے بیفتوی پوچھا کہ سرکار انگریز سے جہاد کرنا درست ہے یا نہیں اس کے جواب میں مولانا نے فر مایا کہ الی بے رُدوریا اور غیر متعصب سرکار پر کسی طرح بھی جہاد کرنا درست نہیں" (سوائح احمی 171)



#### سوالات

برصغیر میں اشاعت اسلام کا سب سے بہلاسب کیا تھا؟ موال نمبر 1 محر بن قاسم نے سندھ پر تملہ کب کیا؟ موال نمير 2 وه كون ساحكمران تماجس كى فتوحات نے برسفير من اشاعب اسلام كى راه بمواركى؟ موال نمبر 3 جن مشائخ نے برصغیر میں اسلام کی شمع روش کی ان میں سے تین کے اسائے گرای مع من وفات موال نمبر 4 ذكركرين؟ برصغير مي اسلامي حكومت كى بنيادكس حكران في كس من من ركمي؟ وال تمبر 5 برصغیر میں اسلامی حکومت کے زوال کے اسباب پرروشی ڈالیں۔ وال نمبر 6 حفرت شاہ ولی اللہ رحمة اللہ علیہ کی اصلاحی کوششوں کے بارے میں آپ کیا جائے ہیں؟ وال نمبر 7 وال تمبر 8 حضرت شاہ ولی الله رحمة الله عليه كے ان صاحبزادوں كے نام بنائيں جنہوں نے قرآن ياك كا ترجمه كركامت مسلمك وين رابنمالي كي ملمانوں کےخلاف ہندؤوں کی برتری کی وجوہات ذکر کریں۔ وال نمبر 9 برصغیر میں انگریز کی آ مدس طرح اور کب ہوئی اور انہوں نے کس طرح یہاں کی حکومت پر قبضہ موال نمبر 10 اگرېز كے خلاف جنگ آ زادى كے محركات يروشي ۋاليس\_ وال نمبر 11 جنگ آ زادی کے مجام اعظم علام فضل حق خیرآ بادی رحمة الله علیه کی کاوشوں کے بارے میں آب وال تبر12 كياجائة بين-؟ جنگ آزادی می حد لینے والے مشاکخ میں سے پانچ کے اسائے گرائ فقل کریں۔ وال نمبر13

**☆☆☆...........☆☆☆.........**☆☆☆



دوسراباب....

تَحُريكِ پَاكسُتَانَ



# تحریک پاکستان کے محرکات

برصغیر کے مسلمان جس طرح سیاسی ،معاشرتی ،معاشی اور ند ہبی حوالے سے انگریز کی سازش کا شکار معاسی طرح مکار ہندو بھی مسلمانوں کے لئے وبال جان تھے اور جب مسلمانوں کے اقتدار کا سورج ڈوبا ہندوؤں نے بھی مسلمانوں کے خلاف سازشوں کا جال بچھا دیاس لئے اب ضروری ہوگیا تھا کہ مسلمان ایک بحدہ مملکت کے قیام کا مطالبہ کریں جس کی بنیا دردوتو می نظر بیے وقر اردیا۔

نوٹ ..... دوقو می نظرید کی وضاحت آئندہ صفحات پر ملاحظه کریں۔

تحریک پاکستان کے چندمحرکات درج ذیل ہیں۔

#### قه وارانه فسادات

برصغیر میں ہندوؤں کی تعداد مسلمانوں سے زیادہ تھی اس لئے ہندو مسلم فسادات میں مسلمانوں کا قتل م کیا جاتا تھالہذا بیضد شدموجود تھا کہ انگریز کے جانے کے بعد ہندو'' رام راج'' کریں گے اور مسلمانوں کے ان سے ہولی تھیلیں گے۔

#### فاشرتى حالات

ہندو ذات پات اور رنگ نسل کے امتیاز کے نہ صرف قائل تھے بلکہ اس پڑمل کرتے تھے تواس وجہ میں محروم کردیا جائے گا۔ مے بیخوف موجود تھا کہ مسلمانوں کو دوسرے درجہ کا شہری بنا کرسیاسی آزادی سے بھی محروم کردیا جائے گا۔

للم زبان وثقافت كى مخالفت

انگریز حکومت کی موجودگی میں ہندوایزی چوٹی کا زور لگاتے رہے کہ ہندی زبان کو ملک بجرکی زبان

و كُورِيك بِ كَشَانَ كِي ﴿ 28 ﴾ ﴿ 28 مُطَالِعَه لِي السَّانِ عَلَيْكِ بِ كَشَانَ اللَّهُ الْعُمْ الْمُعَالَى ا

کا درجیل جائے اور وہ اردوز بان اور سلم ثقافت کومٹانے کے دریے تھے۔

كأنكرسي وزارتيس

دوقومی نظر بیہ

چونکهٔ مسلمان اورغیرمسلم دوالگ قومیں ہیں ان کی ثقافت زبان ،رسم ورواج اورانداز زندگی مختلف۔ اسلئے ضروری تھا کہ مسلمان ایک آزادمملکت میں اپناالگ ثقافتی ، ندہبی وجود قائم رکھ سکیں ۔

اسلامي نظرية حيات

نظریه پاکستان ،اسلامی نظریهٔ حیات پرجنی ہے اوراسلامی نظریهٔ حیات کی بنیاد قرآن وسنت ہے قرآن وسنت کی روشنی میں جدید مسائل کاحل جیدعلاء کرام تلاش کرتے ہیں اورا سے اسلامی فقہ کہا جاتا ہے۔ اسلامی نظریہ جیات کی چنداہم ہاتیں درج ذیل ہیں:

مسبعقائد

اسلام میں عقائد کو بنیادی حیثیت حاصل ہے اور تمام دین کی عمارت اسی بنیاد پرقائم ہے۔ بنیاد کی طوا عقائد چند باتوں پر مشتل ہیں اللہ تعالیٰ کوایک ماننا اسے تو حید کہتے ہیں تمام رسولوں اور ببیوں کی رسالہ ونبوت پر ایمان رکھنا ، تمام آسانی کتابوں مثلاً قرآن مجید ، تو رات ، زبور اور انجیل اور دیگر صحیفوں پر ایما رکھنا ،فر شتوں پر ایمان رکھنا ، آخر ت کے دن پر (جب اعمال کا بدلہ دیا جائے گا اور اسے قیامت کا کہا جاتا ہے ) ایمان رکھنا ، اور تقدیر پر ایمان لا نا یعنی ہر خیر وشر اللہ تعالیٰ کی طرف سے مقرر ہے اور انسالہ عمل کرنے کا حکم ہے۔ مسلمانوں کے عقائد میں میہ بات بھی شامل اور لازی ہے کہ ہمارے بی حضرت محمد علی کے واللہ تعالی انے ہر عیب سے پاک پیدا فر مایا اور آپ ظاہری اور باطنی حسن و جمال کے پیکر تھے نیز آپ آخری نبی ہیں آپ کے بعد نبوت کا دروازہ بند ہو گیا اس کو عقیدہ ختم نبوت کہتے ہیں۔ نیز عقیدہ ختم نبوت کا مشرکا فر ہے۔

ای طرح قرآن مجیدآخری آسانی کتاب ہاوراس میں قیامت تک پیش آنے والے مسائل کے حل کے لئے راہنمائی موجود ہے۔

صحابہ کرام اوراہل بیت اطہار رضی الله عنهم وہ پاکیزہ شخصیات ہیں جن کوحضور علی ہے خصوصی نسبت حاصل ہےان کی عزت واحترام ہر مسلمان پرلازم ہے۔

2....عبادات

عبادت کامعنی اللہ تعالی ادراس کے رسول علیہ کا تھم ماننا ہے اور بنیادی طور پر چند کام بطور عبادت فرض بیں۔ مثلاً پانچ وقت کی نماز ، ماہ رمضان المبارک کے روزے ، سال میں ایک مرتبہ اپنے مال کی زکوۃ اداکرنا، اگرطافت ہوتو زندگی میں ایک بارج کرنا، جہاد فرض کفایہ ہے مسلمان فوج کی ذمہ داری ہے کہ وہ فتنہ فسادے قلع قمع کے لئے اسلام دشمن قو تول کے خلاف جہاد کرے۔

3 ....قانون کی حکمرانی

کسی بھی معاشرہ میں قانون کی حکمرانی ضروری ہوتی ہے ور نہ طاقت ورلوگ کمزورلوگوں کی زندگی عذاب بنادیتے ہیں اسلام میں قانون کاسرچشمہ قرآن وسنت اور فقہ اسلامی ہے اور قانون کی نظر میں سب لوگ برابر ہیں۔

استعدل وانصاف

اسلامی قانون کی خوبی یہ ہے کہ یہ قانون معاشرے میں انصاف قائم کرتا ہے مجرم کوئی بھی ہوقانون کی گردنت میں آتا ہے ای کوانصاف اور مساوات کہتے ہیں۔

بنو مخزوم قبیلہ کی فاطمہ نامی عورت نے چوری کی تو حضور علیلیہ نے اس کا ہاتھ کا شنے کا تھم دیا جب اس کی سفارش کی گئی تو آپ علیلیہ نے فرمایا اگراس کی جگہ میری بیٹی فاطمہ (رضی اللہ عنہا) بھی ایسا کرتی تو میں سفارش کی گئی تو آپ

اس کا بھی ہاتھ کا ٹ دیتا۔

عدل وانصاف اسلامی قانون کا طرؤ امتیاز ہے اور تاریخ میں اس کی بے شارمثالیں ہیں۔ عدل وانصاف اسلامی قانون کا طرؤ امتیاز ہے اور تاریخ میں اس کی بے شارمثالیں ہیں۔

5.....اخوت ومساوات

ایک پرامن معاشرے کے قیام کے لئے ضروری ہے کہ اس کے افراد بھائی چارہ قائم کریں اوران کے درمیان مساوات ہواسلامی نظریہ حیات اس بھائی چارے کوقائم کرتا ہے ۔قرآن مجید میں ہے کہ مؤمن آپس میں بھائی بھائی ہیں اور حضور علیقہ نے فرمایا مسلمان ،مسلمان کا بھائی ہے اس اخوت کی بنیاد پر ایک دوسرے کے مال جان اور عزت کو تحفظ دیا جاتا ہے اسلام کے مطابق سب سے زیادہ عزت اس محفل کے لئے ہے جوسب سے زیادہ تقی ہے یعنی جس کے دل میں خوف خدا ہوتا ہے۔

6....اسلام اوراقتد اراعلیٰ

اسلامی نظریہ حیات میں اقتداراعلیٰ اللہ تعالیٰ کے پاس ہے وہ انظم الحاکمین ہے بعنی تمام حاکموں کا حاکم ہے ۔انسان اس کے نائب کے طور پراس کے نظام کوقائم کرتا ہے یہی وجہ ہے کہ اگر حکمران اسلام کے خلاف کو لک طریقہ اختیار کریں تو ان کو حکمرانی کاحق باتی نہیں رہتا وہ اللہ تعالیٰ کے دیتے ہوئے قانون یعنی قرآن وسنت کے نفاذ کے یابند ہیں۔

دوقوى نظريها ورحضرت مجد دالف ثانى رحمة الله عليه

دو قومی نظریہ کامطلب یہ ہے کہ مسلمان اورغیر مسلم دو الگ قومیں ہیں مسلمان کا دین، نمرہبا اور ثقافت جدا ہے اور دہ اللہ تعالی اور اسکے آخری نبی حضرت محمد علی کے احکام کے تابع ہے جب کہ غیر مسلم چاہے وہ کسی بھی دین سے تعلق رکھتے ہوں ان کی ثقافت جدا ہے اور وہ ایک ہی ملت شار ہوتے ہیں ۔قر آن مجل

''ایک گرده کو ہم نے ہدایت دی اور دوسرے گروه پر گمراہی ثابت ہوگی''

ہدایت یافتہ گروہ مسلمان کہلاتا ہے اور گراہی کے راستے پر چلنے والے تمام غیر مسلم الگ گروہ ہیں۔ مغلیہ حکمران اکبر کے زمانے میں دوقو می نظریہ کوشتم کر کے ہندومسلم اتحاد کے تحت'' وینی الٰہی'' کے کے مُطَالَعَه بِاکستَات کی کی کا کہ کی کی اور مسلمانوں کے شعارُ ( فرہی علامات ) کوختم کردیا گیا۔ سے ایک مجون مرکب بنایا گیا جس کے نتیج میں ہندوازم کو برتری دی گئی اور مسلمانوں کے شعارُ ( فرہی علامات ) کوختم کردیا گیا۔

کلمطیبیس "محق [سول الله" کی جگه الحب و خلیفة الله" واخل کردیا گیا۔ گائے کی قربانی پر پابندی لگادی گئی ، خزیر اور کتوں کا احترام کیا جانے لگا ، شراب اور جواء عام ہو گیا ، علاء کرام کوزبردی شراب پلائی جانے لگی ، عورتوں کے پردہ کرنے پر پابندی لگادی گئی ، عام اور خاص سب کو بادشاہ کے سامنے بجدہ کرنے کا علم دیا گیا ، پھھ مساجد شہید کردی گئیں ، مداری عربیہ مسار کردیئے گئے ، داڑھیاں منڈ وادی گئیں اور سرعام اسلامی شعائر کا خداتی اڑا یا جانے لگا۔ (تجلیات امام ربانی ص : ۹۱۰)

ان حالات کا تو ڑکرنے اور دوقو می نظریہ کواز سرنو زندہ کرنے کے لئے حضرت مجد دالف ٹانی رحمۃ اللہ علیہ جن کی ولا دت 1 97ء میں سر ہند شریف (ہندوستان) میں ہوئی، میدان میں نظے، اکبر کی جدوجہد کے تین مقاصد تھے۔

1....توی کومت کا قیام ۔ 2..... ہندووں سے مفاہمت ۔ 3.... متحدہ ہندوستان ۔ اس کے مقابلے میں حضرت مجدد الف ٹانی رحمۃ اللہ علیہ نے ان تین مقاصد کے لئے جدو جبد فرمائی ۔ 1.... اسلامی حکومت کا قیام ۔ 2..... ہندووں سے عدم مفاہمت ۔ 3.... اسلامی ہندگی تحمیر ۔ دخترت مجدد الف ٹانی شخ احمیر ہندی رحمۃ اللہ علیہ نے ہندووں کی سازش کے خلاف اور دوتوی کی فطریہ کے دوالف ٹانی شخ احمیر ہندی رحمۃ اللہ علیہ نے ہندووں کی سازش کے خلاف اور دوتوی فظریہ کے اس کے لئے آپ کوجیل بھی جانا پڑا کیکن اس تجریک عثب نظریہ کے احمیاء کے اس کے لئے آپ کوجیل بھی جانا پڑا کیکن اس تجریک عثب نشروع کی اس کے لئے آپ کوجیل بھی جانا پڑا کیکن اس تجریک عثب کے شبت نشروع کی اس کے لئے آپ کوجیل بھی جانا پڑا کیکن اس تجریک وال شروع کی اس کے خلاف ہندووں کی سازش دم تو رہ چکی تھی ۔ ہوچکا تھا۔ اور اور نگزیب عالمگیر کے دور میں دوتو می نظریہ کے خلاف ہندووں کی سازش دم تو رہ چکی تھی۔ منافی جانا کی اور ان کے صاحبر ادگان خواجہ سیف الدین (م 1096 ھی) خواجہ تعشید (م، فواجہ سیف الدین (م 1096 ھی) خواجہ تعشید (م، 1079 ھی) اور ان کے صاحبر ادگان خواجہ سیف الدین (م 1096 ھی) خواجہ تعشید (م، 1079 ھی) اور ان کے ساجر ادگان خواجہ سیف الدین (م 1096 ھی) خواجہ تعشید کی مسائی جیلہ کے فیتے میں عہد عالمگیری اور 1115 ھی) اور ان کے سینکر دن خلفاء اور لاکھوں مریدین و معتقدین کی مسائی جیلہ کے فیتے میں عہد عالمگیری

و المُعَانَاتِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّذِي اللَّ

میں جیرت انگیز تبدیلیاں زونماہو کیں۔

حضرت مجد دالف نانی رحمة الله علیه کے بعد حضرت شاہ عبدالرحیم رحمة الله علیه (م1131ھ) اور حضرت شاه ولى الله رحمة الله عليه (م 1176 هـ) كى علمى اور فكرى تحريك تقى جس في حضرت مجد دالف الى رحمة الشعليه كى تحريك بيرى طرح فائده حاصل كيااورا بنااثر وكهايا-

## امام احمد رضاخان قادري بريلوي رحمة الله عليه اوردوقو مي نظريه

حضرت مجد دالف ٹانی اور حضرت شاہ ولی اللہ رحمہما اللہ کے بعد دوتو می نظریہ کے تحفظ کا سہرا جس عظیم مخصیت کے سر بجاہے وہ چود ہویں صدی کے مجد دحضرت امام احمد رضا خان قادری فاضل بر بلوی رحمة الله علیہ ی عظیم شخصیت ہے۔ حضرت امام احمد رضا خال قادری بر بلوی رحمة الله علیہ 14 / جون 1856 ء/10 شوال 1272 ھۇ حفرت مولا نانقى على خان رحمة الله عليە كے ہاں پيدا ہوئے جن كاتعلق قند ہار كے قبيلہ بڑ آئے ہے تھا آپ كاجدادمغليه كومت كدور مل لا مورآئ دبال عد بلى اور پر بلى شريف مل آباد موكئ -الم احمد رضا خان اس دور من بيدا ہوئے تھے جب ہندوستان سے مسلمانوں كا اقترار ختم ہو چكا تھا اور 1857ء کی تحریک زادی میں علائے اہلسنت تاریخی کرداراداکرنے کے جرم میں پھانی کے تخوں پراٹکائے

آپ نے چود وسال کی عمر میں تمام علوم درسیہ معقولہ ومنقولہ کی پھیل کرلی اور فراغت کے دن سے بی فتوی نویسی پر مامور ہو گئے ۔آپ نے تقریباً بچاس علوم وفنون پرسینکروں کتب تصنیف کیس بالحضوص آپ کا فاللى رضويه اسلامى فقد كاسب عامع اور خيم انسائكلو بيريا ب-

الم احمد رضا خان رحمة الله عليه في علاء عرب ساور علائع عرب بالخصوص مكه مكر مداور مدينه طيب ائمَه نے آپ سے سندات مدیث عاصل کیں۔ آپ نہ صرف مید کد انگریز کے بخت کالف تھے ہندو مسلم اتحاد كوبمى بخت نالبندكرتے تصاور دوتو می نظریہ كے عظیم سلغ تھے۔ پہلی جگوعظیم کے بعد تقریباً 1919ء میں ترکوں پرانگریزوں کے ظلم واستبداد کے خلاف تحریک خلافت کو یک خلافت کا آغاز ہوا اور پورے ملک میں انگریز حاکموں کے خلاف ایک شورش برپا ہوگئی اس موقعہ سے فاکدہ اٹھاتے ہوئے اور مسلمانوں کے جذبات کو پیش نظر رکھتے ہوئے 1920ء میں گاندھی نے کا نگرس کی طرف سے تحریک ترکب موالات دونوں کی مشتر کہ بنیا دانگریزوں کی مشتر کہ بنیا دانگریزوں کی مشتر کہ بنیا دانگریزوں کی مخالفت اور ترکب موالات دونوں کی مشتر کہ بنیا دانگریزوں کی مختلفی تھا۔

ال لئے بید ونوں تح یکیں ایک دوسرے کے قریب آگئیں اور انگریز وں کے خلاف ''ہندوسلم اتحاد''
تائم ہوگیا لیکن ااس اتحاد نے مسئلہ کوشری اعتبار سے زیادہ نازک بنادیا ایک طرف انگریز وں سے معاملات
بھی ترک کردیئے گئے اور دوسری طرف ہندؤوں سے معاملات اور دوتی تک قائم کردی گئی اُس وقت کے جید
علماء کرام نے اس اتحاد کے خلاف فتوے دیئے ،امام احمد رضا خان بریلوی رحمۃ اللہ علیہ ان علماء میں سرفہرست

اورجس طرح اکبر کے دور میں ہندومسلم اتحاد کے خلاف حضرت مجد دالف ٹانی رحمۃ اللہ علیہ نے آواز اٹھائی اسی طرح امام احمد رضا خال رحمۃ اللہ علیہ نے بھی اس اتحاد کے خلاف آواز اٹھائی بیر آپ کی بصیرت تھی ورنہ طحی نظر سے دیکھنے والے علماءاس آواز کوانگریز دوئتی پرمجمول کرتے تھے۔

شاطر ہندواوراس کی جال کو بچھنے کے حوالے سے حضرت امام احمد رضا خاں بریلوی رحمۃ اللہ علیہ کا یہ عمل آپ کی سیاسی بصیرت کا منہ بولتا ثبوت ہے۔

جب ہندوؤں نے گائے کی قربانی سے روکنے کے لئے نہایت شاطرانہ انداز میں مسلمان علاء سے فتویٰ طلب کیا کہ کیا گائے کی قربانی ضروری ہے؟ بظاہراس کا جواب یہی تھا کہ ضروری نہیں محض جائز ہے اور بڑے بڑے جیدعلاء ہندؤوں کی اس چال کو بچھ نہ سکے اور انہوں نے فتویٰ وے دیا کہ ضروری نہیں لیکن امام احمد رضا خان بریلوی رحمۃ اللہ علیہ نے جواب میں فرمایا:

" ہم ہندو کوخوش کرنے کے لئے گائے کی قربانی موقو نہیں کر کتے۔"

چونکہ آپ جانتے تھے کہ ہندوکیا جا ہتا ہے اس لئے آپ نے بصیرت افروز جواب دیا چنانچہ ہندوؤں

الله المناس المن

نے علماء کرام کا پیفتوی کے کراعلان کر دیا کہ مسلمانوں کے نز دیک بھی گائے کی قربانی ضروری نہیں ۔اور وہی ہوا جس بکا نہ بیشہ متنا

حضرت امام احدرضا خان بریلوی رحمة الله علیہ نے دوتو می نظریداوراسلامی تشخص کا دفاع کیا اورای کا متیجہ تھا کہ تحریک پاکستان میں آپ کے شاگردوں، مریدین اور متعلقین علماء ومشائخ نے قیام پاکستان کے لئے بھریورکرداراداکیا۔

#### امام احمد رضاخان قادري رحمة الله عليه كے معاشی تكات

1912ء میں امام احمد رضا خاں قادری رحمۃ الله علیہ نے اپنے رسالہ'' تدبیر فلاح ونجات واصلاح'' میں جارمعاشی نکات پیش فرمائے۔جودرج ذیل ہیں:

1 ....ان امور کے علاوہ جن میں حکومت دخل انداز ہے مسلمان اپنے معاملات باہم فیصل کریں

( طے کریں ) تا کہ مقدمہ بازی میں جو کروڑوں روپے خرچ ہور ہے ہیں پس انداز ہو سکیں۔

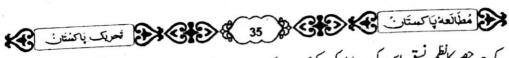
2 ..... بمبئی ،کلکتہ،رنگون، مدراس ،حیدرآ باد اور دکن کے تو گرمسلمان اپنے بھائیوں کے لئے بینک

3....مسلمان اپن قوم کے سواکسی سے پچھ نہ خریدیں۔ 4.....علم دین کی تروت کو اشاعت کریں۔

تقسيم هند

جناب عبدالقدير كي مفصل تجاويز

سب سے پہلے جناب محمد عبدالقدیر نے تقسیم ہند کے سلسلے میں مفصل تجاویز 1925ء میں مسٹرگاندھا کے سامنے رکھیں ۔ جن کا خلاصہ یہ ہے کہ مختلف اصلاع کو ملاکر تین صوبے بنائے جائیں اس تقسیم کے بعد ملک



کے ہر صے کانظم ونت اس کی رعایا کی اکثریت کے مفادات کے مطابق چلایا جائے ۔ قلیل تعداد والوں کی حفاظت اوران کے رسم ورواج کے لئے قواعد بنائے جائیں ۔ آبادی کے تبادلہ کے لئے سہولتیں ہم پہنچائی جائیں تاکہ کم تعداد والے اگر کسی وجہ سے وطن ترک کر کے اپنی قوم کے صلقہ اثر میں جانا چاہیں تو وہ کسی نقصان کے بغیر سکونت تبدیل کر کیں۔

## ذاكثر محمدا قبال رحمة الله عليه كي تجويز

1930ء میں ڈاکٹر محمد اقبال نے اللہ آباد میں مسلم لیگ کے اکیسویں اجلاس میں سیای پلیٹ فارم سے اس تجویز کو آگے بڑھایا پھریمی تجویز 1931ء میں دوسری گول میز کانفرنس کے موقع پر انگلستان میں حکومت برطانیہ کے سامنے پیش کی۔

## علامه سيدمحم نعيم الدين مرادآ بادي رحمة الله عليه كي تجويز

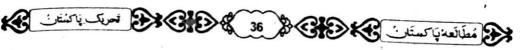
1931ء میں صدر الا فاصل علامہ مولانا سید محمد تعیم الدین مراد آبادی رجمۃ اللہ علیہ نے رسالہ "
"السواد الاعظم" میں لکھا:

''جب ہندوا پی حفاظت ای میں سمجھتے ہیں کہ وہ مسلمانوں کے محلوں سے علیحدہ ہوجا کیں اوراپی حدودالگ کرلیں تو مسلمانوں کو یقییناان کے محلوں میں جانے اوران کے ساتھ کاروبارر کھتے سے احتیاط کرنی چاہیے اور دونوں اپنی اپنی حدود جداگا نہ رکھیں۔''

اورای نکتہ کو طحوظ رکھ کرسیاسی مباحث طے کرلیں لینی ہندوستان میں ملک کی تقسیم سے ہندوسلم علاقے جدا جدا بنالیس تاکہ باجمی تصادم کا خدشہ اور خطرہ باقی نہ رہے ہر علاقہ میں اس علاقہ والوں کی حکومت ہو، مسلم علاقہ میں مسلم انوں کی ،اوز ہندوعلاقوں میں ہندوؤں کی ۔

## چومدری رحمت علی اور پا کستان

1933ء میں چوہدری رحمت (م،1951ء)نے ایک علیحدہ اسلامی مملکت کی تائید کی اور اس جدید اسلامی ریاست کانام''یا کتان'' تجویز کیا۔



انڈین نیشنل کانگرس کا قیام

1885ء میں ''انڈین نیشنل کانگرس' کے نام سے ایک سیای جماعت قائم کی گئی جس کا مقصد پر تھا کہ وہ ہندوستان کی تمام جماعتوں کی نمائندگی کر لے لیکن سے جماعت فرقہ پرست جماعت بن گئی اور مسلمانوں کے خلاف سازشیں کرنے گئی اس لئے مسلمانوں نے انڈین نیشنل کانگرس کواپنی نمائندہ جماعت مانے سے انکار کردیا اور انہوں نے اپنی حفاظت کے لئے اپنی علیحدہ تظیم بنانے کا فیصلہ کرلیا۔

آل انڈیامسلم لیگ کا قیام

1906ء میں محمد ن ایجویشنل کا نفرنس کے اجلاس کے بعد 30 دسمبر 1906ء کونواب وقار الملک کی صدارت میں مجوزہ سیاس تظیم کی بنیا در بھی گئی۔اور میاں محمد شفع کی تجویز پر اس کا نام آل انڈیا مسلم لیک رکھا گیا اس تنظیم کے قیام مے محرک تین عوامل تھے۔

2...... کا نگرس کی فرقه وارانه ذبنیت -

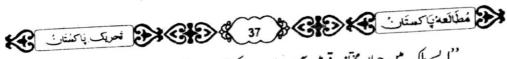
3...... مسلمانوں کی جداگا نہ حیثیت وہ یہاں بطور حکم ان آئے تھے اور اسلامی تدن ان کا المیازی نشان تھا۔

صوبائي مسلم ليك پنجاب كا قيام

ڈھا کہ ہے واپسی پرمیاں محمد تفتے نے پنجاب مسلم لیگ کی صوبائی شاخ قائم کی اوراس سلسلے میں تلقین کی کہ جومسلم زعماء (لیڈر) ہندوستان کے کونے کونے سے آئے ہوئے ہیں اپنے اپنے صوبوں اور علاقوں میں مسلم لیگ کی شاخیں قائم کر کے اس تحریک کوچے معنوں میں ملک میرتحریک بنائیں۔

دوتو می نظریه کی بنیاد پرحقوق کی حفاظت

24/اگست کوشملہ میں'' یک مسلم ایسوی ایش'' کے اجلاس میں میاں محمد فیج نے ایسا خطبہ دیا جو قیام یا کتان کی راہ ہموار کرنے میں بنیادی حیثیت رکھتا ہے انہوں نے فرمایا ۔



"ایے ملک میں جہال مختلف تو میں آباد ہوں ،ان کی تعداد میں فرق ہو، تدن میں اختلاف ہو،
لڑ پچرا لگ الگ ہو، تاریخ اور ثقافت بھی جدا جدا ہوں ،رسم ورواج بھی اپنا اپنا ہو، تہذیب و تدن
میں بھی ہم آ بنگی نہ ہوتو ایسی قوم جو ضبط و تنظیم میں عاری ہو یقیناً ہمایہ قوموں کے مقابلہ میں
مرور روجائے گی اور یہ پس ماندگی اس کی قومی زندگی کے ہر پہلو پر اثر انداز ہوگی پس اس کے سوا
کوئی چارہ نہیں کہ سلمانوں کی ایک مستقل تنظیم قائم ہو جو ہمارے حقوق کی حفاظت کرے۔
کوئی چارہ نہیں کہ سلمانوں کی ایک مستقل تنظیم قائم ہو جو ہمارے حقوق کی حفاظت کرے۔
(اور) آئے تعدور تی اور بہود کی تجاویز سویے اور عملی جامہ یہنائے۔"

## مسلمانون كاسياى بليث فارم

24/مارچ1907ء کومیاں محرشفیع کے تھر میں صوبائی شاخ مسلم لیگ کے قیام کے ابتدائی مراحل طے کرنے کے لئے ایک اجلاس ہوا جس میں نو (9) رکنی تمیٹی بنائی گئی ،میاں صاحب خوداس کے سیکرٹری قرار یائے اور 25 بڑے شہروں میں یا قاعدہ چلے ہوئے۔

پھر ۳۰ نومبر ۱۹۰۷ء کومسلم زنماء پنجاب کا تاریخی جلسه ہوا اور بالاً خرای تنظیم نے پچھ دیم اداروں اور تنظیموں کے تعاون سے ملت اسلامیہ کو ہندوستان کی غلامی سے آزادی دلائی ادروطن عزیز پاکستان جیسی عظیم نعمت حاصل ہوئی۔

# قائداعظم رحمة الله عليه كي مسلم ليك مين شموليت اور ميثاق للهو

1913ء میں قائدا عظم محمطی جناح نے مسلم لیگ میں شمولیت اختیاری اوراس جماعت کوموٹر بنانے میں سرگرم ہو گئے اور آپ کی کوشٹول سے بی 1916ء میں مسلم لیگ اور کا تکرس پارٹی کے درمیان لکھوٹو میں ایک سی محمولتہ ہوا جے" بیٹاق لکھوٹو" کے نام سے یادکیاجا تا ہے اس سمجھوتے کی رُو سے کا تکرس نے مسلمانوں کی جداحیثیت کوشلیم کیا اور جدا گانہ نیابت کا مسلمانوں کا مطالبہ منظور کیا گیا۔

## نهرور پورٹ اور ہندو کی غداری

تح یک ِخلافت ، تح یکِ ہجرت اور تح یک عدم تعاون میں مسلمانوں اور ہندؤوں نے مل کر کام کیالیکن

المُطَالَعَة فِي كَسِتَانَ ﴾ ﴿ اللهِ اللهِ

چونکہ ہندوفطری طور پر مکار، چالاک اور ساز ٹی قوم ہے اس لئے مسلمانوں کے خلاف اس کی دشمنی ظاہر ہونے پر یہ اتحاد چل نہ سکا۔ مسلمانوں کے خلاف ہندو کے متعقبانہ رویے کا بڑا ثبوت نہرور پورٹ (1928ء) کی اشاعت تھی جس میں بیثاق لکھؤ کی ان شقوں کور ڈ کر دیا گیا جومسلمانوں کے حقوق کے تحفظ کے لئے منظور کی گئی تھیں نہرور پورٹ نے جداگانہ نیابت کے اصول کور ڈ کرتے ہوئے ان تمام تحفظات کومستر دکر دیا جن کومسلمان این علیحہ دو تو می شخص کے بقااور تر تی کے لئے ضرور کی تھے۔

چنانچة قائداعظم نے نبرور پورٹ کو قبول کرنے سے انکار کردیا۔

#### قا كداعظم رحمة الله عليه كے چودہ نكات

1929ء میں قائد اعظم رحمة الله عليہ نے چودہ نکات بر مشتل اصولوں کا ایک خاکہ تیار کیا جس کی تفصیل درج ذیل ہے۔

1 ..... أكنده أكنين وفاتي طرز كابوجس مين صوبون كوزياده خود مخاري دي جائے-

2 .....تمام صوبائی حکومتوں کوایک ہی اصول پردافلی خود مختاری دی جائے۔

3.... صوبوں میں اقلیتوں کوموثر نمائندگی دی جائے۔

4....مرکزی مجلس قانون ساز میں مسلمانوں کی نمائندگی ایک تہائی ہے کم نہیں ہونی جا ہے۔

5 .....جدا گاندا تخاب كااصول مرفرقد پرلاگو مونا چاہيے ،البتد اگركوئى فرقد چاہے تواپى مرضى سے مخلوط انتخاب قبول كرسكتا ہے۔

6.....اگرصوبوں کی حدود بیں تبدیلی کرنامقصود ہوتو اس بات کا خیال رکھا جائے کہ مسلم اکثریت والے صوبوں بیں مسلمان بدستورا کثریت بیں رہیں۔

7.....تمام لوگوں كو يكسال اور كمل فدجى آزادى حاصل مو-

ا المسام کرکوئی مسودہ قانون کسی خاص فرقے ہے متعلق ہواوراس فرقے کے تین چوتھائی اراکین اس مسوداً تا نون کے خلاف رائے دین تواہے نامنظور سمجھا جائے۔



- 9 ....سندھ کومبئ سے الگ کر کے ایک صوبہ بنادیا جائے۔
- 10 ..... صوبه بلوچتان اورشال مغربی سرحدی صوبه میں دیگر صوبوں کی مانندا صلاحات نافذ کی جائیں۔
  - 11 ....مسلمانوں کوتمام ملازمتوں میں ان کی اہلیت کے مطابق حصہ دیا جائے۔
    - 12 ....مسلمانوں کو مذہبی اور ثقافتی تحفظ دیا جائے۔
  - 13 ..... صوبا كى اورمركزى وزارتوں ميں مسلمانوں كوكم از كم ايك تہائى نمائندگى دى جائے۔
    - 14 .....صوبوں کی منظوری کے بغیر مرکزی آئین میں کوئی ردوبدل نہ کیا جائے۔

# مسلمانوں کے علیحد ہشخص کوتسلیم کرنا ضروری تھا

کا گرس اوراس کے ہندورا ہنما برصغیر میں ایبا آئین نافذ کروانا چاہتے تھے جس سے ہندوا پی عددی ا کشریت کی بناپر حاکم بن جائیں اورمسلمانوں کواپنا دست گر بنالیں وہ مسلمانوں کی علیحدہ حیثیت کوشلیم کرنے کے لئے تیارنہیں تھے۔لہذاضروری تھا کہ سلمانوں کے علیحدہ تشخص کواُ جا گربھی کیا جائے اورنسلیم بھی۔

## قوميت كامسكله

ا کیے طرف ہندومسلمانوں کوا لگ قوم تنکیم کرنے کے لئے تیاز نہیں تھے تو دوسری طرف کچھ کا تکری علاء '' ملت از وطن است'' کانعرہ لگارہے تھے وہ دین کی بجائے ایک وطن میں رہنے والوں کوایک قوم قرار دیتے تھے۔علامہ محمد اقبال رحمة الله عليہ نے اسپ اشعار میں ان لوگوں کو دین سے بے خبر قرار دیا اور قائد اعظم نے واضح الفاظ مين دوقو مي نظريدى بنياد پر بتايا كرمسلمان ايك الگ قوم بين - قا كداعظم في كها:

"مسلمانوں کی اپنی اقدار اورموزوں اورغیر موزوں کا محصوص احساس ہے اپنے قوانین اوراخلا قیات بین این رسم ورواج بین ماری تاریخ اور روایات مارے رویے اورخواہشات مخقرید کرزندگی اورزندگی کے بارے میں مارا نقط نظر دوسروں سے متاز کیا جاسکتا ہے بین الاقوامي قانون كى برش كے حوالے ہے ہم" قوم" كى تعريف پر پورات ہيں۔"

( گاندی کے تبرے کا جواب17 دمبر 1944 م) نوائے وقت 24 دمبر 2013 م)

المُطَالَعِينَ كِيسَتَانَ ﴾ ﴿ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

دوقومى نظريه كى بنياد برتقسيم ہند كامطالبہ

برصغیر کےمسلمانوں کو یقین تھا کہ اگر ان کی علیحدہ حیثیت کوشلیم نہ کیا گیا تومسلمانوں کا تہذیب

وتدن، مذہب وعقا ئداور علیحدہ شخص منح ہوجائے گا۔

خطبهاللهآ باو

"میری خواہش ہے کہ پنجاب ،صوبہ سرحد، سندھ اور بلوچتان ملاکرایک ریاست بنادی جائے خواہ ہندوستان برطانوی سلطنت کے اندررہ کرآزادی حاصل کرے یا باہررہ کر، مجھے ثال مغربی

مسلم رياست كاتيام مسلمانون ياكم ازكم شال مغربي علاقون كامقصد نظرة تا ب-"

قائداعظم محمطی جناح مسلمانوں کے ستقبل کے بارے میں بہت فکر مند تھے وہ مسلمانوں کوایک وَاُ قوت بنانا جا ہے تھے لیکن مسلم لیگ اندرونی مسائل سے دوج ارتھی اور دوسری طرف کانگرس مسلمانوں کوائ اندر ضم (ملانے) کرنے کے لئے کوشال تھی۔

1934ء میں قائداعظم نے مسلم لیگ کی باگ ڈورسنجالی اور چند ہی سالوں میں اے ایک مغبور اور منظم جماعت بنادیا۔

برطانوی محومت کانیاآ کین اورمسلمانوں کے لئے مشکلات

1937ء میں برطانوی مکومت نے برصغیر میں نیا آئین نافذ کیا اس آئین کی رُوسے1937 کے اوائل میں اسمبلیوں کے انتخابات ہوئے ان انتخابات میں کا گھرس کونمایاں کامیابی ہوئی اور اس جماعت کوچہ بوے صوبوں میں وزار تیس قائم کرنے کا موقع مل کیا۔ المُولَا مُعِلَا مُعَالِكُ الْحَالِيَ الْمُعَالِدِينَ مُعَلِّلُ مُعَلِّلُهُ الْعَالَمُ مُعَلِّلُهُ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِقِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَا لِلْمُعِلَّذِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِينَا لِلْمُعِلَّذِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِينَا لِلْمُعِلَّذِينَ الْمُعَالِدِينَ الْمُعَالِينِ الْمُعِلَّذِينِ الْمُعَالِدِينَ الْمُعِلَّذِينِ الْمُعِلَّذِينَ الْمُعِلَ

جن صوبوں میں کا گری وزارتیں قائم ہوئیں وہاں انہوں نے مسلمانوں پر مظالم ڈھاناشروع کردیئے اورمسلمانوں پرسرکاری ملازمتوں کے دروازے بند کردیئے گئے حکومت کے اشارے پرشریبند ہندوؤں نے فرقہ وارانہ فسادات شروع کردیئے اوروہ مسلمانوں کوجانی اور مالی نقصان پہنچانے گئے۔

نماز کے اوقات میں ہندوفرقہ پرست مسجدوں کے سامنے باہے بجا کرمسلمانوں کواذیت پہنچاتے، سکولوں میں اردو کی بجائے ہندی زبان رائج کردی گئی،اسکولوں میں پڑھائی شروع ہونے سے پہلے گاندھی کی تصویر کو ہاتھ جوڑ کرسلام کیا جاتا اورمسلمان بچوں کوبھی ایسا کرنے پرمجبور کیا جاتا۔

ہندوؤں نے اسکولوں میں ایک دل آ زار ترانہ رائج کیا جو" بندے ماترم" کہلاتا تھا۔اس ترانے میں سلمانوں کے خلاف نفرت کا مواد تھا نیز حکومت کی شہ پر ہندوفرقہ پرست لوگ مسلمانوں کو کا تگرس میں شامل ہونے پرمجور کرنے لگے۔

#### يوم نجات

جب1939ء میں کا گری وزارتیں متعنی ہوئیں تو قائداعظم کے مشورے سے مسلمانوں نے یوم نجات منایا اور چونکہ مسلمانوں کو کا گری حکومت کے ماتحت رہ کراس بات کا شدید احساس ہوا کہ انگرین، مسلمانوں کو ہندؤوں کے رحم وکرم پر چھوڑ کر برصغیر سے چلے گئے تو ہندوؤں کے ماتحت ان کارہنا مشکل ہوجائے گااس لئے علیحدہ وطن کا مطالبہ کرنے پر مجبور ہو گئے۔



#### سوالات

سوال نمبر 1 .... تحريك يا كستان كے محركات يرروشي ڈاليس-سوال نمبر2.....دوقو می نظریه کا کیا مطلب ہے اور دو قو می نظریه کے احیاء کے لئے حضرت مجد د الف الی رحمة الله عليه كي كوششول كاليك جائزه بيش كري-سوال نمبر 3.....اسلامی نظریهٔ حیات رتغصیلی نوث تکھیں۔ سوال نمبر 4 .....حضرت امام احمد رضاخان فاضل بریلوی کی شخصیت اور دوقو می نظریه کے سلسلے میں آپ کی مساعی ك باركيس آب كياجان بين؟ سوال نمبر 5....تقتيم مند كے سلسلے ميں جناب عبدالقدير كي تجاويز كا ندهى كو پيش كى كئيں ان تجاويز كى وضاحت كريں۔ سوال نمبر 6 ....علامدا قبال كساته ساته ايك عالم دين في تقييم مندكي تجويز پيش كي ان كانام بتاكيل نيز علامه ا قبال نے سسال اوراس عالم دین نے کب میتجویز پیش کی؟ سوال نمبر 7.... چو مدري رحت على في كتقسيم مندى تائيدى اورجد يدرياست كانام كيا تجويز كيا-؟ سوال نمبر 8 .... اندين بيشنل كالمكرس كب ادركن مقاصد كے لئے قائم كا كئے -؟ سوال نمبر 9.....آل انديامسلم ليك في تفكيل سن مين مونى اوربينا مس في تجويز كيا-؟ سوال نمبر 10 .....آل انڈیامسلم لیگ کے قیام کے مقاصد واضح کریں۔ سوال نمبر 11 .....قائدا عظم نے كس سال مسلم ليك ميں شموليت اختيار كى اور جثاق لكھ وكيا ہے وضاحت كريں؟ سوال نمبر 12 ....نهرور بورث كس من مين شائع مونى اوراس مين خرابيال كياتمين؟ سوال نمبر 13 .....قائداعظم کے چودہ نکات تحریر یں نیزان نکات کا مقصد کیا تھا؟ سوال نمبر 14 ....مسلم قوميت كحوالے سے قائداعظم فے گاندهى كوكيا جواب دياتھا؟ سوال نمبر 15 .... قائد اعظم في مسلم ليك كي قيادت كب سنجال-؟ سوال نمبر 16 .... 1935 میں برطانوی حکومت نے برصغیر میں نیا آئین نافذ کیاا س حوالے سے مسلمانوں کو کیا مشكلات بيش آكيل-؟



تيسراباب....

قيام پاكستان



## قراردادِلا مور

مسلمانوں کے لئے علیحدہ وطمن کی تحریک کاسٹر کامیابی سے جاری تھااورای سلسلے بی لا ہور بی اقبال پارک (جہاں آج کل بینار پاکستان ہے) بیں مارچ 1940ء بیں قائد اضطم فیر علی جناح کی قیادت بیں مسلم لیک کا 197واں سالا نہ جلسہ منعقد ہوا ،اس مقیم الثان جلسہ بیں مسلم لیک کی قیادت اور کا رکنان کے علاوہ علاء کرام نے بھی شرکت کی۔

اس اجلاس میں مطمانوں کے سامی مسائل کا بدی تغییل سے تجزید کیا گیا اورا تفاق رائے سے قرارداد میں مطالبہ کیا گیا کہ مسلمانان قرارداد میں مطالبہ کیا گیا کہ مسلمانان مسلمانان مسلمانان مسلمانان کر جے قرارداد میں مطالبہ کیا گیا کہ مسلمانان کر جات میں ہیں۔ رصغیر کا علیمہ وطن ہونا جا ہے جو برصغیر کے ان علاقوں پر مشتمل ہو جہاں مسلمان اکثریت میں ہیں۔

## تحريك باكتان كانيادور

1940 می قرار داد لا ہور کے بعد مسلم لیگ نے دور میں داخل ہوگئی اور بڑی تیزی کے ماتھ مسلم لیگ ایک ہوگئی اور بڑی تیزی کے ماتھ مسلم لیگ ایک وامی جماعت بن گئی اس کی شاخیس برصغیر کے اکثر علاقوں میں قائم ہوگئیں اور اس کا پیغام ہراس علاقے میں پینچ کیا جہال مسلمان آباد تھے۔

مسلم ایک کی مقبولیت اورمطالبه پاکتان کو برصغیر کے مسلمانوں کی حمایت کا ثبوت 1945,460



ے انتخاب میں ملاسلم لیگ نے ان انتخابات میں دو بوے مطالبات کی بنیاد پر حصالیا۔

1....ملم لیگ ملمانوں کی نمائندہ جماعت ہے۔

2....ملم لیگ کامطالبہ قیام پاکتان ہے۔

مرکزی اسبلی کے انتخابات منعقدہ دیمبر1945ء میں مسلم لیگ نے مسلمانوں کے لئے مخصوص تمام نشتیں جیت لیں اور سلم لیگ کے امید داروں کے اکثر تخالفین کی صانتیں ضبط ہوگئیں پھر فرور 1946ء میں صوبائی انتخابات منعقد ہوئے جن میں مسلم لیگ کے امید واروں نے زبروست کا میابی عاصل کی۔

## برطانوی وزراء کی طرف سے آئندہ آئین کی تجاویز

قرارداد پاکتان کی منظوری اورانتخابات میں مسلم لیکی امیدواروں کی کامیابی سے یہ بات واضح ہوگئی تقی که برصغیر کے مسلمان قیام پاکستان کامقم ارادہ کر بچے ہیں لیکن برطانوی حکومت اور کا تگری پارٹی اب بھی کوٹال تھی کہ کسی خرح یا کتان کے قیام کوناممکن بنادیا جائے۔

چنانچ 1946ء میں تین برطانوی وزراء پر شمل کا بینه وفد بر مغیرا یا جس نے یہاں کے راہماؤں ے گفت وشنید کے بعد برصغیر کے آئندہ آئین کے لئے درج ذیل تجاویز چی کیں۔

1 ..... برصغير كى دستورساز اسبلى آئين تياركر \_\_

2..... برصغیر میں وفاقی طرز کی حکومت قائم کی جائے۔

3..... برطانوی ہند کے تین گروپ بنائے جائیں ایک گروپ میں بنگال اور آسام کے سلم اکثریت والےصوبے ہوں ۔دوسرے گروپ میں پنجاب ،سرحد ،سندھ اور بلوچستان شامل ہوں ۔تیسرے گروپ میں ہندوا کثریت کےصوبے شامل ہوں۔ بیصوبے ہرصورت میں دی سال تک وفاق میں شامل رہیں اسکے بعدا گر کوئی صوبہ چاہے تو وفاق سے الگ ہوکر آزاد حکومت قائم کرلے۔

کا بینہ کی اس تجویز کو کا تکرس اور سلم لیگ دونوں نے مستر د کر دیا کا تکرس نے اس لئے مستر د کیا کہ اسے دس سال بعد پاکتان قائم ہوتا نظر آر ہاتھا اوسلم لیگ نے اس بنیاد پررڈ کیا کہ اسے قیام پاکتان میں دس سال کی تا خیر نظر آر ہی تھی اور مسلم لیگ قیام پاکستان کے فوری قیام سے کم کسی بات پر راضی نہ تھی۔

يوم راست اقدام

مسلم لیگ نے اپنا نقط نظر پیش کرنے خصوصاً پاکتان کے قیام کے مطالبے کی تمایت کے لئے راست اقدام کا طریقہ اپنایا۔ بو راست اقدام کا طریقہ اپنایا۔ بو الست اقدام کا طریقہ اپنایا۔ بو الست 194 ء کومنایا گیا۔ اس روز برصغیر کے طول وعرش میں جلے منعقد کرکے کا مگر س اور برطانوی حکومت کی مسلمانوں کے خلاف کی بھگت کا پردہ چاک کرکے بتایا گیا کہ کا تکرس کا مقصد یہ ہے کہ برصغیرے انگریزوں کو نکال کر حکومت پر قبضہ کر کے مسلمانوں پر حکمرانی قائم کی جائے۔ مسلم لیگ کے راہنماؤں نے واضح کر دیا کہ کا تکرس کا می خواب بھی شرمندہ کے تعیر نہیں ہوگا اور مسلمانانِ برصغیر ہر قیمت پر پاکستان قائم کرکے رہیں گے۔

مسلم لیگ کی حمایت

تحریک پاکستان کی کامیابی اور قیام پاکستان کاسہرا جہاں مسلم لیگ کے سر بجتا ہے وہاں وہ لوگ بھی مبارک باد کے مستحق ہیں جنہوں نے مسلم لیگ کا بھر پور ساتھ دیا جن میں علی گڑھ یو نیورٹی ، آل انڈیا کا کانفرنس اور پچھود مجرعلاء کی انفرادی خدمات شامل ہیں۔

تحريك بإكستان اورعلماء ومشائخ

اس میں کوئی شک نہیں کہ تحریک پاکستان کی قیادت مسلم لیگ نے کی اور قائد اعظم محمطی جناح ادر واکٹر علامہ محمد اقبال کے ساتھ ساتھ دوسرے اہم راہنماؤں نے قیام پاکستان کے لئے کلیدی کردارادا کیا۔ لیکن مسلم لیگ کی حمایت میں برصغیر کے علاء ومشاکنے نے بحر پورجد وجہد کی اور ایک اسلامی فلاحی مملکت کا خواب شرمندہ تعجیر ہوا۔ اس سلسلے میں علاء اہل سنت نے اجماعی طور پر''آل انڈیائی کانفرنس'' کے تحت بڑی بولی کانفرنس' کے تحت بڑی بولی کانفرنس' کے تحت بڑی بولی کانفرنس' کے تحت بڑی بولی کانفرنس کے ساتھ بحر پور تعاون کیا۔

## که کملانعه با کستان کی کافی شر 47 کی کافی نون مینان کی آل انڈیاسی کا نفرنس آل انڈیاسی کا نفرنس

الديا ي الراب

برصغیر کے مسلمانوں کی پریشان کن صورت حال کو بدلنے اوراسلام دیمن قو توں کی چالوں کونا کام بنانے کے لئے مارچ5 1925ء میں ہندوستان کے شہر مراد آباد میں اہل سنت کے جید علماء کرام جمع ہوئے اور "الجمع معید المحالمیة العر کا بنا (آل انڈیاسی کا نفرنس) کے نام سے تنظیم کی بنیا در کھی جس کے اور "الجمع معید المحالمیة العر کا فائن ماہ رحمد الله علیہ اور ناظم اعلی صدر الا فاضل مولا نا سید محمد تعیم الدین مراد آبادی رحمۃ اللہ علیہ مقرر ہوئے۔

نوٹ ..... پاکتان بننے کے بعد آل انڈیائی کانفرنس کو جعیت علاء پاکتان کانام دے کراس کی نشأ ة ثانیے گئی جس کے صدر عازی کشمیر مجاہد ختم نبوت علامہ ابوالحسنات اور ناظم اعلیٰ غزالی زماں علامہ سیداحمد سعید کاظمی (رحم ہما اللہ) مقرر ہوئے۔

یوں تو آل انڈیاسی کانفرنس نے بے شارسی کانفرنسیں منعقد کر کے قیام پاکستان کی راہ ہموار کی لیکن خاص طور پر27 تا30 / اپریل 1946ء میں بنارس (ہندوستان) میں منعقد ہونے والی آل انڈیاسی کانفرنس نے نے کو کیک پاکستان کوجس قدر کمک پہنچائی اسے نظر انداز نہیں کیا جا سکتا۔ اس کانفرنس میں ہزاروں علاء ومشائخ نے شرکت کی اور بیقر ارداد منظور کی۔

"آل انڈیاسی کانفرنس کا بیا جلاس مطالبہ پاکتان کی پرزور جمایت کرتا ہے اور اعلان کرتا ہے کہ علاء ومشائخ اہل سنت اسلامی حکومت کے قیام کی تحریک کو کامیاب بنانے کے لئے ہر مکن قربانی کے واسطے تیار ہیں اور اپنافرض سجھتے ہیں کہ ایک ایسی حکومت قائم کریں جوقر آن کریم اور صدیث نبوی کی روشن میں فقہی اصول کے مطابق ہو۔"

تحریک پاکستان کی کامیابی کے لئے مسلم لیگ کا بھر پورساتھ دینے والے علماء کرام ومشائخ عظام میں چند چیدہ افراد کے اساء گرامی پیر ہیں۔

(۱) پیر عبداللطیف زکوری شریف (۲) میال غلام الله شرقپوری (۳) پیر معصوم شاه چوره شریف (۲) علامه سید دیدار علی شاه (۵) علامه محمد شریف کوللی لو بارال (۲) مجمد الاسلام مولانا حامد رضاخان

المُطَالَعة فِي مَسْتَاتَ ﴾ ﴿ وَ اللَّهُ اللّلْمُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللّلَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّاللَّا ا

(۷) صدرالشرییه مولا ناامجه علی اعظمی (۸) صدرالا فاضل مولا ناسید نعیم الدین مراد آبادی (۹) مفتی محمد بربان الحق جبل بوری (۱۰) مفتی اعظم مندمولا نامصطفی رضا خان (۱۱) سفیراسلام مولا ناشاه عبدالعلیم صدیقی میرشی (۱۲) علامه سید محمد محمد کیجو مجمودی (۱۳) علامه ابوالحسنات محمداحمد قادری (۱۲) علامه سید احمد سعید کاظمی (۱۲) علامه عبدالغفور بزاروی (۱۷) پیرامین الحسنات ما کمی شریف (۱۸) پیر مسلم اور علامه عبدالستاریازی رحمة الله یک سیر علام محمی الدین گولژه شریف (۱۹) مولا نامحمه بخش مسلم اور علامه عبدالستاریازی رحمة الله علیم م

حضرت بيرجماعت على شاه رحمة الله عليه كاكردار

۲۲/ اپریل ۱۹۳۸ء کوحضرت پیر جماعت علی شاہ رحمۃ الله علیہ (۱) نے میانہ بورہ (سیالکوٹ) میں نماز جمعہ کے اجتماع میں فر مایا کہ اس وقت دوجھنڈے ہیں ایک اسلام کا اور دوسرا کفر کا۔

پھرسب سے وعدہ لیا کہ وہ کفر کے جھنڈ ہے یعنی کا گرسیوں اور متحدہ قومیت کا برچار کرنے والوں
کا ساتھ نہیں دیں گے بلکہ اسلام کے جھنڈ ہے کے نیچ آئیں گے اور مسلم لیگ کا ساتھ دیں گے بلکہ آپ نے
یہ بھی وعدہ لیا کہ کا گرس میں شامل ہونے والوں کے ساتھ کی قتم کا میل جول نہیں رکھیں گے نہ ان کی نماز جنازہ
بردھیں گے اور نہ ہی ان کوایے قبرستان میں وفن ہونے دیں گے۔

اس کےعلاوہ آپ نے اپنے تمام مریدوں اور متوسلین کو حکم دیا کہوہ مسلم لیگ کودل کھول کر چندہ دیں۔

سفيراسلام علامه عبدالعليم صديقي رحمة التدعليه كاكردار

حضرت علامه شاه عبدالعليم صديقي رحمة الله عليه (والديا جدعلامه شاه احمد نوراني رحمة الله عليه )عالمي

<sup>(</sup>۱) ....ا میر طب محدث علی بوری ولد سید کریم شاہ (رتمة الله علیم) 1840ء میں علی بورسیدان (سیالکوٹ) میں پیدا ہوئے۔سات سال کی عمر میں قرآن مجید حفظ کیا، اُس وقت کے علیل القدر علی ہے عظم عقلیہ و تقلیہ کی تخصیل کی اور آخر میں شاہ فضل الرحمٰن سمنح آبادی رحمۃ الله علیہ نے اپنا کلاہ اُ تارکزآپ کے سر پر دکھا۔ آپ حفزت بابا فقیر مجمد چورائی رحمۃ الله علیہ کے ہاتھ پر بعت ہوئے اوراجازت وظلافت حاصل کی آپ صاحب کرامت بزرگ تھے تحریک پاکستان کے لئے آپ کی خدمات نمایاں ہیں۔ 31م کی 1951ء کوآپ کا وصال ہوا۔ (تفصیل سے لئے مارکز تولا ہور، ملاحظہ کریں)

مِلغَ تَصِ 1940ء كَا قُرْ ارداد اكتاب كَا مِنظ مِن كَا مِن اللهِ مَنظ مِن اللهِ الله

مبلغ تھے۔1940ء کی قرار داد پاکتان کی منظوری کے بعد آپ نے مختلف شہروں کے دورے کر کے مسلمانوں کو خواب غفلت سے بیدار کیا اور مسلم لیگ کے پرچم تلے جمع ہونے کی ترغیب دی۔1945ء میں آپ جج کی ادائیگی کے لئے حجاز مقدس روانہ ہوئے تو آپ نے مسلمانان ہند کے نام ایک پیغام میں فرمایا:

"میں تمام برادران ملت کو بالعموم وقت سفر حجاز مقدس برآخری وصیت دیے ہوئے رخصت ہوتا ہوں کہ جس طرح ممکن ہوا تخاب جدید میں تمام اختلافات با ہمی کومٹا کرآل انڈیا مسلم لیگ کی حمایت میں ہمہ تن سرگرم ہوجا کیں ادرا پنے شیرازے کو ہرگز منتشر نہ ہونے دیں اور ثابت کی حمایت میں ہمہ تن سرگرم ہوجا کیں ادرا پنے شیرازے کو ہرگز منتشر نہ ہونے دیں اور ثابت کردکھا کیں کہ مسلمان متحد وشفق ہیں تاکہ جہاں جہاں مسلمانوں کی اکثریت ہے اگلی آزاد صوحت ہوجس میں نفاذ توانین واحیائے تہذیب ومعاشرت دین کی پوری قوت ان کوئی طاصل ہواس کوخواہ پاکستان کا نام دیا جائے یا حکومت الہیہ کے لقب سے ملقب کیا جائے۔"

علامہ شاہ عبدالعلیم میر شی رحمۃ اللہ علیہ ج کے موقعہ پر متعدد عرب ممالک فلسطین، شام، لبنان، اردن اورع اللہ کے دورہ پر تشریف لے گئے اور ہندوؤں کے غلط پر و پیگنڈہ کا تو ڈکر کے وہاں کے حکام اوردانشوروں کو نظریۂ پاکستان کو بچے طور پر بیجھنے لگے، قیام کو نظریۂ پاکستان سے آگاہ کیا جس کے نتیج میں عرب علاء وعوام تجریک پاکستان کو بچے طور پر بیجھنے لگے، قیام پاکستان کے بعد قائد اعظم محمعلی جناح رحمۃ اللہ علیہ کی طرف سے علامہ شاہ عبدالعلیم صدیقی رحمۃ اللہ علیہ کو اسلام ممالک میں پاکستان کی نمائندگی کا فریضہ سونیا گیا چنا نچہ آپ نے تن تنہا بین الاقوامی سطح پر تبلیخ اسلام کو اسلام ممالک میں پاکستان کے اغراض ومقاصد پر طویل کی پھر دیئے اوراس کی اہمیت کو اجا گر کیا ۔ انہی خدمات کے پیش نظر آپ کو قائد انگرام نے سفیراسلام کا لقب دیا۔

27 / رمضان المبارک کو جب پاکتان معرض وجود میں آیااس کے تین دن بعد کراچی میں سرکاری سطح پر جونماز عید الفطرادا کی گئی اوراس میں قائد اعظم محمطی جناح ، لیافت علی خان اور دوسری اہم سرکاری اور غیر سرکاری شخصیات نے شرکت کی اس کی امامت علامہ شاہ عبدالعلیم صدیقی رحمۃ الله علیہ نے فرمائی۔



یہ بات بھی یا در ہے کہ اس وقت پاکتان کے پہلے وزیرِ اعظم لیافت علی خان کی دعوت پر آپ اپنے تبلیغی دورے ومخصر کرکے پاکتان پہنچے تھے۔

## مولا ناظهورالحن درس رحمة التدعليه كى كاوشيس

مولا ناظہور الحن درس رحمۃ اللہ علیہ 1940ء ہے 1947ء تک آل انڈیا مسلم لیگ کونسل کے رکن اورصوبائی مسلم لیگ کو مقبول بنانے میں آپ نے نمایاں اورصوبائی مسلم لیگ کی ورکنگ میٹی کے رکن رہے ،صوبہ سندھ میں مسلم لیگ کو مقبول بنانے میں آپ نے نمایاں کر دارا داکیا اور کراچی کے بہت کم جلے ایسے ہوں گے جہاں آپ قائد اعظم کے ساتھ نہ ہوں - 12 / اکتوبر 1946ء کو بزم سنیہ صوبہ سندھ جس کے آپ جزل سیرٹری تھے ، کے زیر اہتمام عظیم الثان آل انڈیا تی کانفرنس ہوئی جس میں مولا ناشاہ عبد العلیم صدیقی ،مولا ناعبد الحامہ بدایونی ،اوردیگر علاء کرام نے خطاب کیا اور واضح کیا کہ ہم ایسا پاکتان جا ہے جیں جہاں اسلام کا بول بالا ہو۔

## قيام پاكستان مين صوبون كاكردار

قیام پاکتان کی جدوجہد میں برصغیر کے ہرعلاقے کے مسلمانوں نے سرگری سے حصہ لیا جاہے وہ مسلم اکثریت والے صوبے تھے یا وہاں مسلمان اقلیت میں تھے۔جب 14 /اگست 1947ء کو پاکتان معرض وجود میں آیا تو اس میں پانچ صوبے شامل تھے۔مشر تی بڑگال ، پنجاب ،سندھ،سرحداور بلوچتان ،ان معرض وجود میں آیا تو اس میں پانچ صوبے شامل تھے۔مشر تی بڑگال ، پنجاب ،سندھ،سرحداور بلوچتان ،ان مقام صوبوں کے وام نے تحریک پاکتان میں بڑھ چڑھ کر حصہ لیا۔

## مشرقی بنگال

انگریزوں اور ہندوؤں نے بنگال کے مسلمانوں کا شدید معاشرتی ، اقتصادی استحصال کیاتھا یہی وجہ ہے کہ 1905ء میں بنگال کو دو حصوں میں تقسیم کیا گیا تھا جس کے نتیجے میں مشرقی بنگال کے صوبے میں مسلمانوں کی اکثریت ہوگئی اور انہوں نے سکھ کا سانس لیا۔

ہندوؤں کومسلمانوں کے لئے الگ حکومت کا قیام پند نہ آیا کیونکہ وہ مسلمانوں کی معاشرتی اور اقتصادی ترقی نہیں جا ہے تھے ،اس لئے انہوں نے تقسیم بگال کی مخالفت شروع کردی اور تقسیم بگال کی مخالفت شروع کردی اور تقسیم بگال کی مخالفت شروع کردی اور تقسیم بگال کی مسلمانوں کو بیدار کردیا اس لئے وہ سیاسی طور پرمنظم ہو مجے اور 30 / دیمبر 1906ء کوڈھا کہ ہیں مسلم لیگ کا قیام عمل ہیں لایا گیا۔

چنانچ سلم لیگ کی ورکنگ کمیٹی کی وہ قرارداد جو 1940ء میں مسلم لیگ کے اجلاس (لاہور) میں پیش کی اور سلمانوں کے لئے علیحدہ وطن کا مطالبہ کیا گیا بڑگال کے مسلم لیگی راہنما مولوی فضل الحق نے پیش کی۔
1946ء میں جب صوبائی اسمبلیوں کے انتخابات ہوئے تو مسلم لیگ بڑگال نے 119 مسلم نشتوں میں ہے۔
113 نشتیں جبت لیں۔1947ء میں جب سلہٹ کے مسلمانوں کی رائے معلوم کرنے کے لئے کومت برطانیہ نے ریفرنڈم کرایا تو ضلع سلہٹ (آسام) کے مسلمانوں نے پاکستان میں شامل ہونے کے حق میں فیصلہ دیا۔

خواجہ ناظم الدین جو پاکستان کے گورز جزل اور وزیر اعظم بھی رہے ،انہوں نے تحریک پاکستان میں بڑھ چڑھ کر حصہ لیا، حسین شہید سہرور دی بنگال کے ایک اہم رہنما تھے جنہوں نے اپریل 1946ء میں وہلی میں سلم لیگ کے متحب مجمران کے کوشن میں ایک قرار داد کے ذریعے مطالبہ کیا کہ شرق میں بنگال اور مغرب میں بنا باتان کے دریا عظم بھی رہے۔ میں دریا عظم بھی رہے۔

بنجاب

پنجاب کے مسلمانوں نے آزادی کی جدوجہد میں بھر پورکردارادا کیا ابتداء میں پھیمسلمانون نے اپنزاتی مفادات ادرائکریزوں سے تعلقات کی وجہ سے مسلم لیگ سے دوری اختیار کی اور یونینٹ پارٹی قائم کرکے قیام پاکتان کی مخالفت کی لیکن پنجاب کے عوام نے مطالبہ پاکتان کی مجر پورتمایت کی اس لئے

يونينسك بإرثى كراجهماؤل كوابناا نداز فكرتبديل كرنابرا-

1945,46 ء کے انتخابات میں مسلم لیگ نے مطالبہ پاکتان کی بنیاد پرشرکت کی اور پنجاب کے 1945,46 میں سے 75 کے مرکزی اسمبلی میں مخصوص نشتیں جیت لیں صوبائی انتخابات میں مسلم انوں 86 نشتوں میں سے 75 نشتیں مسلم لیگ نے مرکزی مسلم لیگ نیں شامل ہوگئے اور یوں مسلم لیگ بنجاب اسمبلی میں سب سے بوی جماعت بن گئی۔ پنجاب اسمبلی میں سب سے بوی جماعت بن گئی۔

## انگریز گورنر کی سازش اورتحریک سول نافر مانی

لین سلم لیگ کی واضح اکثریت کے باوجود پنجاب کے انگریز گورز نے سلم لیگ کووزارت بنانے کی دعوت دینے کی بجائے بنجاب کی یونینٹ پارٹی کی وزارت قائم دعوت دینے کی بجائے بنجاب کی یونینٹ پارٹی اور کانگرس سے گھ جوڑ کر کے یونینٹ پارٹی کی وزارت قائم کروادی ۔ چونکہ اس وزارت کوعوام کی حمایت حاصل نتھی اس لئے سلم لیگ نے اس کے خلاف سول نافر مانی کی تحریک چلائی جس کے بتیج میں اس حکومت کوجلد مشعفی ہونا پڑا۔

## صوبه پنجاب کی تقسیم

قیام پاکتان کے سلط میں یہ فیصلہ کیا گیا کہ صوبہ پنجاب کو پاکتان اور بھارت کے درمیان تقلیم

کردیاجائے اس مقصد کے لئے ایک اگریز جج سرسرل ریڈ کلف کی صدارت میں باؤنڈری کمیشن قائم کیا گیا

جس نے لارڈ ماؤنٹ بیٹن اور کا گرس سے سازباز کر کے مسلمان اکثریت کے پچھ علاقے بھارت کے سپرد

کردیئے اس طرح پاکتان کو زر خیز علاقے سے محروم کردیا گیا اور وہاں کی مسلم آبادی گھربار چھوڑ کر پاکستان

میں پناہ لینے پرمجبور ہوگئی۔

## فسادات اورمسلمانون كي شهادت

جب ہندوؤں اور سکھوں نے پاکتان قائم ہوتا دیکھا توانہوں نے پنجاب کے بعض علاقوں

الله المُطَالَعَة فِي كَسِنَاتُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِيَّالِيِّ اللْمِلْمُلِيِّ اللهِ الل

میں فسادات شروع کردیے جس میں لاکھوں مسلمان شہید اور زخی ہوئے اس مشکل وقت میں پنجاب کے مسلمانون نے استقامت کا دامن نہ چھوڑ ااور جومسلمان مہاجرین ہندوستانی علاقوں سے پاکستان آئے انہیں فراخ دلی سے خوش آ مدید کہااور ہرممکن طریقے سے ان کی مدد کرکے ثابت کردیا کہ مسلمان ہمیشہ ایک دوسرے کی مدد کرتے ہیں۔

## تحريك پاكستان مين صوبه سنده كاكردار

سندھ کاعلاقہ سب سے پہلے محر بن قاسم کی فتح کے بعد اسلامی حکومت کا حصہ بنا اس وجہ سے اس موب کو باب الاسلام بھی کہا جاتا ہے۔ محمد بن قاسم رحمۃ اللہ علیہ اوران کے جانشینوں کے عہد میں سندھ تقریباً میں صدیوں تک عباسی خلافت کا صوبہ رہا اس زمانے میں بڑے بڑے علاء وفضلاء بیدا ہوئے جنہوں نے سندھ کا نام پورے عالم اسلام میں روشن کیا۔

عباسیوں کے دورزوال میں سندھ میں مقامی حکمران قابض ہوگئے بھر سندھ سلاطین دہلی اور مغل حکمرانوں کے قبضہ میں رہااور انگریزوں کے تسلط تک سندھ میں مسلمانوں کی حکومت قائم رہی انگریز در میں سندھ کوصوبہ میں کا حصہ بنایا گیا بھر مسلم لیگ کی مسلسل کوششوں کی وجہ سے گورنمنٹ آف انڈیا ایکٹ در میں سندھ کوصوبہ بنایا گیا جو مسلمان اکثریت کا صوبہ تھا۔

1938ء میں سندھ صوبائی مسلم لیگ نے اپنی کا نفرنس میں ایک قرار داد منظور کی جس میں مطالبہ کیا گیا کہ جن صوبوں میں مسلمانوں کی علیحدہ مملکت قائم کی جائے۔ جب مارچ کہ جن صوبوں میں مسلمانوں کی اکثریت ہے وہاں مسلمانوں کی علیحدہ مملکت قائم کی جائے۔ جب مارچ 1940ء میں ابہور میں قیام پاکستان کی قرار داد منظور ہوئی تو سندھ کے مسلمان راہنماؤں نے اس کی متازرا ہنما سرعبداللہ ہارون نے اس بات پرخوشی کا اظہار کیا کہ وہ مطالبہ جوسندھ مسلم کیک سندھ کے ایک متازرا ہنما ہو ہی سطح مسلم لیگ کا مطالبہ بن کر ابھراہے۔ سندھ صوبہ کو یہ اعز از حاصل ہے کہ قائد اعظم نے سندھ کے کئی مرکردہ مسلمان ہے کہ قائد اعظم نے سندھ کے کئی مرکردہ مسلمان

## 

راہنماؤں پرمشمل ایک تمیٹی بنائی جن کی کوشٹوں سے سندھ میں مطالبہ پاکتان بہت تیزی سے مقبول ہوا۔ 1943ء میں مسلم لیگ نے سندھ میں اپنی وزارت قائم کر لی اس طرح سندھ برصغیر میں وہ پہلاصو بہ تھاجہاں مسلم لیگ نے اپنی وزارت بنائی۔ دیمبر 1943ء میں سندھ کی صوبائی آسمبلی نے قیام پاکستان کی قرار داد منظور کر کے دوسرے صوبوں پر سبقت حاصل کرلی۔

فرور 1946ء کے صوبائی اجتابات کے بعد سلم لیگ کے راہنما سرغلام حسین ہدایت اللہ کی قیادت میں وزارت قائم ہوئی لیکن کا گرس کی ریشہ دوانیوں کی وجہ ہے آسمبلی کو برخاست کر کے دسمبر 1946ء میں نے ابتحا بات کروائے گئے لیکن ان ابتحابات میں مسلم لیگ نے تمام مسلم ششتیں جیت کر سیاسی حریفوں کے دانت کھٹے کردیے اور دوبارواپی وزارت قائم کر لی۔

تقیم برصغیرے 3 جون1947ء کے فیصلے کے مطابق صوبائی اسمبلی سندھ کا اجلاس ہوا جس کے کثرت رائے سے پاکستان میں شامل ہونے کا فیصلہ کیا۔ (3 جون1947ء کا فیصلہ آگے آرہا ہے۔) شال مغربی سرحدی صوبہ (صوبہ خیبر پختونخواہ)

صوبہ سرحد مسلمانوں کی اکثریت کا صوبہ تھالیکن ۱۹۳۱ء کے انتخابات کے بتیج میں یہاں کا نگرس کی حکومت قائم ہوئی کیونکہ سرحد میں مقبول سیاس جماعت 'خدائی خدمت گار''جماعت تھی اور وہ کا نگرس کی حامی متھی ۔اس لئے مسلمانوں کی خالب اکثریت کود کیھتے ہوئے 3 جون 1947ء کوہونے والے فیصلے میں کہا گیا کہا سے اس علاقے کے مستقبل کا فیصلہ ریفرنڈم کے ذریعے کیا جائے گا۔

خدائی خدمت گارتحریک نے ریفرنڈم کابائیکاٹ کیا کیونکہ ان کا مطالبہ تھا کہ انہیں آزادر بے یا ثقافتی طور پر اپنے سے بہت قریب افغانستان سے ل جانے کاحق دیاجائے۔لیکن برطانوی حکومت نے بیمطالبہ تسلیم نہ کیااور ان کے بائیکاٹ کے بعد مسلم لیگ نے ریفرنڈم جیت لیا۔ریفرنڈم میں مسلم لیگ کے لئے خان عبدالقیوم

المُطَالَعَهُ بِي كَسَتَانَ ﴾ ﴿ 55 ﴾ ﴿ 55 الله فَيَامُ بِالكُمْثَانَ ﴾ ﴿ وَقُولُ مُطَالَعُهُ فِي اللهُ اللّهُ اللهُ الله فان پیرامین الحسنات صاحب زکوڑی شریف اور پیرعبداللطیف صاحب ما کی شریف نے اہم خد مات انجام دیں۔ فردری1947ء میں مسلم لیگ نے صوبہ سرحد کی کانگری حکومت کے خلاف سول نافر مانی کی تحریک نروع کی صوبائی حکومت نے مسلم لیگ کے کارکنوں پر بہتے تی کی لیکن اس کے باوجود مسلم لیگ کی تحریک ختم نہ ہوگی۔3جون1947ءکوحکومت برطانیے نے مسلم لیگ کے مطالبہ پاکتان کوشلیم کرلیااوراعلان کیا کے صوبہ سرحد عے بیای متنتبل کا فیصلہ ریفرنڈم کے ذریعے کیا جائے گااس اعلان کے بعد مسلم لیگ نے سول نافر مانی کی تحریک ختم کردی اورریفرنڈم مہم کا آغاز کیا مسلم لیگ نے مسلمانوں کو لقین کی کدوہ پاکستان میں شامل ہونے کے حق میں دوٹ دیں ، دوسری طرف کانگری اوراس کے حمایتیوں نے پاکتان کی سخت مخالفت کی اور آخری حربے کے طور پرآ زاد پختونستان کانعرہ لگایا ۔ریفرنڈم میں سرحد کے مسلمانوں نے بھاری اکثریت کے ساتھ پاکستان میں ٹال ہونے کے حق میں ووٹ دیا اور اس طرح صوبہ سرحد پاکتان میں شامل ہوکر آزادی ہے ہمکنار ہوا۔ موبهبلوجيتان

برطانوی حکومت کے دور میں بلوچتان کوصوبے کا درجہ حاصل نہیں تھا اورائے سیاسی اصلاحات سے ایک صدیک پیچےرکھا گیا اس لئے بلوچتان معاشرتی ، اقتصادی اور سیاسی ترتی کے لحاظ سے کافی پس ماندہ رہا۔
1927ء میں مسلم راہنماؤں کی '' تجاویز دہلی'' اور قائد اعظم کے چودہ نکات (1929ء) میں اس بات کا مطالبہ کیا گیا کہ صوبہ سرحد اور بلوچتان میں دیگر صوبوں کی طرح سیاسی اصلاحات نافذ کی جائیں۔ دوسرے صوبوں کی نبست بلوچتان میں سیاسی بیداری تاخیر سے پیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے بائد ان اور تعلیمی بیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے بائد ان اور تعلیمی بیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے بائد ان اور تعلیمی بیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے بائد ان اور تعلیمی بیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے بائد ان اور تعلیمی بیدا ہوئی اس کی وجہ وہاں رابطے

علامہ محما قبال ، مولانا محمعلی جو ہر ، مولانا ظفر علی خان اور قائد اعظم کے افکار نے بلوچتان کے پڑھے کھے اور باخر لوگوں کو متاثر کیا۔ چنانچ 1939ء میں بلوچتان میں مسلم لیگ قائم ہوگئی ، بلوچتان میں مسلم

و مُطَالَعه بِالسَّنَانِ ﴾ ﴿ 56 ﴾ ﴿ 56 مُطَالَعه بِالسَّنَانِ ﴾ لیگ کو فعال بنانے میں جن مسلمان را ہنماؤں نے کر دار اوا کیاان میں قاضی محمد عیسیٰ کا نام سرفہرست ہے ال

کے علاوہ نو بے محمد خان جو کیزئی اور میر جعفر خان جمالی نے بھی گرانفذر خدیات انجام دیں۔ بلوچتان مسلم لیگ

نے قرار دادیا کتان کی حمایت کر کے زیادہ سے زیادہ لوگوں کو اپناہم خیال بنایا۔

جب1946ء میں مسلم لیگ نے مبئی میں اپنے اجلاس میں راست اقدام کا فیصلہ کیا تو بلوچتان مسلم لیگ نے اس فیصلہ بڑمل کیا اور اپریل 1947ء میں کوئٹے میں پاکستان کا نفرنس منعقد ہوئی جس میں بلوچستان

مسلم لیگ نے حصول پاکتان کومسلمانوں کا نصب العین قرار دیا اوراس کے مقصد کے حصول کے لئے ہرشم کی قربانی دینے کاعزم کیا ،3 جون1947ء کے اعلان میں بلوچتان کے بارے میں یہ فیصلہ کیا گیا کہ بلوی

قبائل کاشای جرگداورکوئٹشهری میونیل ممیٹی کے متخب ارکان فیصله کریں که بلوچتان بھارت میں شامل ہوگا با

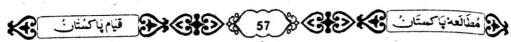
يا كتان من-

كانكرس يار في كي كوشش تحى كه فيصله بعارت كے حق ميں ہوليكن قاضى محمد عيسى ،نواب محمد خان جو كيز كي، میرجعفرخان جمالی اورد گیرمسلم کیگی را ہنماؤں کی انتقک کوششوں کی دجہ سے کا گھرس کونا کا می کا منہ دیکھنا پڑا بلو ڈ را ہنماؤں کے شاہی جرکہ اور کوئٹہ کی میوپل سمیٹی نے متفقہ طور پر پاکستان میں شامل ہونے کا فیصلہ کیا اور اس

طرح بلوچتان مملکت پاکتان کا حصه بن گیا-

#### 3 جون1947ء کامنصوبہ اور اس کے اہم نکات

الله تعالیٰ کے فضل وکرم ہے جب برصغیر کے کونے کونے سے پاکستان کے حق میں آواز بلند ہولی تو حکومت نے برصغیر کی تقسیم کا فیصلہ کرلیا اور دومملکتوں کے قیام کا اصوبی موقف تسلیم کر کے حکومت نے تفاصیل طے کیں اور مختلف صوبوں اور ریاستوں کے ستقبل کے بارے میں لائحمل مرتب کیا جو درج ذیل ہے۔



1 فيرسلم اكثريق صوب

آ سام، یو پی ، مدراس ، بمبئی (ممبئ) بهار اوراژیه جیسے صوبے جہاں مسلمانوں کی تعداد غیر مسلموں کے مقابلے میں کم تھی ، ہندوستان میں شامل کرنے کا فیصلہ کیا گیا۔

2....صوبه پنجاب

صوبہ پنجاب کودوحصوں میں تقسیم کرنے کا فیصلہ ہوا کہ مسلم اکثریتی علاقوں کو پاکستان اور غیر مسلم اکثریتی علاقوں کو ہندوستان میں شامل ہونا تھا مسلم اکثریتی علاقوں کا تعین کرنے کے لئے ایک کمیشن بنانے کا اعلان کیا گیا۔

3....عوبه بنگال

صوبہ بنگال کے متنقبل کا فیصلہ بھی پنجاب کے انداز میں کیا گیامسلم اکثریتی علاقے مشرقی بنگال اور مسلم اقلیتی علاقے مشرقی بنگال کرنے اور مسلم اقلیتی علاقے مغربی بنگال نامی صوبے میں شامل ہونا تھا۔ مشرقی بنگال کو پاکستان میں شامل کرنے کا فیصلہ کیا گیا۔

4.....صوبەسندە

صوبہ سندھ کے ممبران اسمبلی کوحق ویا گیا کہ وہ پاکستان یا ہندوستان میں سے جس ملک سے اپنے موبہ کو وابستہ کرنا جا ہیں کرلیں۔

5....بلوچتان

بلوچتنان کوابھی کمل طور پرصوبائی درجنہیں ملاتھالہذا طے پایا کہ وہاں شاہی جرکہ بلایا جائے نیز کوئے کی میں کہا گیٹی کی رائے لی جائے گی ادران کی مرضی کے مطابق مستقبل کا فیصلہ ہوگا۔



#### ع....ه

آ سام کاضلع سلہٹ مسلم اکثریتی تھا اور وہاں کے عوام نے مسلم لیگ کا بھر پور ساتھ دیا تھا جون 1947ء کے منصوبے میں طے پایا کہ ایک ریفرنڈم کے ذریعے وہاں کے عوام کوموقع دیا جائے گا کہ وہ ہندوستان پایا کتان میں سے کسی ایک کے ساتھ ملنے کا فیصلہ خود کرلیس۔

#### 7..... صوبه سرحد

شال مغربی سرحدی صوبہ کے عوام کو ایک ریفرنڈم کے ذریعے فیصلہ کرنے کا اختیار دیا گیا کہ وہ یا کتان یا ہندوستان میں ہے کسی ایک کا حصہ بن جا کمیں۔

#### 8....رياشين

برصغیر میں 635ر یاسیس تھیں جہاں نواب اور راجے حکومت کررہے تھے داخلی طور پر باختیار تھے لیکن انبیں خارجی اقتدار اعلیٰ حاصل نہیں تھا ہر ریاست کوئی دیا گیا کہ وہ وونوں ممالک میں سے جس سے جاہیں الحاق کرلیں ایسا کرتے وقت ہر ریاست اپنی جغرافیا کی حیثیت اور مخصوص حالات کو پیش نظر رکھے گی۔

## 3 جون 1947ء كے منصوبے برعمل

8 جون 1947ء کے منصوبے کے مطابق غیر مسلم اکثریتی صوبے ہندوستان کا حصہ بن گئے۔سلہٹ میں ریفرنڈم ہوا تو عوام کی بھاری اکثریت نے پاکستان کے حق میں فیصلہ دیا تو صنبع سلہٹ کو مشرقی پاکستان سے ملحق کر دیا گیا۔سندھ آسبلی کے ارکان کی بڑی اکثریت نے پاکستان کے ساتھ شرکت کے حق میں دوٹ دیا۔

اس طرح صوبہ سرحد کے عوام نے ریفرنڈم میں پاکستان کے حق میں رائے دی ، پنجاب اور بنگال دونوں صوبوں کو تقسیم کرنے کا فیصلہ ہوا تھا اس مقصد کے لئے ایک انگریز وکیل سرریڈ کلف کو ٹالٹ مقرر کیا گیا

ادراس کے ساتھ مسلم لیگ اور کا گرس کے دورو نمائندے بھی مقرر کئے گئے ۔ ٹالٹی حد بندی کمیشن نے پنجاب

کو مطالعہ باکستان کے کہ کا کہ ہو 59 کی کا کہ تنائ کے اور بگال دونوں صوبوں کو تقیم کردیا سرریڈ کلف نے بددیانتی سے کام لیتے ہوئے کا نگری راہنماؤں کے

اشاروں پرایے فیلے دیئے کہ بعض مسلم اکثریق علاقوں سے پاکستان کومحروم کردیا۔ چونکہ اسے ٹالٹ تسلیم کیاجا چکا تھااس لئے قائداعظم نے ریڈ کلف ایوارڈ کے فیصلے کو پوری طرح مان لیا۔

ریاستوں میں سے بہت بڑی تعداد نے ازخوددونوں میں سے کی ایک ملک سے الحاق کرلیا، ریاست جوں وکشمیر، ریاست حیدرآ باددکن، ریاست جونا گڑھ، مگرول اور ریاست مناوادر کا فیصلہ نہ ہوسکا۔ انڈیا نے بعدازاں فوج کئی کرکے ان ریاستوں پر قبضہ کرلیا۔ ریاست جمول وکشمیر کے علاوہ باقی ریاستوں میں مسلمان افلیت میں متھاس لئے پاکتان نے صرف مسلم اکثریتی ریاست جمول وکشمیر کے حوالے سے عوامی حقوق کا سوال اٹھایا۔ پاکتان کا موقف ہمیشہ سے میہ رہا ہے کہ ریاست کے عوام کے حق خودارادیت کا احترام ہونا چاہے۔ وران کی مرضی سے ریاست کے متعقبل کے بارے میں فیصلہ کیا جائے۔

#### قانون آ زادی مند

کومت برطانیہ نے 18 / جولائی 1947ء کو برصغیر کو دوملکوں میں تقلیم کرنے کے لئے قانون آزادی ہند منظور کیا ، یہ قانون 3 / جون 1947ء کے منصوبہ کو پیش نظرر کھ کرتیار کیا گیا ، حکومت نے اعلان کیا تھا کہ جون 1948ء تک برصغیر کو آزادی دے دی جائے گی لیکن جلدی میں فیصلے کئے گئے ۔ 3 / جون تھا کہ جون 1948ء تک برصغیر کو آزادی دے دی جائے گی لیکن جلدی میں فیصلے کئے گئے ۔ 3 / جون تھا کہ جون 1947ء کا منصوبہ تیار ہوا اور فوری طور پر قانون تھیل پا گیا جس کی رُوسے پاکتان ادر ہندوستان دو ملک دنیا کے نقشہ یرا بھرے۔

## ليم آزادي

14 / اگست 1947ء کو پاکستان اور 15 / اگست 1947ء کو ہندوستان میں آزادی کا اعلان کردیا گیا۔ یا درہے کہ 14 / اگست 1947ء لیلة القدر کی رائے تھی جس میں قرآن مجید نازل ہوا۔



الحمدلله! الله تعالى كففل وكرم، قائداً عظم جيئ تلص اور بے لوث را بنماؤں اور علماء ومشائخ اہلسنت كي وشوں سے علامه اقبال كا خواب شرمنده تعبير ہوااور بے شار خالفتوں كے باوجود 14 / اگست 1947ء كودنيا كے نقشے پرا كے عظیم نظرياتى مملكت أنجر كرسائے آئى۔

اہم بات

واضح رہے کہ .....قائد الله علیہ نے پاکستان کی بنیاد لاالله الله برر کھی تقی تو جب تک لااللہ الله الله برر کھی تقی تو جب تک لااللہ الله رہے گاان شاءاللہ تب تک پاکستان بھی قائم رہے گا۔



## سوالات

سوال نمير 1 .....قراردادلا ہور كب اوركهاں بيش كى كى اوراس كامقصد كيا تما؟

سوال نمبر 2....ان علماء كرام كے نام بتا يے جنہوں نے قرار دادلا ہور كے موقعه پرشركت كى۔

سوال نمبرد .... 1945 ء كانتخابات من مسلم ليك كى كامياني كانفسيل بتائين.

سوال نمبر 4..... 1946ء میں برطانوی وزراء نے برصغیر کے آئیدہ آئین کے لئے کیا تجاویز پیش کیس اوران کوستر دکیوں کیا گیا؟

سوال نمبر 5 ....ملم لیگ کی حمایت میں علاء ومشائخ کے کردار کی وضاحت کریں۔

سوال نبر6 .... آل اغریائ کا نفرنس کے بادے می آپ کیا جانے ہیں؟

موال فمر7 .... تحريك باكتان من حصه لينه والعلماء كرام من سے چندا يك كيام لكسي-

ىوال نمبر8.....حضرت پیرسید جماعت علی شاه اور سفیراسلام مولا نا شاه عبدالعلیم صدیقی رحمهما الله نے تحریک پاکستان میں مجر پور کر دار ادا کیا۔اس کی تفصیل بتا ئیں۔

روال نمبر9.....وه كون سے عالم دين تھے جن كى امامت ميں قائد اعظم اورليافت على خان نے پاكستان ميں پہلى عيد الفطرى نماز اداكى\_؟

موال نمبر10.....قيام پاكتان كے سلسلے ميں صوبوں كے كردار پراختصار كے ساتھ روشى ڈاليس۔

سوال نمبر11 ..... 3/ جون1947ء كم معوب كي بار على آپكياجائة بين اس من كياتفسل طي كي .

سوال نمبر 12 ..... 3 / جون 1947 م كي منصوب يرمل كي صورت كياني؟

سوال فبر13 ..... قانون آزادي بندكيا بي؟اس كمطابق تقتيم بندكي كوني تاريخ طيهوكى؟

موال فمبر 14 ..... پاکتان کی آزادی کس من مسيناور کس تاريخ کو جونی اوراس وقت کونی مبارک رات تھی؟



چوتھاباب....

# پَا کهنتان کی ریاست اور حکومت



# پہلا گورنر جزل اور وزیراعظم

1947 من المست 1947ء کو قائد اعظم نے پاکتان کے گور نرجزل کی حیثیت سے طف اٹھایا اور لیافت علی خان وزیر اعظم مقرر ہوئے ، نوزائیدہ مملکت کا دستوری ڈھانچہ تیار نہیں تھا اس لئے 1935ء کے ایک علی خان وزیر اعظم مقرر ہوئے ، نوزائیدہ مملکت کا نظام چلایا گیا قائد اعظم محمعلی جنا 13 کا ماہ گور نرجزل رہے میں مناسب تبدیلیاں کر کے اس کے تحت ملک کا نظام چلایا گیا قائد اعظم محمعلی جنا 13 کا ماہ گور نرجزل رہے اور اس مدت میں آپ نے اپنی خداداد بھیرت اور قائدانہ صلاحیتوں سے اہم قومی معاملات کو سلجھایا جس سے پاکتان اپنے قد موں پر کھڑا ہوں کا۔

آ زادی کے بعد جومشکلات پیداہو کمی قائد اعظم ایسی قدآ ورشخصیت نے ان کواحسن طریقہ سے سلجھایا۔

## اسلامی جمہوریہ پاکستان کی ابتدائی مشکلات

الله کے فضل وکرم سے اسلامی جمہوریہ پاکستان 14 /اگست 1947ء کو وجود میں آگیا کین کا نگری البنماؤں کو یہ کہ نے پاکستان کے قیام کودل سے بھی قبول نہ کیا۔ لارڈ ماؤنٹ بیٹن اور سرر ٹیرکلف نے کا نگری راہنماؤں کو یہ کہ کر راضی کرلیا کہ کمزور پاکستان بعد میں ہندوستان میں ضم کیا جاسکے گا لیکن قائد اعظم کی عظیم قیادت میں پاکستانیوں نے مشکل حالات کے باوجود اپنی آزادی کے خفظ کا بھر پورعزم کیا۔ انہوں نے حالات کا بہادری سے مقابلہ کیا اور دفتہ رفتہ مسائل پرقابو پالیا اورقوم نے مثالی جذبوں ، محنت اور دیانت کا زبردست مظاہرہ کیا۔ ہندوا کم رفتہ کے صوبوں سے ہجرت کرکے آنے والے مسلمان خاندانوں پر جومشکلات گزریں مظاہرہ کیا۔ ہندوا کم رفت ہے۔ یو اللہ تعالی کا کرم دفظم کی اندوہ ناک داستان ہے۔ اور میں ، استقامت اور قربانیوں کی لاٹانی مثال بھی ہے۔ یہ اللہ تعالی کا کرم ہمکات اور خالفتوں کے باوجود پاکستان بنا اور قائم ودائم ہے اور ان شاء اللہ رہے گا۔ مملکت خداداد کے ابتدائی سالوں میں جن مسائل کا قوم کوسا مناکر نا پڑاوہ درج ذیل ہیں۔



#### 1.....رید کلف ایوار د کی ناانصافیاں

2 / جون 1947ء کے منصوبہ کے تحت طے پایا تھا کہ پنجاب اور بنگال کے صوبوں کو مسلم اور غیر مسلم اور غیر مسلم اکثریتی علاقے باروں بیل تقسیم کیا جائے گا ۔ مسلم اکثریتی علاقے پاکستان اور باقی علاقے ہندوستان کا حصہ بنیل کے علاقوں کی حد بندی کے لئے ایک کمیشن بنانے اور اُس کو فالٹ قبول کرنے پراتفاق رائے ہوا۔ ایک برطانوی ماہر قانون سرر ٹید کلف نے لارڈ ماؤنٹ بیٹن کے دباؤ میں آگر برطانوی ماہر قانون سرر ٹید کلف نے لارڈ ماؤنٹ بیٹن کے دباؤ میں آگر غیر منصفانہ تقسیم کی اور مسلم اکثریت کے بعض تسلیم شدہ علاقوں کو ایک سازش کے تحت ہندوستان میں شائل کردیا۔ آبادی کے مطابق طے پانے والے نقشے اور اُس پڑھپنجی گئی کیر کو بدل دیا گیا۔ اس امر کا اعتراف رئید کا کہ انسانی کو کے برائیویٹ سیکرٹری نے بھی کیا اور اب تو یہ ایک تاریخی حقیقت مانی جا چی ہے کہ ناانصافی کرتے ہوئے بعض اہم علاقوں سے پاکستان کو محرور کردیا گیا۔ ضلع گوردا سپور کی تین تحصیلیں گوردا سپور، پٹھان کوٹ اور بٹالہ کے علاوہ ضلع فیروز پور کی تحصیل زیرہ اور بعض دوسرے علاقے ہندوستان کوسونپ دیے گئے۔ اور بٹالہ کے علاوہ ضلع فیروز پور کی تحصیل زیرہ اور بعض دوسرے علاقے ہندوستان کوسونپ دیے گئے۔ موردا سپور کے علاقوں کو ہندوستان میں شامل کرنے سے ریاست جموں و شمیر تک کا راستہ ہندوستان کودے دیا گیا۔

سرریڈکلف کے ایوارڈ سے نہ صرف مسلمانوں کو اُن کے علاقوں اور حقوق سے محروم کیا گیا بلکہ دونوں قوموں کے درمیان مستقل مخالفت کا بیج بودیا گیا۔ آج مسئلہ تشمیر موجود ہے اور دونوں ملک اب تک 1948ء، 1965ء اور 1971ء کی تین بڑی جنگیں لڑھکے ہیں۔

#### 2....انتظامی مشکلات

پاکتان کے علاقوں میں سرکاری ملازمتوں پرفائز غیر مسلم بردی تعداد میں ہندوستان چلے گئے۔ دفاتر خال ہوگئے۔ دفاتر خال ہوگئے۔ دفاتر میں فرنیچر، شیشنری، ٹائپ رائٹروں وغیرہ کی کمی تھی۔ اکثر دفاتر نے کھلے آسان کے نیچکام کا آغاز کیا۔ ہندو ہندوستان جاتے ہوئے دفتری ریکارڈ تباہ کر گئے۔ اسکی وجہ سے دفاتر میں کام کرنے میں بری دشواریاں پیش آئیں۔



#### 3....مهاجرین کی آمد

قیام پاکستان کے بعد بھارت بھی رہنے والے مسلمانوں نے اپنے نے وطن بیں آنے کا فیصلہ کیا۔

لاکھوں خاندان اپناسب پچھ چھوڑ کر پاکستان کی طرف روانہ ہوئے۔ جومسلمان بھارت بیں رہنا چاہتے سے

انہیں ہندودی اور سکھوں نے قتل وغارت کا نشانہ بنایا۔ نیچے کھیج خاندانوں کو مجبوراً پاکستان کی طرف جرت

کر ناپڑی ۔ دوران جبرت لاکھوں افراد حملوں بیں شہید ہوئے۔ یہ بے گھر، لئے پئے پریشان حال مسلمان

پاکستان آئے تو اُنہیں عارضی کیمپوں بیں رکھا گیا۔ اُن کی خوراک ، رہائش ،ادویات اوردیگر ضروریات کی

فراہمی کے لئے حکومت پاکستان نے تیزی سے منصوبہ بندی کی۔ مقامی عوام نے اپنے مسلمان بھائیوں کوخوش

قراہمی کے لئے حکومت اورعوام کی مشتر کہ کوششوں سے مہاج بین کی ضروریات پوری کی گئیں۔ تعداداتی زیادہ تھی کہ

آ مدید کہا۔ حکومت اورعوام کی مشتر کہ کوششوں سے مہاج بین کی ضروریات پوری کی گئیں۔ تعداداتی زیادہ تھی کہ

کیمپوں بیں گنجائش نہ رہی ۔ لوگوں کو جہال سرچھیانے کو جگہ ملتی ڈیرے ڈال دیتے۔ مہاجرین کی بھالی ایک

بہت بڑا چیننی تھا۔ دئیا بیس مہاجرین کی اتنی بڑی تعداد کا واقعہ کہیں رونمانہیں ہوا تھا۔ ہجرت کے دوران ایسے

واقعات بھی ہوئے کہ مسلمانوں کی قبل وغارت بیں بھارتی فوج بھی ہندودی اور سکھوں کے ساتھ شامل تھی۔

## 4....ا ثاثوں کی تقسیم

برصغیری تقییم کے بعدا ٹاتوں کی پاکتان اور بھارت میں متناسب تقییم انصاف کا تقاضا تھالیکن یہاں بھی بھارتی حکمرانوں نے ناانصافی سے کام لیا۔وہ حلے بہانے سے پاکتان کوائس کا حصہ دینے سے گریز کرتے رہے۔وہ پاکتان کی معیشت کو تباہ کرنے کے لئے ہرممکن حربے استعال کررہے تھے۔انہوں نے پاکتان کے حصے کے اٹاشے روک لیے۔متحدہ برصغیر کے'' ریز وربنک'' میں تقییم کے وقت چا بلین روپے جمع پاکتان کے حصے کے اٹاشے روک لیے۔متحدہ برصغیر کے'' ریز وربنک'' میں تقییم کے وقت چا بلین روپے جمع سے۔یہ تم دونوں ممالک میں باخی جانی تھی۔تناسب کے لحاظ سے پاکتان کا حصہ 750 ملین روپے تھا، یہ حصہ دینے پر بھارت آ مادہ نہیں تھا۔ پاکتان کی طرف سے مسلسل مطالبے اور بین الاقوا می سطح پراپی سا کھ قائم رکھنے کی مجبوری کی وجہ سے بھارت نے ایک قبط میں 200 ملین روپے دیئے اور باتی رقم کوروک لیا گیا۔

بھارتی وزیر پئیل نے پاکستان کوکہا کہ وہ کشمیر پر بھارت کاحق تسلیم کر لے توساری رقم ادا کردی جائے گا۔

پاکستان نے سود ہے باڈی نہ کی ۔اُدھرگا ندھی کو بین الاقوامی برادری میں شرمندہ ہونے کا خوف تھا۔اُس نے
ساری رقم پاکستان کوادا کرنے کوکہا ۔مجورۂ 500 ملین روپے کی ایک قسط پاکستان کے حوالے کی گئی۔
بقایا 50 ملین روپے ابھی تک بھارت کے ذمے واجب الادا ہیں ۔اس حوالے سے نومبر 1947ء میں دبلی
میں دونوں ممالک کے نمائندوں کی میڈنگ بھی ہوئی جس ہیں معاہدہ ہوا اور دونوں ممالک نے معاہدے کی
توثیق بھی کردی کیکن معاہدے پڑمل در آمد ابھی تک نہیں ہوگا۔

## 5....فوج اورفوجی ا ثاثوں کی تقسیم

پیضروری تھا کہ برصغیر کی تقتیم کے بعد فوجی اٹا ثوں کو دونوں نے مما لک میں تناسب کے مطابق تقسیم كردياجا تاليكن اس معاملے ميں بھي انصاف سے كام نه ليا گيا۔ بھارت پاكتان كوكمزور ركھنا جا ہتا تھا تا كدوه بھارت کا حصہ بننے پرمجبور ہوجائے تقسیم سے پہلے متحدہ ہندوستان کا کمانڈر چاہتا تھا کہ افواج کو بانٹانہ جائے اورانہیں ایک ہی کمانڈ کے تحت رکھا جائے مسلم لیگ نے اُس کے موقف کوسلیم نہ کیا اوراصرار کیا کہ فوجی وسائل اورا ثافي دونون ممالك مين بانث ديئے جائيں حكومت برطانيه كويد مطالبه ماننا برا كه بھارت اور پاکتان میں تمام فوجی اٹا نے 64 فیصد اور 36 فیصد کے تناسب سے تقسیم کردیئے جاکیں متحدہ بھارت میں16 آرڈیننس فیکٹریاں کام کررہی تھیں اوران میں سے ایک بھی ایم نہیں تھی جے یا کتان کو ملنے والے علاقوں میں بنایا گیا ہو۔ بھارتی کا بینہ آرڈینس فیکٹری تو کیا اسکی مشینری کا کوئی پرزہ بھی یا کستان منتقل کرنے يرة ماده نہيں تھی کافی تکرار کے بعد طے پایا کہ آرڈینس فیکٹریوں کے حوالے سے پاکستان کو 60ملین روپے دیے جائیں گے تا کہ ودانی آرڈیننس فیکٹری قائم کرسکے۔عام فوجی ا ٹانوں کی تقسیم کا جو فارمولا بھی بنایا گیا حكومت مندنے أے مستر دكر ديا۔ تنگ آكر انگريز كمانڈرانچيف نے اسے عہدے سے استعفیٰ دے دیا۔ جس ہے حالات مزید پیچیدہ ہوگئے۔ یوں پاکتان کواپنا جائز حصہ لینے ہے محروم کر دیا گیا۔ جہاں تک افواج کا تعلق تھا ہر فوجی کوا ختیار دیا گیا کہ وہ دونوں ملکوں میں ہے جس ملک کی فوج کا حصہ بنتا جا ہے، بن جائے ۔ ظاہر ہے كەسلمان فوجيوں نے ياكستان سے دائستكى كا ظهاركيا۔

## 6....دریائی پانی کامسکله

تقسیم برصغیرنے دریاؤں کے قدرتی بہاؤ پراٹر ڈالا۔ بین الاقوامی قانون کے مطابق دریا کا قدرتی راستہ برقر ارر کھا جاتا ہے اور جن دویازیادہ ممالک سے دریا گزرتا ہے وہ اس کے یانی سے متفید ہوتے ہیں ۔ کوئی ملک در یا کارخ بدل کرکسی دوسرے ملک کوآئی وسیلہ ہے محرم نہیں کرسکتا۔ برصغیر میں اس حوالے ہے بھی بحران پیدا ہوا۔ پنجاب اورسندھ کو دریائے سندھ اوراس کے معاون دریا جہلم ، چناب ، راوی مثلج اوربیاس سراب کرتے آ رہے ہیں ۔ پنجاب دوحصول میں منقسم ہوا تو دریاؤں کی بھی تقسیم عمل میں آگئی ۔ راوی مثلج اور بیاس بھارت کی سرزمین سے گزر کریا کتان میں داخل ہوتے ہیں۔ بھارت سے انصاف کی توقع نہیں تھی۔ اُس نے اپریل 1948ء میں مغربی پنجاب کوآنے والے یانی کاراستہ روک لیا۔ بیقدم پنجاب اور سندھ کی معیشت کوتباہ کرنے کے مترادف تھا۔ کیونکہ ان علاقوں میں فصلوں کی آبیاری کا یقینی ذریعہ دریابی ہیں۔بارشیں بہت کم ہوتی ہیں۔ بھارت کی طرف سے یانی کی بندش قبط سالی کا باعث بن سکتی تھی۔ یا کتان کی زراعت كادارومدار كلمل طورير دريائي ماني برب -ايك بري زيادتي ريد كلف كي سربراي ميس بننے والے حد بندی کمیش نے کی ۔اُس نے سرحد کاتعین کرتے وقت اکثر ہیڑ ورکس مسلم اکثریتی علاقوں میں ہونے کے باوجود بھارت کے حوالے کردیئے ۔ بیرسازش یا کتانی زراعت اور معیشت کی تابی کاسب بن سکتی تھی ۔ بھارت نے دریائے سلے پرڈیم بنانے کافیصلہ کیا تو یا کستان نے سخت احتجاج کیا۔اگر بند بنیا تو تباہی اور قحط كامامناكرناية تا-اس لئے عالمي برادري كوايے مئله ہے آگاہ كيا كيا-

عالمی بینک نے صورت حال کا جائزہ لے کر پاکستان کی مدد کا اعلان کیا۔ کثیر رقوم مخص کی گئیں اور کافی فورفکر کے بعد عالمی بینک کی مدد سے دونوں ممالک میں ایک معاہدہ ' سندھ طاس' طے پا گیا۔ تین دریاؤں (راوی سنج اور بیاس) پر بھارت کاحق مان لیا گیا اور دوسرے تین دریا (سندھ جہلم اور چناب) پاکستان کو سونپ دیئے گئے۔منگلا اور تربیلا دوبڑے ڈیم اور سات لنک کینال بنائے جانے کامنصوبہ بنا۔سندھ طاس منصوبہ کی بدولت دریائی پانی کامنلہ کافی حد تک میں ہوگیا اور حکومت پاکستان کی فکر دورہوئی۔

#### 7.....رياستون كاتنازعه

انگریزوں کے دور حکومت میں 635 ریاشیں تھیں جہاں نواب یارا ہے داخلی طور پر حکمران تھے۔ان پر کنٹرول برطانوی حکومت کوحاصل تھا ۔ریاستوں میں برصغیر کی کل آبادی کا ایک چوتھائی رہائش پذیر تھا اورایک تہائی علاقے پربیریاتیں مشمل تھیں۔ آزادی کی منزل قریب آئی توریاستوں کے متعقبل کے بارے میں بھی سوچا جانے لگا۔ کا بینمشن بلان کے حوالے ہے ریاستوں کے حکمرانوں کوکہا گیا کہ وہ مستقبل میں اپن حیثیت اورمفادات کے تحفظ کے لئے دستورسازی کے مل میں شریک ہوں۔ حکمرانوں کو کا بینہ مشن نے سی جھی تلقین کی کہ وہ فیصلہ کرتے وقت اپنے عوام کی پینداور ذہبی رشتوں کا دھیان رکھیں۔

حكومت برطانيه في 20 فروري 1947 عكوانديا اوراندين رياستول برسے اپنا كنثرول المالين کا علان کیا۔ای اعلان کے تحت ریاستوں نے ہندوستان یا پاکستان سے وابستہ ہونے کا فیصلہ کرلیا۔صرف درج ذیل ریاستوں کی طرف ہے کوئی قدم فوری طور پر نداٹھایا گیا۔ان ریاستوں پر بھارتی فوج نے فوج کثی كركے قضه كرليا۔

## الف ....رياست حيدرآ باددكن

اس ریاست کا حکمران ' نظام حیدر آباد دکن ' مسلمان تھا جبکہ عوام کی اکثریت کا تعلق ہندوازم سے تھا نظام عوام میں ہرد معزیز تھا۔ ریاست کی معاثی حالت بہت اچھی تھی۔ نظام مسلمان ہونے کے ناطے حیا ہتا تھا کہ پاکتان ہےالحاق کرلے کیکن بھارتی حکومت نے سخت د باؤڈ الا۔لارڈ ماؤنٹ بیٹن نے بھارت کے پہلے گورز جزل کی حیثیت سے نظام کومجبور کیا کہ وہ اپنی ریاست کی جغرافیائی حیثیت کود کیھتے ہوئے بھارت سے الحاق كرے۔نظام اس پررضا مندنہ ہوا۔وہ آزاداورخود مخارریاست کے قیام کے بارے میں سوچنے لگا۔وہ بھارت ے الحاق کی دستاویز پردستخط کرنے کوآ مادہ نہیں تھا۔نظام نے اقوام تحدہ کی سلامتی کونسل کوایک درخواست بھارتی رویہ کے حوالے سے بھیجی ۔ ابھی معاملہ زیرغور ہی تھا۔ کہ 11 ستمبر1948ء کو بھارتی فوج نے وکن پرحملہ كرديا-17 ستبر1948 وكونظام كى فوج نے ہتھيار ڈال ديئے اور بھارت نے رياست پر قبضہ كرليا۔

## المنافعة في كستك كالحافي (69 ) (69 كالتال إستان كالمنافعة في كستك في التال الماستدر كون المنافعة في التال المنافعة في الم

ب....جونا كرُّھ

جونا گڑھ کا نواب مسلمان تھالیکن آبادی کی اکثریت غیرمسلم تھی ۔یہ ریاست کر پی ہے
480 کلومیٹر دور تھی ۔آبادی سات لاکھ کے لگ بھگ تھی ۔نواب نے پاکتان ہے الحاق کااعلان
کردیا۔ بھارت کے گورز جزل ماؤنٹ بیٹن نے الحاق کوتنلیم نہ کرنے اور جونا گڑھ کو بھارت کا ایک حصہ ٹابت
کرنے کے حق میں دلائل دیئے۔ پاکتان نے نواب جونا گڑھ کے الحاق کے اعلان کو تبول کرتے ہوئے ایک نظ جاری کردیا جس کی نقل گورز جزل لارڈ ماؤنٹ بیٹن کو بھی بھیجی گئی۔ بھارت نے پاکتان کی توثیق کو اپندان کی توثیق کو اپندادنی معاملات میں مداخلت سے تعبیر کیا۔جونا گڑھ کو چاروں طرف سے گھیر لیا گیا اور خوراک ودیگر فرویات ریاست کے اندر بانے کی اجازت نددی گئی۔ اور بھارتی فورج نے جونا گڑھ میں داخل ہوکراس کے فرویات ریاست کے اندر بانے کی اجازت نددی گئی۔اور بھارتی فورج نے جونا گڑھ میں داخل ہوکراس کے داراکھومت پر قبضہ کرلیا۔ نواب نے یہ صورت دیکھی تو جرت کر کے پاکتان آگیا۔ نواب نے ایک درخواست اقوام متحدہ کی سلامتی کونسل کو جبی کی کوئی رو عمل نہ ہوا۔ پاکتان بھی اقوام متحدہ میں جونا گڑھ کے تاز عرکو لے گیا گیاں یہ معاملہ ابھی تک اقوام تحدہ کے پاس بغیر کی فیصلے کے پڑا ہے۔

ح....مناوادر

جونا گڑھ کے قریب ایک اور ریاست مناوادر کے مسلمان حکمران نے بھی پاکستان سے الحاق کرنے کا اعلان کیا۔ جونا گڑھ کے ساتھ ساتھ بھارتی فوج نے مناوادر پر بھی حملہ کیا اور اسے زبر دی اپنے قبضے میں لے اعلان کیا۔ جونا گڑھ کی ریاستوں پر فوج کشی کے احکامات پر گورنر جزل ماؤنٹ بیٹن نے وستخط کئے ۔

<sup>ر....ر</sup> ماست جمون و کشمیر

ریاست جموں وکھیمر پاکتان کے شال میں برصغیر کی ریاستوں میں علاقے کے اعتبار سے سب سے بری ریاست تھی۔ 1941ء کی مردم بری ریاست تھی۔ اس ریاست کی سرحدیں چین، تبت، افغانستان اور پاکستان سے ملتی ہیں۔ 1941ء کی مردم مطانعه ہو کہ ستان کی کل آبادی جالیس لاکھ کے قریب تھی۔ آبادی کا بہت بڑا حصہ مسلمانوں پر مشتل شاری کے مطابق ریاست کی کل آبادی جالیس لاکھ کے قریب تھی۔ آبادی کا بہت بڑا حصہ مسلمانوں پر مشتل تھا۔ برطانوی حکومت نے اس ریاست کوایک ڈوگرہ راجہ گلاب شکھ کے پاس صرف 75 لاکھ میں فروخت کردیا تھا۔ ڈوگرہ راجہ گلاب شکھ اوراس کے جانشینوں نے اپنی مسلم رعایا برظلم و جرکے پہاڑ تو ڑے۔ معمولی جرائم کی پاداش میں مسلمانوں کو گڑی سزائیں دی جاتھیں۔ تھ آکرہ 1930ء میں شمیری مسلمانوں نے ڈوگرہ رائی کے خلاف آزادی کی تحریک شروع کردی لیکن برطانوی حکومت کی مدد کے ساتھ راجہ نے موائی تحریک کوئی سے کے خلاف آزادی کی تحریک شروع کردی لیکن برطانوی حکومت کی مدد کے ساتھ راجہ نے موائی تحریک کوئی سے کے

کے معان ارادی کی تربیت مرون کردن ہیں اور خربی اعتبار سے پاکستان کے بہت قریب رہی ۔ پاکستان کوسیراب کرنے والے اکثر وریا کشمیر سے نگلتہ ہیں۔ 1947ء میں کشمیری عوام چاہتے تھے کہ راجہ پاکستان کے بہت قریب رہی ۔ پاکستان کوسیراب کرنے والے اکثر وریا کشمیر سے نگلتہ ہیں۔ 1947ء میں کشمیری عوام چاہتے تھے کہ راجہ پاکستان سے الحاق کا فیصلہ کر ہے کہ اور الجد اس پر آ مادہ نہ ہوا ہوا ہوا کردی۔ راجہ نے بختی سے کام لیا اور لا کھوں افر اور ترک وطن نہیں کرنا چاہتا تو انہوں نے ایک بوئی تحریک شروع کردی۔ راجہ نے تھے کہ دبائی نہ جاسکی اور راجہ نے بھارتی پر مجبور ہوئے سوادولا کھسے زیادہ مسلمان شہید کردیے گئے تحریک دبائی نہ جاسکی اور راجہ نے بھارتی کومت سے مدد کی درخواست کی ۔ بھارت نے اپنی افواج ریاست میں اتارویں اور ساتھ ہی دباؤ ڈالا کہ راجہ بھارتی حکومت سے مدد کی درخواست کی دستاویز پر دستخط کردے۔ راجہ ایسا کرنے سے گریز کرتا رہا۔ بھارتی حکومت نے ایک جمعی دستاویز تیار کی اور اعلمان کردیا کہ راجہ نے ریاست کو بھارت میں شامل کرنے کی درخواست کی میارتی حکومت نے مان لیا ہے۔

کشمیری عوام راجہ کے خلاف تحریک چلارہے تھے۔اب انہوں نے با قاعدہ ہتھیارا تھا لیے۔سابقہ کشمیری فوج اور الجھ کے جارت کے بھارتی فوج اور الجھ فوجی جنگ زادی میں مسلمانوں کی قیادت کرنے گئے۔رضا کاروں کے جنھے آزادی کے بھارتی فوج اور راجہ کے دستوں کے خلاف جہاد میں شامل ہوئے تو دیکھتے ہی دیکھتے بہت ساعلاقہ راجہ کے قبضے سے نکل گیا۔ حکومت پاکستان اور پاکستانی عوام کی پوری بوری اخلاقی اور مالی امداد تحریک آزادی کشمیر کو حاصل ہوئی تو آزادی کے لئے لانے والوں کا پلہ بھاری ہونے لگا۔ بھارت نے حالات کارخ دیکھا تو اقوام شخدہ کا دروازہ جا کھنگھٹایا۔

مَنَ الْعَدُ بَاسَانَ الْعَدِ الْمُعَدِّدِ اللَّهِ الْمُعَدِّدِ اللَّهِ الْمُعَدِّدِ اللَّهِ الْمُعَدِّدِ اللَّهِ اللَّهُ الل

نے اپی برتر فوجی پوزیش کے باوجود قراردادول کا احترام کرتے ہوئے جنگ بندی پرآ مادگی ظاہر کردی۔
امتعواب رائے کرانے کا اعلان تو اقوام متحدہ نے کردیالیکن مسئلہ کوحل کرنے کے لئے اب تک کوئی قدم نہیں اٹھایا گیا۔1965ء اور 1971ء میں دوجنگیں ہوئیں لیکن شمیر کا مسئلہ حل نہیں ہوسکا۔ پچھلے کئی سالوں سے کشمیری مجاہدین ہتھیارا ٹھائے آزادی کے لئے لڑرہے ہیں۔ مسئلہ شمیرا قوام متحدہ کے ایجنڈے پر موجود ہے لیکن دہ کوئی بھی موثر قدم اٹھانے سے گریزال ہے۔

## آئين اسلامي جمهوريه پاکستان

کی بھی ملک کا نظام چلانے کے لئے قوانین کی ضرورت ہوتی ہے کیونکہ قوانین کی موجودگی میں ہی ان مقاعد کا حصول ممکن ہوسکتا ہے۔جس کے لئے ملک حاصل کیا گیا ہوتا ہے۔قوانین کسی بھی ملک کا انظام چلانے کے لئے بنیادی رہنمائی فراہم کرتے ہیں۔

### آئین کیا ہوتاہے؟

ہنیادی اصولوں کا وہ مجموعہ جس کے مطابق ریاست کانظم ونتی چلایاجا تا ہے۔ریاست کا آئین یادستورکہلا تا ہے۔ آئین ریاست کا بنیادی اوراعلی ترین قانون ہوتا ہے جس کے بغیر ریاست کا نصور بھی ناممکن ہے۔ ہرریاست کے حالات ،ضروریات اور تقاضے مختلف ہوتے ہیں لہذا مختلف ریاستوں کے آئین بھی مختلف ہوتے ہیں لہذا مختلف ریاستوں کے آئین بھی موسکتا ہے اور غیر تحریری بھی۔

اً نمین کی ضرورت واہمیت سست

سمى بھى رياست ميں آئين كى ضرورت واہميت كومندرجه ذيل تكات سے بيان كيا جاسكا ہے۔

و مُطَالَعه بِاكستان كِي ﴿ 72 ﴾ ﴿ 72 مُطَالَعه بِاكسان الماري الم

1 ..... تكين رياست كابنيادى اوراعلى قانون موتا ب-

2..... تكين قوانين اوررسوم كا آئينددار ومجموعه وتا --

3 ..... كين برتر قانون موتاب، رياست كاكوئي فرداوراداره آسمن عيالترنبيس موتا-

4..... أكين كى خلاف ورزى تقين جرم --

5 ..... بر حکومت برآ کین کی وفاداری اور پاسداری لازمی موتی ہے۔

6..... ہر حکومت آئین حدود کے اندررہ کرائے فرائف ادا کرتی ہے۔

7..... أكين مرريات مي حكومت كے بنيادي مقاصداور رجيحات كانعين كرتا ہے-

8..... كىن عواى احساسات اورجذبات كالمظهر موتاب-

9 ....رياست كيتمام قوانين اور پالسيال كلي آئين كى روشى من تيار موتى بيل-

10 .....آ كىن كى غيرموجودگى رياست كاندرانتشاراور بنظمى كاباعث بنى ب-

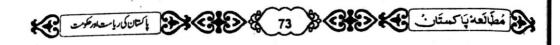
11 .... حكومت كے تين اہم ادارول مقدّنه انظاميا ورعدليد كاختيارات وفرائض كالعين آئين كى

روشی میں کیاجا تاہے۔

12 ...... تكين كى موجود كى كى بعى حكومتى ادار كى اجاره دارى اور من مانى كوروكى ب-

13 ..... كىن داضح طور برافراد كے حقوق كى حفاظت كرتا ہے۔

14 ..... تمين معاشر كى فرمبى اور ثقافتى اقد اركى حفاظت كرتا ہے۔



## قراردادِمقاصد.... أكبين پاكستان كى بنياد

12/مارچ1949ء کواس وقت کے وزیراعظم نواب زادہ لیافت علی خال نے قانون سازادارے میں ایک قرار داد پیش کی جس میں ان نکات کی نشا ندہی کی گئی جن کو بنیاد بنا کر ملک کے متعقبل کا دستور بنایا جائے گا۔ قومی اسبلی نے اس قرار داد کواکٹریت سے منظور کرلیا۔ اس قرار داد کوعرف عام میں '' قرار داد مقاصد'' کے نام سے یاد کیا جاتا ہے کیونکہ اس قرار داد میں ان مقاصد یا نکات کی وضاحت کی گئی جن کی بنیاد پر ملک کے لئے دستور بنایا جانا تھا۔ قرار داد مقاصد کے ایم نکات مندرجہ ذیل ہیں۔

#### 1....الله تعالی کی حاکمیت

اس قرار دادمیں اس بات کی وضاحت کردی گئی کہ ساری کا نئات کا مالک اللہ تعالیٰ ہے اور ساراا قتد ار ای کوحاصل ہے۔ اقتد ارمسلمانوں کے پاس اللہ کی امانت ہے اور اس اقتد ارکواللہ تعالیٰ کی مقرر کر دہ حدود کے اندر رہ کراستعال کیا جائے گا جو کہ عوام کے نتخب نمائندے استعال کریں گے۔

#### 2....اسلامی اقدار کی پابندی

قراردادمقاصد میں اس بات کی نشاندہی کی گئی کہ پاکستان میں اسلامی اقد ارمثلاً جمہوریت، آزادی، رواداری اور معاشرتی انصاف کوفروغ دیا جائے گا۔

#### 3....اسلامی طرززندگی

مسلمانوں کواپی انفرادی اوراجماعی زندگیاں اسلام کے بتائے ہوئے اصولوں کے مطابق گزارنے کے لئے بہتر اور مناسب ماحول فراہم کیا جائے گا۔



4....اقليتون كاتحفظ

پاکتان میں رہنے والے تمام غیر سلم شہریوں کواپنے نداہب اور عقائد کے مطابق زندگی گزار نے کا کمل تحفظ فراہم کیا جائے گا۔

5..... بنیادی حقوق کی فراهمی

تمام شریوں کو کسی نسلی ، معاشرتی ،معاثی و ندہبی تعصب کے بغیرتماِم شہری حقوق فراہم کے جائیں گے۔

6.....وفاقى نظام حكومت

قرار داد مقاصد میں دضاحت کردی گئی کہ پاکتان کا نظام دفاقی جمہوری ہوگا جو کہ عوام کے منتخب

نمائندوں کے ذریعے چلایا جائے گا۔ 7.....یسماندہ علاقوں کی ترقی

۔۔۔۔۔ ہما مدہ علا وں کا حل قرار دادمقاصد میں اس بات کا اعادہ کیا گیا کہ پسما ندہ علاقوں کی ترقی کے لئے ضروری اقدامات کئے

جائیں گے اور انہیں ترقی یافتہ علاقوں کے برابر لایا جائے گا۔

8....عدليدكي آزادي

قرارداد مقاصد میں اس بات کا اعادہ کیا گیا کہ عدلیہ اپنے کا موں میں بالکل آزاد ہوگی اور پغیر کی دباؤے کا مرے گی۔

9..... أردوقو مي زبان

اس بات کی نشاندی کی گئی که ملک کی قومی زبان اردو موگ ۔

### قراردادٍمقاصدگیاهمیت

قراردادِ مقاصد کی منظوری کے بعد پورے ملک میں خوشی واطمینان کی لہر دوڑ گئی \_لوگوں کواس بات کا حساس ہوگیا کہ اب دستور بنانے کا کا م لوگوں کی خواہشات اور مرضی کے مطابق پورا ہوسکے گا۔

1 .....قراردادِ مقاصد کی اہمیت کا ندازہ اس بات سے لگایا جاسکتا ہے کہ اس قرارداد کی منظوری کے بعد ملک میں دستور بنانے کے کام کا آغاز کردیا گیا۔اس مقصد کے لئے ایک سمیٹی بنائی گئی جے بنیادی اصولوں کی سمیٹی کا نام دیا گیا۔

2....قرارداد مقاصد کی منظوری کے بعد دستورسازی کی راہ میں حاکل رکاوٹیں دور ہوگئیں۔

3 .... قراردادِ مقاصد نے دستور بنانے کے لئے بنیادی اصولوں کی نشاند ہی کردی۔

4....قراردادِمقاصد پاکتان میں بنے والے تمام دسا تیر میں بطورابتدائیے شامل کی گئی اور1973ء کآ کین میں 1985ء میں ترمیم کر کے اسے با قاعدہ آ کین کا حصہ بنادیا گیا۔

### پاکتان میں دستورسازی کے مراحل

قراردادِمقاصدی منظوری کے بعداس بات کا یقین ہوگیا کہ ملک کادستورکن بنیادوں پر بنایا جائے گا اوراس مقصد کے لئے وفاتی اسمبلی کے ارکان پر شمتل ایک کمیٹی بھی قائم کردی گئی ،گر آزادی کے فوراً بعدی پاکستان ایسے بے شار مسائل کا شکار ہوگیا کہ دستور سازی پر بھر پور توجہ نددی جاسکی ۔ سیاس عدم استحکام اور نااہل قیادت کی دجہ سے حکومتیں تیزی ہے تبدیل ہونے لگیس ۔ گورز جزل غلام محمد نے ان حالات کے پیش نظر وفاتی آمبلی کے قیام کا اعلان کیا۔ دستور سازی کی راہ میں حائل رکا وٹوں آمبلی کے قیام کا اعلان کیا۔ دستور سازی کی راہ میں حائل رکا وٹوں میں ایک اہم رکاوٹ یہ بھی تھی کہ ملک کا مغربی حصہ چار صوبوں اور مشرقی حصہ ایک صوبہ پر مشمتل تھا اس میں ایک اہم رکاوٹ یہ بھی تھی کہ ملک کا مغربی حصہ چاروں صوبوں اور مشرقی حصہ ایک صوبہ بنادیا گیا اور اُسے قون یون وکاوٹ کو دور کرنے کے لئے مغربی پاکستان کے چاروں صوبوں کو ملاکر ایک صوبہ بنادیا گیا اور اُسے قون یون

مُطَعَفَة بُوكِسَتَن کی کی استان کی کام میکور این کام می کام دیا گیا۔ وَن یون کے قیام اور وقاتی آسیلی کے استان کے بعددستور سازی کاکام کانی حد تک آسان موگیا تھا۔ موگیا تھا۔ نوختی وزیراعظم چوہدی جمع کے دستور سازی کے کام کی طرف پوری توجہ دی اور اے کمل کیا۔

نو متحب وزیر اعظم چو بدری محمد علی نے دستور سازی کے کام لی طرف پوری لوجہ دی اور اسے مس کیا۔ اور وفاقی اسمبلی نے ہے آئین کی منظور دے دی۔

### 1956ء کے آئین کی اہم خصوصیات

پاکتان کاپہلاآ کین 23/مار 1956ء کو ملک میں نافذ کیا گیا۔اس آ کین کی اہم خصوصیات معدد دیل میں۔

- (1) یا کتان کواسلای جموریقراردیا کیا۔
- (2) ملك من وقاتى بارليمانى فظام كومت قائم كيا كيا-
- (3) آکین میں اللہ تعالی کی حاکمیت ،افقیارات کاعواتی نمائندوں کے ذریعے استعال ،قرآن وسنت کے مطابق زعر گی گرارنے کا ماحول اور اقلیتوں کو کمل ذہبی آزادی دینے کا اعلان کیا گیا۔
- (4) . آئین میں اس بات کی فٹائدی کردی گئی کہ شمریوں کو بہتر زندگی بسر کرنے اور اپنی ملاحیتوں کے اظہار کے لئے عمل شہری حوق فراہم کئے جائیں گے۔
- (5) اس بات کی صفاحت فراہم کی گئی کہ عدلیہ اپنے فرائفن کی ادائیگی کے لئے تمام دباؤے آزاد ہوگی ۔ اعلیٰ عدالتوں کے بچوں کو طازمت کا تحفظ فراہم کیا جائے گا۔
  - (6) 1956ء كدستور كم طابق اردواور بكالى دونول كوفى زبائل قرارديا كيا-
    - (7) 1956 م كما تين كوري عل من تياركيا كيا تعاب

## آ كىن (1956ء) كى منسوخى

1956 م كا آكين فوسال كى انتك محنت اوركوششول كے بعد منظور ہوا تھا گر پاكتان كے مخصوص مالات اور يوروكر كى كى ب جا مداخلت ،اعلىٰ حالات اور يوروكر كى كى ب جا مداخلت ،اعلیٰ حالات اور يوروكر كى كى ب جا مداخلت ،اعلیٰ

مُطَانَعَهُ بِالسَّعِهِ الْمُعَالِ الْمُعَالِ الْمُعِلِي الْمُعِلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعِلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي الْمُعَلِي اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

## 1962ء کے آئین کا نفاذ اور خصوصیات

مدر جزل محمد ایوب خان نے ملک کے لئے نیا آئین بنانے کے لئے ایک دستوری کیشن قائم کیا۔
کیشن نے اپی سفار شات 1961ء میں صدر کو پیش کیں مدر نے ان سفار شات میں سے اپی مرضی کی
ترامیم کے بعد پاکستان کے لئے ایک نیا آئین تیار کیا جے 8 جون 1962ء کونافڈ کیا گیا۔

#### خصوصيات

- (1) 1962 ء كا آئين تريئ تعاجوكه ٢٥٠ د فعات اور 5 گوشوارو ل ير مشتل تعا۔
- (2) 1962 وكا آئين دفا في نوعيت كاتها، دستور من ياكتان كدونول حصول كوبرا ينمائندگي دي كئي-
  - (3) 1962ء كوستور كتت ملك من مدارتي المرز حكومت دائج كيا كيا\_
- (4) 1962ء کے دستور میں کئی اسلامی دفعات شامل کی گئیں مثلاً اللہ تعالیٰ کی حاکمیت ،اقتدار اللہ کی امانت اوراس کاعوام کے متخب نمائندوں کے ذریعے استعال، پاکستان کا نام اسلامی جمہوریہ پاکستان اورسر براہ ریاست کے لئے مسلمان ہونالازمی قراردیا گیا۔
- (5) عوام کوبہتر زندگی گزارنے اورا پی صلاحیتوں کے اظہار کے لئے کی حقوق دیئے گئے جن کوشمریوں کے بنیادی حقوق کہتے ہیں۔
  - (6) 1962 م كي من عن أردواور بكالي دونون كوياكتان كي قوى زبائي قرارديا كيا\_



#### . 1962ء کے آئین کی ٹاکامی

صدر جزل محدابوب خان نے قریباً 1 سال حکومت کی اوران کے دور میں کئی اصلاحات نافذ ہوئیں اور ملک نے صنعتی میدان میں کافی ترقی کی لیکن جزل محدابوب خان کی حکومت آمرانہ ہونے کی وجہ سے اس كے خلاف عوام نے زیر دست تحریک چلائی اور حالات ان کے کنٹرول سے باہر ہونے لگے۔ آئین کی رُوے تمام اختیارات صدر پاکستان کے پاس تھے۔ان حالات کے پیش نظر ایک دفعہ پھر ملک میں مارشل لا نافذ كرديا كيا\_25/مار 1969ء كوجزل أغامم يجي خان في حكومت سنجالي اور1962ء كا أكين ختم كرديا-جزل يحيى خان كادور حكومت

جزل يجيى خان كادور حكومت بإكتان كي دستوري تاريخ مين بردامخضر تفامكر أس دور ميل بإكتان كي وستوری وسیای تاریخ میں اہم واقعات رونما ہوئے۔ پاکستان کے پہلے عوامی انتخابات 1970ء میں ہوئے اوران انتخابات میں مشرقی یا کستان میں مجیب الرحلن کی وامی لیگ اور مغربی یا کستان سے ذوالفقار علی بھٹو کی جاءت پیلز پارٹی نے نمایاں کامیابی حاصل کی۔اقتدار کی ہوس اور سیاست دانوں کی باہمی عداوتیں اور جزل یکی خان کی اقتدارے چئے رہنے کی خواہش نے مشرقی پاکستان کے لوگوں میں احساس محرومی کومزید ہوادی جوآخر کارد مبر 1971ء میں مشرقی پاکستان کی علیحد گی کا باعث بنی اور بنگلہ دیش کے نام سے ایک نیا ملک دنیا کے نقشے برقائم ہوا۔

یا کتان کوایی آزادی کے دن ہے ہی بے شار سائل کا سامنا کرنا بڑا۔ ان مسائل میں ایک مسلمیہ قا کہ پاکتان دوحصوں معین مشرقی پاکتان اور مغربی پاکتان پر مشتل تھا اوران دونوں کے درمیان براہ راست زمنى رابطه نبين تفاد دوسرايد كمغربى باكتان جارصوبون بمشمل تفاجبكه مشرقى بإكتان صرف ايك صوبه بر مشمل تھا گرآ بادی کے لحاظ سے میصوبہ اکثریت میں تھا۔دونوں حصول میں بولی جانے والی زبانیں بھی مختلف تھیں۔اس کےعلاوہ زندگی کے دیگر معاملات میں بھی دونوں حصوں میں بسنے والے لوگوں کا نقط نظرایک دوسرے سے کافی مختلف تھا۔

المُطَالَعَهُ فِي كَسِتَانَ كَانِ كُونِ كُولِ كُلْكُونِ كُولِ كُلْكُونِ كُولِ كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلِي كُلِي كُلِي كُلْلِي كُلِي كُلْلِي كُلْلِي كُلِي كُلِي كُلِي كُلِي كُلْلِي كُلْ

جب جزل محمہ یجی خان نے 1969ء میں حکومت سنجالی تو اس نے اعلان کیا کہ ملک میں عام انتخابات کروائے جا کیں گے اوراکٹریتی جماعت کوحکومت بنانے کی آزادی ہوگی ۔ ملک کے پہلے عام انتخابات 7 دیمبر1970ء کوہوئے۔ان انتخابات کے نتیج میں مشرقی پاکستان سے شخ مجیب الرحمٰن کی عوائی لیگ نے زبردست کامیا بی حاصل کی محرمغربی پاکستان سے اُسے کوئی بھی سیٹ نہل سکی ۔ بہی صورت حال مغربی پاکستان کی سیاسی جماعتوں کی تھی ۔ پاکستان پیپلز پارٹی نے مغربی پاکستان میں نمایاں کامیا بی حاصل کی۔ مغربی پاکستان کی سیاسی جماعتوں کی تھی ۔ پاکستان پیپلز پارٹی نے مغربی پاکستان میں نمایاں کامیا بی حاصل کی۔ جزل استخابات کے بعد اقتدار کی جنگ نے ایک نئی صورت حال اختیار کرلی ، شخ مجیب الرحمٰن نے اپنے فاکست پر بیٹی مناور کی بنیاد پر حکومت کے قیام کا اعلان کیا جبکہ پیپلز پارٹی نے اس کی بھر پورمخالفت کی ۔ جزل محمد کی خان کی اقتدار سے چھے رہنے کی خواہش نے حالات کو مزید خراب کردیا ۔ اس دوران شخ مجیب الرحمٰن نے دیا تی معاملات میں عدم تعاون ، ٹیک کے داخلان کردیا ۔ جگہ جگہ آلی دغارت ، عدم تعاون ، ٹیکسوں کی ادا کیگل ۔ نے انکار ، بڑتالیس ، عدالتوں کا با ٹیکاٹ اور ملاز مین کا کام پر نہ جانا آئے دن کامعمول بن گیا۔

حالات پر قابو پانے کے لئے جزل نکا خان کومشرتی پاکستان کا گورزمقرر کیا گیا مگر حالات قابو سے باہر ہوتے گئے۔ای دوران شخ مجیب الرحمٰن نے متوازی حکومت قائم کر لی ۔ شخ مجیب الرحمٰن نے انتخابات کے نمائج اور توامی حمایت کی فضا کود کیھتے ہوئے چھ نکات کی منظوری کے بغیر تعاون سے انکار کردیا۔ ہندوستان کی مجر پور حمایت اورامداد کے تحت شخ مجیب الرحمٰن نے اپنے چھ نکات میں مزید مخت شرائط کا اعلان کردیا۔

پیجہ دوں ہے۔ جو اور عام شہر یوں کو تھا جی جو اوک میں مرید حق سرانط کا اعلان کر دیا۔
میں الرحمٰن کی گرفتاری نے حالات کو مزید خراب کر دیا۔ خانہ جنگی اپ عروج پر پہنچ گئی اور ہندوستان کھمل طور پر موالی لیگ کی حمایت کررہا تھا اور اپنے غنڈوں کو مشرقی پاکستان بھیج رہا تھا جو کمتی با ہنی کے کارکنوں سے مل کرپاکستانی فوجیوں اور عام شہر یوں گوتل کروار ہے تھے۔ ہزاروں کی تعداد میں مشرقی پاکستانیوں نے بھارت کی مربات شروع کردی۔ ہندوستان کی حکومت نے مہاجرین کی مدد کا بہانہ بنا کرمشرقی پاکستان پر حملہ کردیا۔
مرف جمرت شروع کردی۔ ہندوستان کی حکومت نے مہاجرین کی مدد کا بہانہ بنا کرمشرقی پاکستان پر حملہ کردیا۔
مرف جمرت شروع کردی۔ ہندوستان کی حکومت نے مہاجرین کی مدد کا بہانہ بنا کرمشرقی پاکستان برحملہ کردیا۔
دیمنی رابطہ کے جانے اور مقامی لوگوں کے عدم تعاون کی وجہ سے مشرقی پاکستان میں فوری اور مؤثر



کارروائی نہ ہو کی اور ہماری افواج کو مجبورا ہتھیار ڈالناپڑے۔ بھارت آخرکارا پے مقصد میں کامیاب ہوگا اور مشرقی پاکستان16 دمبر1971 موایک الگ وطن بنگلہ دیش کے نام سے دنیا کے نقشے پرنمودار ہوا۔

## مشرقی پاکستان کی علیحد گی اوراُس کی وجوہات

مشرقی پاکتان کی علیحدگی کی وجو ہات کامخضر جائزہ مندرجہ ذیل عوامل سے لیاجا سکتا ہے۔

1.....ناابل ملكي قيادت

قائداعظم کی وفات کے بعد ملک میں کوئی ایسار ہنمانہ تھا جس پرتمام پاکستانیوں کا اتفاق رائے ہوتا۔ قیادت کے فقدان نے مشرقی پاکستان کے لوگوں میں احساسی محرومی کومزید ہوادی۔

ورد کے حفران کے عربی مان کے درس ک

2.... تجارت وملازمت پر ہندوؤں کے اثرات

مشرقی پاکستان میں تجارت وسرکاری ملازمتوں پرکافی تعداد میں ہندو چھائے ہوئے تھے اوروہ ایک خاص منصوبہ کے تحت لوگوں کے اندرعلیحد گی کے جذبات کوا بھارر ہے تھے۔

3....معاشى پسماندگ

مشرقی پاکتان معاثی لحاظ سے پسماندہ علاقہ تھا۔ کی بھی حکومت نے اس علاقہ کی معاثی بسماندگی ۔ کودورکرنے کے لئے خاطرخواہ اقدامات نہ کئے۔

4..... مندواسا تذه كاكردار

مشرقی پاکستان میں تعلیم کا شعبہ پوری طرح ہندوؤں کے کنٹرول میں تھا ۔ انہوں نے بنگالیوں کو پاکستان کے خلاف پوری طرح تیار کیا اور ان کے جذبات کو ابھارا۔

5....زبان كامسكله

زبان کامسکداگرچہ1956ءاور1962ء کے دستور میں حل ہوگیا تھا گرمشر تی پاکستان کے لوگوں کے اندرزبان کے حوالے سے ایک احساس محرومی پیدا ہو چکا تھا جوان اقد امات کے باوجود بھی ختم نہ کیا جا سکا۔

6.... بھارت کی بے جامداخلت

بھارت کی مشرقی پاکتان کے معاملات میں بے جامداخلت نے بھی حالات کوخراب کیا۔ بھارت نے کتی ہائی کے کارکنوں کو بت اورامداددینے کے علاوہ علیحدگی پندر جمانات کی بھی سریری کی۔

7 ..... فيخ مجيب الرحمان كي چونكات (1966ء)

مشرتی پاکتان کی جماعت عوامی لیگ کے سربراہ شیخ مجیب الرحمٰن نے فروری1966ء میں اپنے مشہور چھنکات پیش کئے جو کہ بعدازاں1971ء میں پاک بھارت جنگ اور سقوط ڈھا کہ کا سبب ہے۔ یہ چھ تکات درج ذیل تھے:

- (1) قراردادلا ہور کی بنیاد پر پاکتان میں وفاقی پارلیمانی نظام تشکیل دیا جائے ۔ قومی اسمبلی کا انتخاب بالغ رائے دہی کی بنیاد پر کیا جائے۔
  - (2) دفاع اورامور خارجہ کے محکے وفاق کے پاس ہوں جبکہ دیگرتمام محکے صوبوں کودیئے جائیں۔
    - (3) مغربی اور شرقی پاکتان کیلئے الگ کرنسیوں کا جراء کیا جائے۔
      - (4) موبول كونيس عائد كرنے كاختيارات ديئے جائيں۔
- (5) صوبائی حکومتوں کو بیرونی ممالک کے ساتھ تجارتی تعلقات قائم کرنے اور مجھوتے کرنے کا ختیار دیا جائے ہرصوبے کے ذرمبادلہ کے ذخائرا لگ ہوں۔
  - (6) موبائي حكومتول كوائي مليشايا نيم فوجي فورس ر كھنے كا اختيار ديا جائے۔
    - 8---1970ء کے انتخابات

1970ء کے عام انتخابات نے حالات کوایک نئ کروٹ دی اور مشرقی پاکتان میں عوامی لیگ کی

مكمل كاميابى كے بعدلوگوں نے ایک سے انداز سے سوچنا شروع كرديا۔

9.....9 عكا آئين

بگاردیش کے قیام کے بعد جزل کی فان نے باقی مائدہ مغربی پاکتان بیں افتدار پاکتان پیپلز کے سربراہ ذوالفقار علی بعثو کے ہروکردیا کیونکہ اس جماعت کو 1970ء کے انتخابات بیں مغربی پاکتان بیں اکثریت حاصل ہوئی تھی ۔ اس شرح ذوالفقار علی بعثو نے پاکتان کی تاریخ بیں پہلے سول مارشل لاء بیں اکثریت حاصل ہوئی تھی ۔ اس شرح ذوالفقار علی بعثو نے پاکتان کی تاریخ بیں پہلے سول مارشل لاء ایڈ فشریئر کی حیثیت سے عہدہ سنجالا ۔ ملک کا نظام چلانے کے لئے ایک عبوری آئین 1972ء بیں بنایا گیا اور متعقبل کے آئین کے ایک خوری آئین بنائی گئی جس بیں اُن تمام اور متعقبل کے آئین کی میں اُن تمام علی بنائی گئی جس بیں اُن تمام علی بنائی گئی جس بی بیان بیان بیان بیان بیان کا پہلامتفقہ آئین جے تمام مقل بیں جا توں کے بعد انے 10 اور آئی بی میں بیش کیں تو می آئیل نے ان سفار شات اور آئی مودہ کا تفصیلی جا ترہ لیا ہے کہ بعد انے 10 اپر بل 1973ء کونافذ کیا گیا جو کہ اب تک محقفہ آئین جے تمام اور تبدیلیوں کے ماتھ ملک میں دائی ہے۔

### 1973ء کے آئین کی خصوصیات

1973ء کے آئین کی خصوصیات مندرجہ ذیل ہیں۔

- (1) ملك كانام اسلامي جمهوريد بإكتان ركها كيا-
- (2) 1973 مکاآ کین ترین شکل میں ہے جو کہ 280 دفعات پر مشتل ہے.
- (3) 1973ء كي تين كي تحت ملك مين وفاتي بإرليماني نظام حكومت رائج كيا كيا-
- (4) 1973ء كرة كين كر تحت قانون ساز ادار يك دوايوان ركم محري، جن كوقوى اسمبلى اوريونك كانام
  - ديا كيا-
  - (5) آئين كے تحت عدليد كى آزادى كى كمل منانت فراہم كى كى-

المُعَانَعَة فِي كِينَ لِيهِ اللَّهِ اللَّ

آئین میں اس بات کی وضاحت کردی گئی کہ قانون کی نظر میں تمام شہری برابر ہیں۔

آئین میں شہریوں کو بنیادی حقوق کی فراہمی کا کمل تحفظ فراہم کیا گیا۔

آئین کے تحت اُردوکو پاکتان کی قومی زبان قرار دیا گیا۔

نوف ..... 1973ء کے آئین کو بیخ صوصیت بھی حاصل ہے کہ اس میں مختلف مکا تب فکر کے جید علاء بالخصوص علامہ شاہ احمد نورانی مفتی محمود اور مولانا عبدالحق (والدمولانا سمیع الحق) کی کاوشیں اور تائید شامل ہے۔

1973ء کے آئین کی اسلامی دفعات

....الله تعالی کی حاکمیت

آئین میں اس بات کا عادہ کیا گیا کہ تمام کا ئنات کی مالک اللہ تعالیٰ کی ذات ہے اورعوامی نمائندے افتارات کواللہ کی امانت سیجھتے ہوئے استعمال کریں گے۔

2.....2

1973ء کے آئین کے تحت ملک کانام اسلامی جمہوریہ پاکتان رکھا گیا جو کہ پاکتان کی ایک اللی رفائی مملکت کے طور پرنشاندی کرتا ہے۔

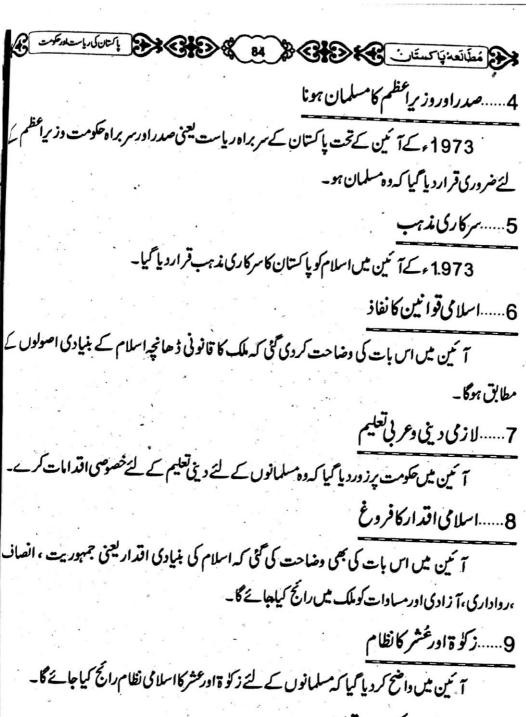
3....ملمان كى تعريف

آئين كے تحت مسلمان وہ ہے جو .....

الف ....الله تعالى كى وحدت بريقين ركمتا بو\_

ب .... حفرت مجمد علي كوالله تعالى كا آخرى نبي ما نتا مو

ح ..... اللي كتابول اور قيامت بريقين ركهتا مو\_



ا بین میں وہ سے تعلقات 10 .....اسلامی مما لک سے تعلقات آئین میں اس بات کا عہد کیا گیا کہ اسلامی مما لک سے خصوصی تعلقات اور مسلمانوں کو قریب لانے

کے لئے ضروری اقدامات کئے جائیں گے۔



11....اسلامی نظریاتی کوسل کا قیام

ملک میں اسلامی معاشرہ کے قیام اور قوانین کو اسلامی تعلیمات کے مطابق ڈھالنے کے لئے ایک اللہ کا قیام عمل میں لایا جائے گا۔ جس کا نام اسلامی نظریاتی کونسل رکھا گیا۔ اسلامی نظریاتی کونسل کا قیام کا کا مام اسلامی نظریاتی کونسل (Islamic Councif) کا میں جبہوریہ پاکستان کے دستور 1973ء کی دفعہ 228 میں ''اسلامی کونسل کے کار ہائے منصمی بیان کرتے کا کھی دیا گیا ہے اور دستور ہذا کی دفعہ 230 میں اسلامی کونسل کے کار ہائے منصمی بیان کرتے و کہا گیا ہے کہ:

... پارلیمنٹ اورصوبائی اسمبلیوں سے ایسے ذرائع اوروسائل کی سفارش کرنا، جن سے پاکتان کے مسلمانوں کو اپنی زندگیاں انفرادی اوراجماعی طور پر ہرلحاظ سے اسلام کے ان اصولوں اورتصورات کے مطابق دھالنے کی ترغیب اورامداد ملے، جن کا قرآن پاک اورسنت میں تعین کیا گیا ہے۔

....کی ایوان ، کی صوبائی اسمبلی ،صدر یا کسی گورزکوکی ایسے سوال کے بارے میں مشورہ دینا، جس میں کونسل سے اس بابت رجوع کیا گیا ہوکہ آیا کوئی مجوزہ قانون اسلامی احکام کے منافی ہے یانہیں؟

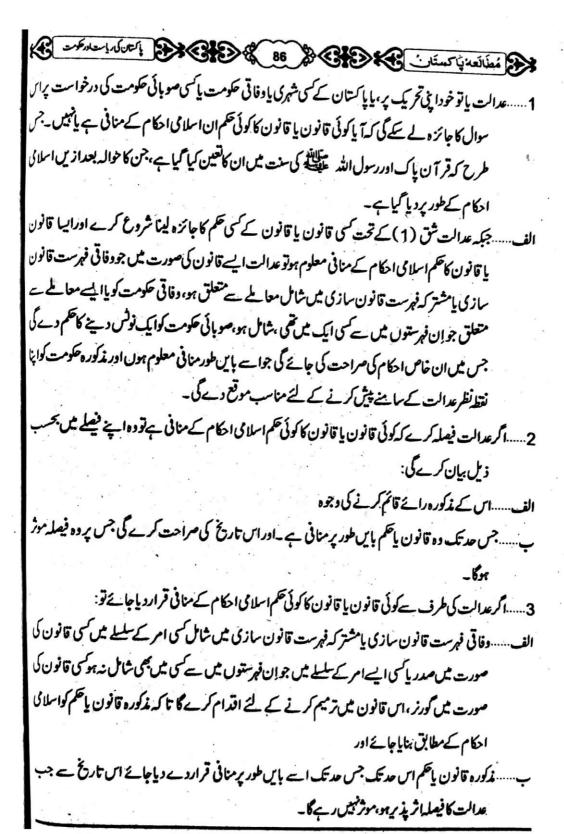
ٹا۔۔۔۔اسی تدابیر کی جن سے نافذ العمل قوانین کواسلامی احکام کےمطابق بنایا جائے گا، نیز ان مراحل کی جن سے گزر کرمحولہ تدابیر کا نفاذ عمل میں لا ناجا ہے،سفارش کرنا۔

۔۔۔ پارلیمنٹ اور صوبائی اسمبلیوں کی رہنمائی کے لئے اسلام کے ایسے احکام کی ایک موزوں شکل تدوین کرنا جنہیں قانونی طوریر ٹافذ کیا جاسکے۔

#### 12.....وفاقى شرعى عدالت

دستور ہذا کے باب سوم (الف) میں وفاقی شرقی عدالر(Federal Shariat Count) لکیل دینے کے احکام بیان کئے گئے ہیں۔

دستور ہذاکی دفعہ203(د) میں وفاقی شرقی عدالت کے اختیارات، اختیارات ہاعت اور کار ہائے محلیان کرتے ہوئے کہا گیاہے:





## 13.....اقليتوں كے حقوق كا تحفظ

آئین کے تحت پاکتان میں بسنے والی تمام اقلیتوں کو کمل تحفظ اور حقوق فراہم کرنے کی صانت دی

## ریاستی حکمت عملی کے اہم اصول

ریائی حکمت ملی کے اصول سے مرادوہ اہم ذمدداریاں ہیں، جن کو پورا کرنا اوران پر مل درآ مدکروانا ہر محومت کی ذمدداری محجی جاتی ہے۔ یہ حکومت کی ذمدداری ہوتی ہے کہ ریاست کے اہم مقاصد کو حاصل کرنے کے لئے جو پالیسیال وضع کی جائیں وہ مخصوص اصولوں پر قائم ہونی چاہیں ۔ پاکتان میں ریائی حکمت ملی کے اہم اصول مندرجہذیل ہیں:

1 .....ریاست کی ذمدداری ہے کہ ملک میں ہے والے مسلمانوں کو انفرادی واجما کی طور پر اپنی زندگیاں اسلام کے بنیادی قوانین کے مطابق گرارنے کے لئے مناسب وضروری اقد امات و بہوتیں فراہم کرے۔

2 .....ریاست کی ذمہ داری ہے کہ قرآن کی تعلیم کولازی قراردے اور قرآن مجید کی غلطیوں سے پاک طباعت
کامناسب بندوبست کرے۔

3..... ملك مي اسلام كالا فاني ضابطها خلاق رائح كرے اورلوگول كواس حوالے بے ضروري معلومات فراہم كرے۔

4..... ملک میں اسلامی نظام زکو ة اوراوقاف کے متعلق امور کامناسب بندوبت کرے۔

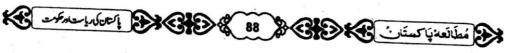
5..... ملك ميں بسمانده طبقات اور علاقوں كى تى كے لئے ضرورى اقد الم ت كئے جاكيں۔

6 ..... ملك ميس علاقا كى بنلى مو بائى اورقبا كلى تعصبات كى حوصل شكى كى جائے۔

7..... ملک کی ترتی کے لئے عورتوں کوزندگی کے ہر شعبے میں شریک کیا جائے لیکن ایک حد کے اندر اور اُن کو تی کے مساوی مواقع فراہم کئے جائیں۔

8 ..... الك كاندرر بنوالى اقليتول كوضرورى تحفظ اورتر فى كمواقع فراجم ك جائيس

9....اسلاى ممالك كساته بهتر تعلقات كوفروغ دية بوت اتحادعالم اسلاى كے لئے راه بمواركى جائے۔



## 1977ء سے 2008ء تک دستوری مراحل

اختلاف کی سیاسی جماعتوں نے حکومت پردھاندلی کاالزام لگایا اور تحریک چلانے کا اعلان کیا۔ حزب اختلاف کی سیاسی جماعتوں نے حکومت پردھاندلی کاالزام لگایا اور تحریک چلانے کا اعلان کیا۔ حزب اختلاف کی سیاسی جماعتوں نے حکومت بردھاندلی کاالزام لگایا اور تحریک چلانے کا اعلان کیا۔ حزب اختلاف کی تحریک نے تحویر سے میں جماعت کی میں ملک میر ہنگاموں کی شکل اختیار کرلی اور حالات حکومت وقت کے کنٹرول سے باہر ہونے گئے۔

ہ۔....دمبر 1981ء میں صدر پاکستان جزل ضیاء الحق نے ایک نامزدمجل شوریٰ (قوی اسمبلی) کا اعلان کیا جو فروری1985ء تک قائم رہی۔

ہے۔۔۔۔۔فروری1985ء میں ملک میں عام انتخابات غیر جماعتی بنیادوں پرکرائے گئے اور1973ء کے آئین میں من مروری ترامیم کے بعد اس کو بحال کردیا گیا۔ان ترامیم کے تحت صدر کے افتیارات میں زبردست اضافہ کردیا گیا۔

ہے۔۔۔۔۔23ارچ1985 و کوچر خان جو نیجو ملک کے وزیر اعظم منتف ہوئے ۔اور30 وتمبر 1985 و کو ملک سے مارشل لاءا تھالیا گیا۔

ہے .....مرف تین سال اوردوماہ بعد 29 مئی 1988ء کوصدر پاکتان جزل محمر ضیاء الحق نے محمد خال جو نیجو کا کھوٹ کے م کومت کو برطرف کر دیااور تو می اسمبلیا آب تو ژدیں۔

چیئر پرس بےنظیر بھٹونے وزارت عظمی کا عہدہ سنجالا۔

ناست1990ء میں صدر غلام اسحاق خان نے محتر مہ بینظیر بھٹو کی حکومت کو برطرف کر دیا اورا کتو بر1990ء
 میں دوبارہ انتخابات کا اعلان کیا۔

اکتوبر1990ء کے انتخابات میں اسلامی جمہوری اتحاد کو کا میا بی ملی اور محمد نو از شریف ملک کے وزیر اعظم منتخب ہوئ موئے ۔ بیر حکومت بھی اپنی مدت پوری نہ کرسکی اور ایک دفعہ پھر پلخ شیر مزاری اور پھر معین قریش گران وزیر اعظم نامزد کئے گئے۔

اکتوبر1993ء کو ملک میں دوبارہ انتخابات ہوئے اورایک دفعہ پھرمحتر مہ بے نظیر بھٹو ملک کی وزیراعظم منتخب ہوئے۔ 5/نومبر 1996ء کوصدر منتخب ہوئے۔ 5/نومبر 1996ء کوصدر پاکستان خاری نے مجمدہ پرفاروق احمد خان لغاری نے محتر مہ بے نظیر بھٹو کی حکومت کو برطرف کر دیا۔اور ملک معراج خالد عبوری وزیراعظم مقرر ہوئے اور ملک میں نے انتخابات کا اعلان کیا گیا۔

اوری 1997ء کے انتخابات میں پاکتان مسلم لیگ نے نمایاں کا میابی حاصل کی اور محمد نواز شریف دوسری بار ملک کے وزیراعظم منتخب ہوئے۔

الم استجزل پرویر مشرف نے اپریل 2002ء میں منعقدا یک ریفرنڈم کے بعدصدر پاکتان کا عہدہ سبال لیا۔
الم استفاد پاکتان جزل پرویز مشرف نے ملک میں نے عام انتخابات کروانے کا اعلان کیا۔ 10/اکتوبر مشرف میں تو ملک میں نے عام انتخابات کروانے کا اعلان کیا۔ 10/اکتوبر 2002ء میں میرظفر اللہ خان جمالی کے انتخابات ہوئے، جس کے نتیج میں میرظفر اللہ خان جمالی ملک کے وزیر اعظم منتخب ہوئے ۔ اور تو می اسمبلی کے انتخابات کے بعد فروری 2003ء میں بینٹ کے انتخابات بھی کھل ہوئے۔

الم میں جون 2004ء میں میر ظفر اللہ خال جمالی کے استعفے کے بعد چوہدری شجاعت حسین نے دوماہ کے لئے وزارت عظمیٰ کا قلمدان سنجالا مجرشوکت عزیز کوآئندہ کاوزیرِ اعظم نامزد کیا گیا۔اگست 2004ء میں

المنافعة في كستان المنافعة في المنافعة في

شوکت عزیر ملک کے وزیراعظم ہے۔

حلف المحاماي

المراب المرابي 22 جون 2012ء تا 25 مار چ 2013ء راجه پرویز اشرف وزیر اعظم اور 5جون 2013ء سے ڈاکٹر

نوازشریف پاکتان کے وزیراعظم ہیں۔

ن 18.... الكت 2008 و كومدر باكتان جزل (ريارة) روير مشرف متعنى موع اوريدث كي چير ين

میاں سومرونے قائم مقام صدر کاعہدہ سنجالا۔ ایسستمبر 2008ء کو جناب آصف علی زرداری نے صدریا کتان کی حیثیت سے حلف اٹھایا۔

ہ ...... استان کی دور بیار ہوئے اور جناب منون حسین نے صدر پاکستان کی حیثیت ہے 9 سمبر 2013ء

كوحلف المحاياب



### سوالات

|  | 2.7          |
|--|--------------|
| پاکستان کے پہلے گورز جزل اور پہلے وزیراعظم کا نام بتا کیں۔       | سوال نمبر1   |
| ابتداء من جبة كين مرتب بين قاتوكس ايك رعمل كياميا؟               | سوال نمبر2   |
| آ زادی کے بعد ابتدائی مشکلات کون کوئی چیش آئیں ۔؟                | سوال نمبر3   |
| مخفر جوابات دیں۔   | سوال نمبر 4  |
| مشرقی پاکستان کی علیحدگی کی تین وجو ہائے حریر ایں۔               |              |
| آئين سے کيام راد ہے؟   | ☆            |
| 1956ء كاآئين كباورس في منوخ كيا؟                                 | ☆            |
| قراردادمقاصد کی اہمیت واضح کریں۔                                 | ☆            |
| محمال جونیج کی حکومت کو کب اور کسنے برطرف کیا؟                   | <b></b> ☆    |
| 1973ء کے آئین میں مسلمان کی کیا تعریف بیان کی گئی ہے؟            | ☆            |
| ریائ حکت عمل کے یا مج اصول بیان کریں۔                            | ☆            |
| 1962ء کے آئین کی جارا سلامی دفعات تحریر کریں۔                    | ☆            |
| الله تعالى كن ماكيت "كيامرادب؟                                   | ☆            |
| قراردادمقاصد كابم نكات بيان تيجئ                                 | سوال نمبر5   |
| 1956ءاور1962ء کے آئین کی خصوصیات تحریر سیجئے۔                    |              |
| 1973ء كَ مَن كاملاى دفعات كاجائزه ليجير                          |              |
| اسلای نظریاتی کونس کے مقاصد پرنوٹ کھیں۔                          | سوال نمبر8   |
| وفاتى شرى عدالت كاتيام كن مقاصد ك تحت عمل من لاياميا؟            | سوال نمبر9   |
| ریائ حکت عملی کے اہم نکات کی وضاحت سیجئے۔                        | سوال نمبر10  |
| مشرتی پاکستان کی علیحد کی کی وجوہات بیان کیجئے۔                  | سوال نمبر1 1 |
| پاکتان می 1977ء کے بعددستوری ارتفا کے مخلف مراحل کا جائزہ لیجئے۔ | سوال نمبر12  |
| <b>☆☆☆</b>   |              |



پانچوال باب....

پَاکستا<u>ن</u> ایک دفاعی مملکت



## رياست آزاد جمول وکشمير

☆.....\*خقرتعارف

متحدہ ہندوستان میں ریاست کشمیر شاہی ریاستوں میں سب سے بڑی ریاست تھی ۔اس کارقبہ 222,773 مربع کلومیٹر تھا۔اس میں درج ذیل علاقے شامل تھے۔

(1) صوبه جمول (2) صوبه شمير (3) گلگت (4) لذاخ

اگت 1947ء میں متحدہ ہندوستان کی تقییم کے وقت ریاست کے ہندوراجہ نے اس مسلم اکثریتی ریاست کا غیرقانونی طور پر بھارت سے الحاق کر دیا۔ جمول وکٹمیر کے قوام نے اس کے خلاف آزادی کی جنگ ریاست کا غیرقانی قبائلیوں نے بھر پورساتھ دیا۔ 24/اکٹوبر 1947ء کوریاست کا بہت حصہ بھارت کی افواج سے آزاد کروانے کے بعد آزادریاست کا اعلان کر دیا گیا۔

اس وقت ریاست کاعلاقہ لداخ چین کے قبضہ میں ہے جبکہ گلگت ایجنی کوذ والفقار علی بھٹو (سابق وزیاعظم پاکستان) نے شالی علاقہ جات قرار دے کر پاکستان میں ضم کر دیا۔ جموں وکٹمیر کا کچھ حصہ بھارت کے زیر تسلط ہے جبکہ آزاد جموں وکٹمیر پاکستان کے زیرانظام ریاست ہے۔

🖈 ..... آزاد جمول وکشمیر

دارالحكومت ..... مظفرآ باد

محل وقوع ..... رياسط 33 N To 36 مرض بلداو To75 قطول بلديس واقع ہے۔

رقبه ..... 13,297م بع كلومينر (134,5 مربع ميل)



انظاى تقسيم ..... رياست 3 دُويرُ نز، 10 اضلاع ، 19 ٹاؤنز اور 182 يونين كونسلول ميں تقسيم

(پاندری)

(فارورد کهوشه)

(بنيان والا)

| مقام دیے گئے ہیں) | یش میں اصلاع کے صدر<br>مذا | ی ہے<br>کےنام یہ ہیں(بر | ر ص<br>ے_امثلاع |
|-------------------|----------------------------|-------------------------|-----------------|
| صدرمقام           | ضلع                        | نبرثار                  | · · · · ·       |
| (مظفرة باد)       | مظفرة باد                  | 1                       | w w             |
| (انھ مقام)        | نلم                        | 2                       |                 |
| (راولاكوث)        | بونچه                      | 3                       |                 |
| (کوٹل)            | كوثلي                      | 4                       | , .             |
| (مير پور)         | يم پور                     | 5                       |                 |
| (بمبر) ،          | بجبر                       | 6                       |                 |
| (¿i)              | Ėl                         | +7                      |                 |

باغ

سدحنائي

حوملي

ہیاں

آ زاد کشمیر کے ڈویژن

10

|                           |           | ے دوری |
|---------------------------|-----------|--------|
| اضلاع                     | פֿפאַליט  | نبرثار |
| مظفرآ باد، بثیال، نیلم    | مظفرة باد | 1      |
| پ نچه، دویل، باغ، سدهنانی | 4.1       | . 2    |
| بحبر، کوئل، میر پور       | يمر پور   | 3      |

آبادی .....2009ء کے تخینہ کے مطابق ریاست کی آبادی تقریباً 46 اکھ ہے۔1981ء کے مردم ثاری کے مطابق رياست كي آبادى1,982,456 متى جس ين1,032,859 مرداور 949,597 خواتين

باكتان ايك دفا في الك

فی مربع کلومیٹرآ بادی 343 افراد سالانه شرح پيدائش %2.7 ديباتي آبادي كي شرح %90 شهری آبادی کی شرح %10 شرح خواندگی

تشمیری (سرکاری) پهاڑی، پوهو ماری، گوجری، مندکو، کو مستانی، میر پوری، پنجابی، پشتو

مركارى زبان أردو

زبانين

منگول، آرئین (ARYANS)،ایرانی،ترک اورعرب انسل\_ نلحاقوام

%62

سالانہ100 تا155 سینٹی میٹر ہارش ہوتی ہے۔جون، جولائی سے تمبرتک مون سون کی أبوهوا

بارشیں اور دسمبرتا مارچ بھی بارش کاموسم رہتا ہے۔

ة بل كاشت رقبه 204,922 م يكرز ـ

قالى كاشت رقبه 14.6%

ابم ذرعى فصليس گندم، جوار، با جره، چاول مکنی، اناج، سیب، انار، امرود، انگور

عمارتی کٹڑی، ہینڈی کرافش، ٹیکٹائل، بناسپتی تھی، ملکا انجینئر تگ کا سامان۔ منعت

آ زاد کشمیرسیاحت کے لئے دنیا بھر میں مشہور ہے۔ سالانہ 7لاکھ یا کستانی اور غیر ملکی سیاح مإدت

يهال آتے ہيں۔

الهم ساحتی مقامات کیبیادادی، در یکوٹ، راولا کوٹ، بانجوسا، پلندری، گڑھی دویشہ چناری، چکوٹھی، چیکار، لون با گلیہ شد مخلی ، وادی نیلم \_

## شالى علاقه جات (گلگت ....بلتتان)

داالحكومت 72,496 مربع كلومير (28 بزار مربع ميل) رتبه 18 لا كد (تقريباً) آ بادي 20.7 فراد في مربع كلوميشر مخنحان آبادي اُردو، پشتو، شینا،انگلش، بلتی، واخی، پروشسکی، ڈوماکی، کھجونا، کھوار زبانيں یا کتانی حکومت کے زیراہتمام غیرخود مختار علاقہ موجوره حثثيت ..... كم جولا لَ 1970ء قيام نارورن الرياليجسليتو اسملى (29/اركان) مجلس قانون ساز افغانستان (شال) م چين (شال مشرق) آزاد كشمير (جنوب) مقبوضه كشمير (جنوب مشرق) مرحدي 2( گلگت، پلتتان) ڈو*یژ*ن 7 ( گھانچے ،سکردو (بلتتان)،استور، دیامیر،غذر،گلگت، ہنزہ مگر ( گلگت ) ۋسٹرکٹ ناردرن لائث انفنرى آ رمي يونث بولو، کرکٹ، والی بال، کبڈی تحييس المستال علاقه جات يس 8 بزارميرس بلند 5 اور 7 بزارميرس بلند بياس بهارى چوشال بير-🖈 ..... يهال يائے جانے والے دنيا كے دوبلندرين بهاڑ كو (ماؤنث كدون آسٹن) اورنا نگار بت بيں۔ 🖈 .... شالی علاقه جات میں دنیا کے بلندترین بہاڑی سلسلے یائے جاتے ہیں جن میں قراقرم اور مغربی ہمالیاتی بہاڑی سلسلے نمایاں ہیں۔

﴿ ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ وَمِنْ مِنْ مُرْدُوا وَرَكُمُكُ وَهِ بِيالَى كَ شُوقِينَ مَهِم جُودَن كِدُو بِرْبِ مِ اكْرَبِينِ -

🖈 .... الله علاقه جات مين دنيا كي تين طويل ترين كليشيرز بيافو، بالتورداور باتورا باح جاتي بين -

الله مُطَالَعِه فِي كَسِتَالَ اللهِ وَ اللهِ وَاللهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَاللَّالِمُ وَاللَّهُ وَاللَّذِي وَاللَّهُ وَاللَّالِي وَاللَّهُ وَاللَّالِمُواللَّذِي وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّ

لے ۔۔۔۔ چینی حکومت کے تعاون سے ممل ہونے والی "شاہراہ قراقرم" کی تعمیر 1978ء میں کمل ہوئی۔۔۔ ا

🕁 .....دنیا کاسب سے بلند بین الاقوامی سرحدی راسته بختجراب پاس 4,693 میٹر (15,397 فٹ) بلند ہے۔

المسلفظ "شالی علاقہ جات "سب سے پہلے اقوام متحدہ نے استعال کیا۔ اس سے اقوام متحدہ کی مراد " تشمیر کے شالی علاقہ جات " تقی ۔ علاقہ جات " تقی ۔

المجسسيسين، ثالى علاقہ جات سے تعلق رکھنے والے فوجی المکار لانس نائیک لالک جان شہيد کو 1999ء ميں معرکه کم کارگل ميں بے مثال جرائت کا مظاہرہ کرنے پر پاکتان کاسب سے بردا فوجی اعزاز "نثان حيد" عطا کما گیا۔

☆ ..... 10 نومبر2009 وكووز يراعظم پاكتان سيد يوسف رضا كيلاني نے سكر دواور كلكت كوبك ثي قرار ديا۔

## پاکستان کےاہم ادارے

پاکتان کے اہم ادارے یہ ہیں:

(1) افواج پاکتان (2) ایف آئی اے (3) سٹیٹ بیک آف پاکتان

(4) پاکتان ایٹی تونائی کیمیس (5) سپارکو (6) یی آئی اے

(7) پاکتان ريلويز (8) پاکتان براژ کاسٽنگ (9) پاکتان ٽيلي ويژن

(10) وابدُا (11) پاکتان بیشتل شینگ کار پوریش (12) پاکتان سٹیل ملز۔

#### إفوارج پا ڪنتان

🖈 پاکستان کی سلح افواج دنیا کی چھٹی بڑی فوج شار ہوتی ہیں۔

ان کے ملاوہ سرحدوں کی تگرانی کے اور کے تین بڑے ادارے آرمی، ار فورس اور نیوی ہیں۔ ان کے علاوہ سرحدوں کی تگرانی اور داخلی سلامتی کویقینی بنانے کے لئے متعدد پیراملٹری فورسز بھی قائم ہیں۔

🖈 2009ء تک اقوام متحدہ کی امن فورسز میں سب سے براحصہ پاکتان کا تھاجس کے 10,700 سے زائد

مَوْلَاقِهُ فِي كَالِي كَلِي اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ فوجی دنیا کے مختلف ممالک اور متناز عالقوں میں قیام امن کے لئے ذمدداریاں نبھارہے ہیں۔ كامره مي 28 مى 2010 وكوپہلے جانف 17 تھنڈرالوائكس كى باضابطہ تيارى كا افتتاح ہوا۔ یاک فضائیے نے 11 جون 10 0 0 و كو اپنے لراكا طياروں پررات كودور تك ديكھنے والا نظام DB110 نصب كيا جورات كوكل كلومير كا دْينا جمع كرسكا اور تصاوير ليسكنا ب-میراج طیاروں میں دوران پرواز ری فیولنگ کے لئے کام شروع کیا گیا جبکہ طیارہ''فیلکو''اک گرنڈکردہاعما۔ مسلحافواج كأتقسيم (3) فضائيه (ائيرفورس) (2) بري (نيول) (1) 20 (12) (3) فضائي (يثاور) (2) بريد (اسلام آباد) مدردفاتر ..... (1)بری (راولینڈی) سريم كمانذر ..... صدر ياكتان-مسلحافواج كےاعلیٰ ترین عہدےاور شعبے بری افواج (آری) چیف آف دی آری ساف۔ چيفآف دي نول شاف برى فوج (نيوى) چيفآف دي ارساف-فضائيه (ائيرنورس) كماريال سب ہے بوی جماؤنی ب برافرجی فارم (1) شعبه آرمز (2) شعبه مردمز باكتان آرى كانظاى شعبه .... (1) آرمرد کور(2) آرطری کور(3) الجینئر زکور(4) انفنر ی کور آرمز کے شعبے .... (5) تكنازكور

(1) آرى سردىزكور(2) آرى آردىنى كور(3) الكيريكل ايندمكىينكل كور

مردمز كے شعبے



(4) آ رى ميڈيكل كور (5) آ رى ڈينٹل كور (6) آ رى ايجو كيشن كور

(7) آ رى كلركس كور (8) ريمونث ويثرنري اور فارمز كور\_

..... (1) پنجاب رجنث (2) بلوچ رجنث (3) فرنگیر رجنث

(4) آ زادکشمیرر جنث (5) سنده رجنت\_

آرى ميذكوار رئے شعب (1) اير جونت جزل برائج (2) جزل شاف برائج (3) كوار رام الم

جزل برائج (4) ماسر جزل آف آرؤینس برائج (5) انجینئر انچیف برانج (6) ماری سکر زی برانج \_

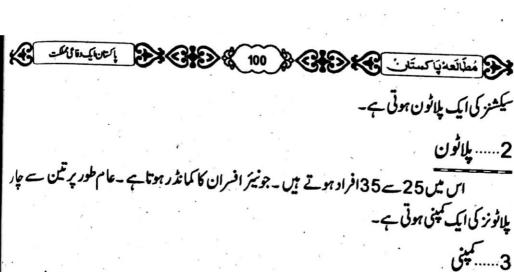
### باكتاني فوج كيميشندآ فيسرزاورأن كينثانات

| نثانات                            | عبده           | نمبرشار |
|-----------------------------------|----------------|---------|
| ایک تاره                          | سيكثار ليفشينت | 1       |
| دوستارے                           | ليفتينث        | 2       |
| تین ستارے                         | كيين           | 3       |
| واند                              | بجر            | 4       |
| چا نداورستاره                     | ليفشينث كرتل   | 5       |
| جا نداور تين ستار ب               | بريكيتير       | 6       |
| چاندنمانگوارین اورایک ستاره       | ميجرجزل        | 7       |
| چاندنماتكوارين اور حيائد          | ليفشينك جزل    | 8       |
| چا ندنمانگواری، چا ندادرایک ستاره | جزل            | 9       |

دفاعى لحاظ سےفوج كي تقسيم

أ....يش

میشن8سے 12/افراد پر شمل ہوتا ہے۔ غیر کمیشن یافتہ اعلیٰ افسران کا کمانڈر ہوتا ہے۔ تین یا جار



3..... میں 8 ہے 120 تک افراد شامل ہوتے ہیں کپتان یا میجر کمپنی کا کمانڈر ہوتا ہے بٹالین میں 4 ہے 6 تک کمپنیاں ہوتی ہیں۔

4..... پالین

بٹالین400سے800 فراد پر شمل ہوتی ہے۔لفٹینٹ کرنل ان کا کمانڈر ہوتا ہے۔ بیانفیر کی کی بنیادی یونٹ ہوتی ہے۔

5....انفنٹری

انفتری بری افواج کی بنیادی مشتر کیفوج ہوتی ہے۔اس میں بٹالین اور رجنٹ متحد ہوتی ہیں۔
6 ..... بریگیڈ

اس میں4,000 سے5,000 منزارتک افرادشال ہوتے ہیں۔

7..... دُويُكُن

اس میں 12,000 سے20,000 ہزارتک افراد شامل ہوتے ہیں۔ میجر جزل ڈویژن کا انچارج ہوتا ہے۔ عموماً تمن ڈویژنز کی ایک کور ہوتی ہے۔

8.....کورز

اس مين عموماً تين دويرون موت بين اورآ ري عموماً تين كورز پر مشمل موتى ہے-



و.....آري

\_\_ اس کا کماغہ رسینئر جزل ہوتا ہے۔

## مسلحافواج کےعہدے

| نيوي              | ائيرفورس        | آری          | نمبرثار |
|-------------------|-----------------|--------------|---------|
| مُرْثِ مِن آ فير  | ياكلث آفيس      | سيئذ ليفشينك | 1       |
| س ليفٽينٽ         | فلانك آفيسر     | ليفشينك      | 2       |
| لفتينك            | فلائث ليفشينث   | كيين         | 3       |
| ليفشينك كمانذر    | سكوا درن ليدر   | يج           | 4       |
| كمانثر            | ونگ کمانڈر      | ليفشينث كرتل | 5       |
| كيينن             | گروپ کیپٹن      | مرحل ا       | 6       |
| کموڈور            | ارْکموڈور       | بريكيذير     | 7       |
| ريزايدمرل         | ائر وائس مارشل  | ميجرجزل      | 8       |
| وائس ايد مرل      | ازمارش          | ليفثينك جزل  | 9       |
| ايُرل             | ائير چيف مارشل  | جزل          | 10      |
| ايدمرل آف دى فليك | مارش أف ائرفورس | فيلذمارشل    | 11      |

### فوجی اعز ازات حاصل کرنے والوں کے نام

| الزاز     | فوج كانام | عبده | نام شهداء      | نمبرثار |
|-----------|-----------|------|----------------|---------|
| نثان حيرر | يري       | كيين | محدسر ورشهيد   | 1       |
| نثان حيدر | بری       | يجر  | محرطفيل شهيد   | 2       |
| نثان حيدر | بری       | يج   | عزيز بھٹی شہید | - 3     |

| & -4 | إكتان ليدة و | <b>*******</b> | 102 | <b>*GI</b> O | ئان 😘 | مُطَالَعه پَاکس |
|------|--------------|----------------|-----|--------------|-------|-----------------|
|      |              | 1              |     |              |       |                 |

| نثان حيرر   | فضائي | بإنكث ابسر   | راشدمنهاس شهيد    | 4  |
|-------------|-------|--------------|-------------------|----|
| نثان حيدر   | بری   | يجر          | محداكرمشهيد       | 5  |
| نثان حيدر   | يرى   | يجر          | شبيرشريفشهيد      | 6  |
| نثان حيدر   | یری   | لانسنائيك    | سوار محرحسين شهيد | 7  |
| نثان حيدر   | . بری | انس نائیک    | محدلالك جان شهيد  | 8  |
| نثان حيدر   | یری   | لانس نائيك   | محر محفوظ شهيد    | 9  |
| نثان حيدر . | يرى   | کیپٹن        | كرخل شيرخان شهيد  | 10 |
| ستارهٔ جرأت | یری   | صوبيدار      | محر يوسف شهيد     | 11 |
| ستارهٔ جرأت | یی    | ليفشينث كرثل | حبيباحر           | 12 |

## نثانِ حيرروصول كرنے والے سبوت

| نثان حيدرملا          | تاريخ شهادت     | سال پيدائش    | نام شهداء                  | نمبرثار |
|-----------------------|-----------------|---------------|----------------------------|---------|
| 1959ء 127             | 27.28لاك        | <i>•</i> 1910 | كيش محرسرورشهيد            | 1.      |
| 7ۋېر1959ء             | 7/اگست1958ء     | <i>,</i> 1914 | ميجر مح طفيل شهيد          | 2       |
| 1966 بر1966           | 10 تبر1965ء     | <i>-</i> 1928 | ميجر داجه عزيز بحثى شهيد   | 3       |
| 29اگت1971ء            | 20اگت1971ء      | ,1951         | باكلفآ فيردا شدمنها ك شهيد | 4       |
| 24ء کبر1971ء          | <b>≠</b> 1971 · | <i>,</i> 1938 | ميجرفحدا كرم شهيد          | 5       |
| 7 جوري 1972ء          | 6/دمبر1971ء     | ,1943         | ميجرشبير شريف شهيد         | 6       |
| 1972 <i>زر</i> ي1972ء | 1971ء جر1971    | ,1949         | سور محر حسين شهيد          | 7       |
| 1972 أبريل 1972.      | 1971ء جر1971ء   | <i>-</i> 1944 | لانس نائيك محم محفوظ شهيد  | 8       |
| 14/اگـــ1999ء         | 7جولائي1999ء    | ,1967         | حوالدارمحمدلالك جان شهيد   | 9       |
| 14/اگست1999ء          | 5 برال 1999ء    | <b>,</b> 1970 | كينين كرقل شيرخان شهيد     | 10      |



### ہلاکِشمیر

| ,1948  | ,1948           | l            | الى جنجوعه شهيد  | نائيك سيف                           | 1       | -   |
|--|-----------------|--------------|------------------|-------------------------------------|---------|-----|
| بڑے فوجی اعزاز''نثانِ<br>بڑے فوجی اعزاز''نثانِ | پاکتان کے سب سے | "ہلال کشمیر" | ۔ سے عطا کیا گیا | اُ زاد تشمیر کی طرفہ<br>لےمساوی ہے۔ | حکومت آ | ٽوٺ |

### پاکستان کےاعزازات

1956ء میں جب پاکتان ایک جمہوری مملکت بناتواس وقت موجودہ عسکری ایوارڈ سٹم کا علان کیا گیا۔اور 16 مارچ 1957ء کو حیدر جرائت اور بسالت جیسے عسکری اعزازات سرکاری طور پر متعارف کروائے گئے۔خدمت،امتیازاور شجاعت جیسے اعزازات سول اور عسکری دونوں شعبوں میں دیئے جاتے ہیں۔ عسکری اعزازات عموماً چار مختلف شعبوں میں دیئے جاتے ہیں۔ یہ اعزازات نشان، ہلال،ستارہ اور تمغہ ہیں۔ نشان حیدر

# سے برد افوجی اعزاز ہے۔ بیاخت خطرناک حالات میں ہمت اور بہاوری کامظاہرہ کرنے

ردیاجاتا ہے۔ بیمیڈل زندہ (غازی)اورشہید فوجیوں کودیاجاتا ہے۔اگر چہ پاکستان کے نشانِ حیدر وصول کرنے والے دس فوجیوں کو بعدازشہادت ہی ساعز از دیا گیاہے۔

#### ستارهٔ جرأت

سید دسرابرا فوجی اعزاز اُن فوجیول کودیا جاتا ہے جوفرض کی ادائیگی کے دوران ہمت ،حوصلہ اور فرض شاک کی مثالیں قائم کرتے ہیں۔ بیاعزاز تین شعبول میں دیا جاتا ہے۔ (1) ہلال (2) ستارہ اور (3) تمغیہ 4۔۔۔۔نثانِ قائداعظم 5۔۔۔۔نثانِ خدمت 6۔۔۔۔بلال پاکتان 7۔۔۔۔ہلال شجاعت 8۔۔۔۔ہلال امتیاز 9۔۔۔۔ہلال قائداعظم 10۔۔۔۔۔ہلال قائداعظم 10۔۔۔۔۔ستارہ شجاعت



| من عظ               |                                       |                |
|---------------------|---------------------------------------|----------------|
| 15 شتارهٔ قا نداعظم | 14 صدارتی ابوارد برائے حسن کار کردگی۔ | 13تارهٔ امتیاز |
| 18تمغهٔ شجاعت       | 17 تمغة بإكستان                       | 16 ستارهٔ خدمت |
| 21 تمغهٔ خدمت       | 20تمغة قائداعظم                       | 19تمغة التياز  |

## پاکستان کے فوجی اعزازات

| -            |               |                |
|--------------|---------------|----------------|
| 3عارهٔ جراًت | عسلال جرأت    | 1نثانِ حيدر    |
| 6تمغهُ بسالت | 5 تارهٔ بسالت | 4تمغة جرأت     |
| 9عارة التياز | 8 بلال امتياز | 7نثانِ اخماز   |
|              | 11تمغهٔ خدمت  | 10 تمغة التياز |

## پاکتان کے میزائل

|   |                             |                     |              | **                   |                   |
|---|-----------------------------|---------------------|--------------|----------------------|-------------------|
| تعداد   | موجوده حالت                 | يےلوڈ               | Ė            | دومرانام             | ناميزائل          |
| 50 سائد   | فوج کے حوالے                | 500 كلوگرام         | 100 كاومير   |                      | نا میران<br>خفاول |
| نامعلوم   | فوج كے والے                 | 500 كلوكرام         | 180 كلوميٹر  | تف دوم               | ابدالیاول         |
| 80134   | تارى كرمط على               | 500 كلوگرام         | 290 كلوميشر  | تعاس                 | غزنوى اول         |
| 50  | فوج کے حوالے                | 750 كلوگرام         | 750 كلوميشر  | تف جهارم             | شامين اول         |
| 50  | فوج کے حوالے                | 700 كاوگرام         | 1500 كلوميٹر | دّن پنجم             | غورىاول           |
| 200   | زيراستعال                   | 1500 كلوكرام        | 2400 كلوميشر | قف پنجم اے           | غوري دوم          |
| 50  | زبراستعال                   | 1000 كوكرام سےذائد  | 2500 كلوميٹر | تفضم                 | شانين دوم         |
|   | تيارى كيمر طييس             | 1000 كلوكرام سےزائد | 3500 كلوميٹر | ڏف <sup>9</sup> هنتم | غوري سوم          |
|   | کروزمیزائل ہے؟<br>کیاجاچکا۔ | 500 كلوكرام         | 500 كلوميٹر  | تفبشتم               | ۲۲                |
| ہوا میں ہارکرنے والا کروز میزاکل<br>تجربہ کیا جاچکا ہے۔ |                             | ہرمتم کے وار ہیڈز   | 350 كلوميٹر  |                      | رعو               |

#### 

پولیس کے عہدے

نوٹ: (1).....D.P.O (ضلعی پولیس آفیسر) بالعوم ی ایس پی (CSP) آفیسر ہوتا ہے جوضلعی معاملات کو کنٹرول کرتا ہے۔

- (2)..... ڈی سی او ( ڈسٹر کٹ کوارڈی نیشن آفیسر ) ضلعی انتظامیہ کا سربراہ ہوتا ہے۔
- (3) ..... كشنر- ووير تلسط كسر براه كوكت بي جوبالعموم بوليس فورس كاكوئي سينترعهد يدار بوتا ب
  - (4) ....الیس ایج او قانے کاسر براہ ہوتا ہے جوعام طور پرانسکم عہدے کا ہوتا ہے۔

## بإكستان كى انتظامى تقسيم

سیاس طور پر پاکتان چارصوبوں (پنجاب، سندھ، نیبر پختونخواہ اور بلوچتان) قبائلی علاقوں اور اسلام آباد کے وفاقی علاقے پرمشمل ہے ۔صوبوں کوڈویژنوں، اضلاع اورسب ڈویژنوں میں تقیم

كيا كيا ہے \_مجموى طور برملك ميں 28 كمشنرياں اور 114 اصلاع بيں۔

| اضلاع | נֿנילֵט ( | صوب    | نمبرثار |
|-------|-----------|--------|---------|
| 36    | 9         | وينجاب | 1       |
| 21    | 5         | سنده   | 2       |

|     | <b>910</b> 4 106 |                | بالعدياك |
|-----|------------------|----------------|----------|
| 26  | 8                | خيبر پختونخواه | 3        |
| 30  | 6                | بلوچستان       | 4        |
| 1   |                  | اسلام آباد     | 5        |
| 114 | 28               | ياكتان         | وعل      |

- (1) من 2005 وكونكا ندكو شلع كا درخدد يا كيا-
- (2) 3 نومبر2008ء كوسابيوال كو پنجاب كنوين دويرن كادرجد ما كيا-
- (3) 26 جنورى 2009ء كو چنيوك كو پنجاب ك 36 وين ضلع كادرجد ديا كيا جبكه اس ضلع كاافتتاح كم جولائي

2009ء كوكيا كيا-

### صوبه پنجاب کے ڈویژن اوراضلاع

| كلااطلاع | اضلاع                                   | ۋوي <u>ژ</u> ن | نبرثار |
|----------|---|----------------|--------|
| 4        | لا بور، تصور، شيخو پوره، نكانه          | עזע            | 1      |
| 4        | روالپنڈی،انک،جہلم، چکوال                | روالپنڈی       | 2      |
| 4        | فيعل آباد، جهنگ، توبه فيك سنگه، چنيوت   | فيعلآ باد      | 3      |
| 4        | مر گودها،میانوالی،خوشاب، بھکر           | مرگودها        | 4.     |
| 6        | گوجرانواله،سیالکوث، مجرات، ناردوال،منڈی | گوجرانواله     | 5      |
|          | بهاؤالدين، وافظآ باد                    |                |        |
| 4        | ملتان، ونازی، خانیوال، لود هران         | المان          | 6      |
| 3        | بهاولپور، عجم ،رحيم يارخال              | بهاولپور       | 7      |
| 4        | دی جی خان مراجی پر، لید ، مظفر کرده     | ڈی تی خان      | 8      |
| 3        | ساہیوال، پاکپتن،اوکاڑہ                  | ساہیوال        | 9      |
| 36       |   | ٹوٹل ا         |        |

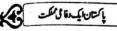


#### صوبهسنده کے ڈویژن اوراضلاع

| كلااضلاع | اضلاع   | נ <u>יל</u> ני | نمبرثار |
|----------|---|----------------|---------|
| 5        | کرا چی ویسٹ، کرا چی ایسٹ، کرا چی              | کراچی          | 1       |
|          | ساؤتھ، کراچی سنٹرل، ملیر                      |                |         |
| 5        | سكمر، خير پور، نواب شاه ، محوي ، نوشر و فيروز | محمر           | 2       |
| 4        | حيدرآ باد، دادو بخضه، بدين                    | حيدرة باد      | 3       |
| 3        | لاژكانه جيكب آباد، شكار پور                   | لاڑکانہ        | 4       |
| 4        | مير پورخاص بقر ، سانگور ، عرکوث               | مير پور        | 5       |
| 21       |   | . نوش          |         |

#### صوبة خيبر پختونخواه كے دویژن اور اصلاع

| كلاضلاع | اضلاع   | <i>ڈویژن</i>    | نمرثار |
|---------|---|-----------------|--------|
| 2       | يثادر ، نوشهره  | پٹاور           | 1      |
| 3       | کوہائ، کرک، منگو  | كوباث           | 2      |
| 3       | ڈیرہ اساعیل خان، ٹا تک، کلاچی                             | دُى آ كَى خَانَ | 3      |
| 7       | مالا کنڈ، سوات، چرال، بونیر،<br>شانگلہ، اپر دیر، لورّ دیر | مالاكثد         | 4      |
| 3       | بزاره،ايبكآ باد، برى پور                                  | بزاره           | 5      |
| 3       | مردان، چارسده، صواني                                      | مردان           | 6      |
| 2       | بنون ، کی مروت  | بنون            | 7      |
| 3       | مانسجره، کوہستان، بنگرام                                  | انعم            | . 8    |
| 26      |   | ٹونل            |        |





## صوبه بلوچتان کے ڈویژن اوراضلاع

| كلااضلاع | 6.110.   | <del></del>  | T       |
|----------|--|--------------|---------|
| Oution   | امثلاغ   | <b>ۋويۇن</b> | نمبرثار |
| 5        | كويمة ، پشين ، جاغى ، قلعة عبدالله نوشكى       | کوئے         | 1       |
| 7        | قلات،خضدار،لسبيله،خاران،مستوعك،آ واران،        | قلات         | 2       |
|          | وافك   |              |         |
| 5        | سى، ڈررونگئى، كوبلو، زيارت، ہرنائى             | بی           | 3       |
| 3        | يج ، كوادر ، محجور                             | محران        | 4       |
| 6        | ژوب، اورالائی، بار کمان، قلعه سیف الله، شیرانی | ژوپ          | 5       |
|          | بموی خیل                                       |              | 1       |
| 4        | میجی جمل مگسی جعفرآ باد نصیرآ باد              | نعيراً باد   | 6       |
| 30       |  | ئونل<br>ئونل |         |

tb

| <i>ו</i> דָּ,    | قبائلي علاقول كينام    | نمبرثار |
|------------------|------------------------|---------|
| 261 مربع كلوميز  | پیثاور کا قبائلی علاقه | 1       |
| 446 مربع كلوييز  | كوباك كاقبائلي علاقه   | 2       |
| 3229مربع كلوميز  | हैं हैं की की की में   | 3       |
| 877م لع كلوميز   | بول كا قبائلي علاقه    | 4       |
| 1290 مربع كلوميز | باجوڑا یجنی            | 5       |



| 3380 مربع كلوميز | کرم ایجنی              | 6    |
|------------------|------------------------|------|
| 2296م يع كلوميز  | ممندایخنی              | . ,7 |
| 2776مراح كلوميز  | خيبرا يجنى             | 8    |
| 707م لح كلوميز   | شالى وزيرستان اليجنسي  | 9    |
| 6620م ليح كلوميز | جنوبي وزيرستان اليجئسي | 10   |
| 1538 مراح كلوميز | اور کزئی ایجنسی        | - 11 |

### الله مَطَالِعَة لِالسَّنَاتِ اللهِ اللهِ اللهُ ا

#### سوالات

سوال نمبر 1 .....رياست تشمير كارتب كتنا تعااوراس بي كون كون علاقے شال تھے-؟ سوال نمبر2..... آزاد جول وسميركاكل رقد كتاب اوراس كى انظاى عظيم كالفيل كياب-؟ سوال نمبر3..... أناد جول تشمير كى كل كتف اوركون كون ساملاع بين اوردارا ككومت كون ساشهرب-؟ سوال نمبر 4..... أزاد جول وكثمير كاجم سياحتى مقام كون كون سے إلى-سوال نمبر 5.... الكال علاقه جات سي كيام او بي؟ اوران كدار الحكومت كانام بتائيس سوال نبر6.... ثالى علاقه جات كارقبادرآ بادى ما كى -سوال نمبر 7.... الله علاقه جات مين ونيا كے طویل رین كليشير پائے جاتے ميں ان كے نام بتا كيں اور شاہراه كى تعير كم كمل مولى؟ سوال نمبر 8 .....و كون سافى كى المكار ب جي 1999 ويس كاركل على بدخال جرأت يرفى كى اعز از ختان حيار ديا كيا-؟ سوال نمبر 9..... ياكتان كابم ادارول كام ما كيس سوال نمبر10....كافواج تن حسول يتشيم بال كمام باكي ك سوال نمبر 11 .... دقا في لحاظ في في كتقسيم يردوني واليس-موال نمبر12..... يا كتاني فوج كيميشرُ أفيسرز كي عهد ماورنشانات ذكركري-سوال تمبر13 ..... آرى ، ائر فورس اور نيوى كرسب سے بوے عبدے كانام يتا كيں۔ سوال نمبر14 .... ياكتان كونى اعزازات كون كون عيا؟ موال ممر 15 .... بوليس كرعدول كام يتاكس-سوال نمبر16 ..... وي إلى اور وي اور وي اور الم وضاحت كري -سوال تمبر17 .... صوب خاب ك كن اوركون كون عدوير فن إل-؟ سوال نمبر18 .... قبائل علاقول ش سے چندایک کے نام کھیں۔ سوال فمبر19 ..... ووران كاملاع كون كون عيا؟



چھٹاباب.....

نِيا كهنتان كوسائل اور تنظيم سازى



### معلومات بإكستان

مرکاری نام ..... اسلامی جمهورید پاکستان

لفظ پاکتان اصل میں دوالفاظ "پاک" اور "ستان" کا مرکب ہے یعنی" پاک لوگوں کی جگہ"۔

796096 مركع كلويمر ..... (310401 مركع ميل)

(اس رقبيس العلاقد جات اورآزادرياست جول وكشميركارقبة النهيس)

محل وقوع ..... 24°N to 37°N عوض بلداور 61°E to 75.5°E طول بلد كرورميان واقع بـ

مرحدین ..... پاکتان کی سرحدین 6,774 کلومیٹر (4,209 میل) طویل ہیں۔

پاک چين سرحد ..... 523 کلويمر (325 ميل)

پاکتان کے جمال اور شال مشرق ( ملکت بلتتان) میں چین کا صوبہ تکیا تک (Sinkiang) ہے۔

پاک بھارت سرحد....، مشرق میں پاکستان کی سرحد بھارتی صوبوں پنجاب اورراجستھان سے لمتی ہے جوریڈ کلف لائن کہلاتی ہے۔ بید2,912 کلومیٹر (1,809 میل) طویل ہے۔

پاک افغان سرحد ..... افغانستان کے ساتھ مغرب اور شال میں سرحد ملتی ہے جوڈیورنڈ لائن کہلاتی ہے ۔ یہ سرحد 2,430 کلومیٹر (1,510 میل) طویل ہے۔

شال مغرب میں افغانستان کی محض 20 میل چوڑی ایک پی جوداخان (wakhan) کہلاتی ہے پاکستان کوتا جستان اوردیگروسطی ایشیا کی ریاستوں (بیسلم ریاستیں 1991ء میں سوویت یونین ٹوٹے سے آزاد

، ہوئی تھیں) کوجدا کرتی ہے۔

پاک ایران سرحد .....جنوب مغرب میں پاکتان کی سرحد (پاکتانی صوبہ بلوچتان اور ایرانی صوبہ بلوچتان) ایران سے لتی ہے۔ بیسر صد909 کلومیٹر (565 میل) طویل ہے

# الله خطالعة في كستان كيماله علمهادي الله علمهادي الله علمهادي الله علمهادي الله علمهادي الله

پاک مغوضہ کشمیر مرجد ..... میر حد لائن آف کڑول LOC کہلاتی ہے جوآ زاد کشمیر کو بھارت کے زیر تسلط ریاست جمول وکشمیر کے علاقہ سے جدا کرتی ہے۔

برى حدود ..... پاكتان بحيرة عرب كے ساتھ جو بحر مندكاايك حصه ہے، جنوب ميں ساحل ركھتا ہے۔ پاكتان كى

بحرى حدود 200 ميل تك بين -6 من 2009 وكواقوام متحده نے پاكستان كى بين الاقوامى بحرى حدود

200 میل کو350 نائکل میل تک بردهانے کی منظوری دے دی۔

گیثر بروم اا =26,360 ن

25,858= Disteghil sar میثر بروم = 25.660=

يىر بردم = 25,660ن راكاييثى = 25,551ن

ن 25,461= Kanjut sar

رچير =25,230*ن* 

24,750= Skyang kangri

24,350= Sia kangri 24,270= Haramosh Peak

ا24,240= Istoro Nal

ن 39,990= Baltoro Kangri

ا ا = 23,410 Nunkun

### المُطَالَعَهُ فِي كَسِتَاتَ ﴾ ﴿ 114 ﴾ ﴿ 114 أَنْ الرَّعْمِهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الرَّعْمِهِ اللَّهِ اللَّهِ

تقر وادئ سندھ کے جنوب میں ، بھارتی صوبدراجیوتاند میں کھ حصہ ہے۔ چونستان بہاولپوراور بہاولکر میں واقع ہے۔لال سہانرا کامعروف یارک یہاں واقع ہے۔ ورّه خیبر، درّه بولان، درّه لواری، درّه شندور، درّه با بوسر، درّه خجراب ( درّه خبخراب کودنیا کی حیبت یماڑی درے مجى كہاجاتا ہے۔ بيدرو، ياكتان اور چين كوآ كى ميں ملاتا ہے۔) سياچن، بالتورد، چوگولنگها، مسير، بتورا، پو-برفانی تودے مالجی (کراچی کنزدیک) تينجسو (شفه کنزديک) راول (پندي کنزديک) راهودند جميليل (وادى سوات)،سيف الملوك ،لالوسر(وادى كاغان)مند(كوئش) بامون متخيل،نوشكى (بلوچتان)فندر، بیندرب،ست مارا ( ملکت بلتتان) آتش فشاں بہاڑ کو آفتان (بلوچتان)Active یعنی فعال آتش فشاں بہاڑ ہے۔ سطح سمندرے 13 ہزارف

صوبه جات 1 .... بخاب ٢2 ... منده 3 ... خير پختونخواه 4 ... بلوچتان -

وفاقى علاقه جات 1 ....رياست آزاد جول وكشمير 2 ..... فا تا (FATA) قباكل علاقي-

3 .... شالى علاقه جات ( كلكت بلتتان) 4 .... اسلام آباد

ڈو ران 28

اضلاع 114

داراالحكومت اسلام آباد (1998ء كى مردم أرى كے مطابق 799000 آبادى)

17 كور 2010 كور 2010) . آبادي

آ بادی میں صوبوں کا حصہ

(پنجاب55%، سنده23%، خيبرپختونخواه13%، بلوچىتان7.5%،

> اسلام آباد 1%\_) ·%2t6



# پاکستان کےقدرتی وسائل

پاکتان کے قدرتی وسائل کی تفصیل درج ذیل ہے۔

مٹی

زمین کی سطی رمحنف تم کابار یک چٹانی موادموجود ہے جونبا تات اور بودوں کی پرورش میں مدودیتا ہے۔ اے مٹی کہتے ہیں۔اس کی اقسام مندرجہ ذیل ہیں:

1 ....دریائے سندھ کے میدان کی مٹی

دریائے سندھ کازری میدان دریائے سندھ اوراس کے معاون دریاؤں کی لائی ہوئی مٹی سے معاون دریاؤں کی لائی ہوئی مٹی سے معاب سال سے بیدوریامٹی کی جہیں بچھا رہے ہیں۔اس مٹی میں کیلٹیم کاربونیك کی مقدار زیادہ اورنامیاتی ماوے کم ہیں۔ یہاں کی مٹی کو تین حصوں میں تقسیم کیا جاتا ہے۔

(i).....بأنكر مثى

یدمٹی دریائے سندھ کے میدان کے کانی حصہ پر پھیلی ہوئی ہے جس میں پنجاب کا بیشتر علاقہ پہاور، مردان ، بنوں اور کھی کامیدان شامل ہے جبکہ صوبہ سندھ کابڑا علاقہ اس میں شامل ہے ۔ کھادوں اور آبیاشی کے نظام کے تحت بعض علاقے بہت اچھی پیداوار دے رہے ہیں۔ یہٹی عام طور پر دریاؤں کی موجودہ گررگا ہوں ہے دوریائی جاتی ہے۔

(ii)....کهادرمنی

يد على زياده تر درياؤل كى موجوده كررگامول كتريب پائى جاتى ب-اس منى كا كچه حصه برسال

و مُطَالَعه بُ كستَانَ ﴾ ﴿ 116 ﴾ ﴿ 116 أَنْ الله عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ اللّهُ عَلَمُ عَلّهُ عَلَمُ عَلَّهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَّهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَّهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِمُ عَلِمُ عَلَمُ عَلَّ عَلَمُ عَلَّهُ عَلَّ عَلَمُ عَلَّ عَلَمُ عَلِمُ عَلِمُ ع

سلاب کے زیراثر آجا تاہے جس مے مٹی کی نئی تہداس کے اوپر بچھ جاتی ہے۔اس مٹی میں نامیاتی اجزاءادر نمکیات کم ہیں۔

(iii)...... دُيلِڻا لَيُمثَّى

میدریائے سندھ کے ڈیلٹا کی مٹی ہے۔اس میں جنوبی ساحلی علاقے شامل ہیں۔ پچنی مٹی زیادہ ملتی ہے جوسیلا بی حالت میں نشوونما پاتی ہے۔اس مٹی میں زیادہ تر چاول کی کاشت ہوتی ہے۔

2....ياڙي مڻي

مٹی کی میشم زیادہ تر پاکتان کے شالی اور مغربی بلند پہاڑی علاقوں میں پائی جاتی ہے۔ شالی پہاڑی علاقے کامٹی میں نامیاتی اجزاء زیادہ مقدار میں ہیں کیونکہ آب وہوامر طوب سم کی ہے۔ مغربی پہاڑی علاقے کی مٹی میں کیونکہ اس علاقے کی آب وہوا کی مٹی میں کیونکہ اس علاقے کی آب وہوا کی مٹی میں کیونکہ اس علاقے کی آب وہوا قدرے خلک ہے۔ سطح مرتفع پوٹھوار کے علاقے کی مٹی میں چونے کے اجزاء زیادہ ہیں۔ زیادہ پانی سے اس مٹی کی زرخیزی میں اضافہ ہوجاتا ہے۔

3....ريتلى صحرائي مثى

مٹی کی یہ جتم پاکتان میں صوبہ بلوچتان کے مغربی علاقوں ، چولتان اور تقر کے صحرائی علاقوں میں پائی جاتی ہے۔ اس مٹی میں ریت کے ذرات و مین کی تہوں میں ملتے ہیں۔ اس مٹی میں کیائیم کاربونیٹ میں پائی جاتی ہے۔ اس مٹی میں ریت کے ذرات و مین کی تہوں میں ملتے ہیں۔ اس مٹی میں کیائیم کاربونیٹ پائے جاتا ہے۔ یہٹی ہوا کے مل سے تہہ شین ہوئی ہے۔ صحرائی اور نیم صحرائی قتم کی آب و ہوامٹی پراٹر انداز ہوتی ہے جس سے معاشی سرگرمیاں بہت کم ہیں۔

#### جنگلات

پاکستان کی آب وہوا میں فرق کی وجہ سے یہاں درج ذیل مختلف اقسام کے جنگلات پائے جاتے ہیں۔ 1 ..... پاکستان کے مچھشالی اور شال مغربی علاقوں میں اوسطاً بارش دوسرے علاقوں کی نسبت زیادہ

# مُطَالَعه يُ كستَانَ عَلَى ﴿ 117 ﴾ ﴿ 117 ﴾ والتال كمال الدعم بهادى الله

ہوتی ہے۔ یہاں سدا بہار جنگلات پائے جاتے ہیں جن میں دیودار، کیل، پڑتل اور صنوبر کے درخت زیادہ اہم ہیں۔ان درختوں سے اعلیٰ شم کی عمارتی ککڑی حاصل ہوتی ہے۔ان علاقوں میں شاہ بلوط،اخروٹ اور کا ٹھے کے درخت بھی پیدا ہوتے ہیں۔ بیعلاقے مرک،ایبٹ آباد، مانسمرہ، چتر ال،سوات اور دیر پرمشمل ہیں۔

2 ..... پہاڑی دامنی علاقوں میں زیادہ تر پھلاہی ،کاہو، جنڈ ، بیر، توت اور سنبل کے درخت ملتے ہیں ان علاقوں میں دان ،کوہائ،ا تک،راولپنڈی،جہلم اور مجرات کے اضلاع شامل ہیں۔

3.....عوبہ بلوچتان میں کوئٹہ اور قلات ڈویژن میں زیادہ تر خاردار جھاڑیوں کے علاوہ ماز و، چلغوز ہ ہوت اور پاپلر کے درخت یائے جاتے ہیں۔

4.....میدانی علاقوں کی دریائی وادیوں میں کچھ جنگلات موجود ہیں۔جن میں شیشم ، پاپلر ،شہوت ، منیل ، جامن ، دھریک اور غیرہ کے درخت ملتے ہیں ۔ان علاقوں میں ٹیمانگا مانگا ، چیچہ وطنی ، منیل ، جامن ، دھریک اور غیرے وغیرہ کے درخت ملتے ہیں ۔ان علاقوں میں ٹیمانگا مانگا ، چیچہ وطنی ، منیوال ، فوبر کیک سنگھ، بورے والا ، رکھ غلا ماں تقل ، شورکوٹ، بہاولپور، تو نسم، کھر، کوٹری اور گذوشامل ہیں۔

#### معدنيات

پاکستان کواللہ تعالی نے بے شار معدنی وسائل سے نواز اہے۔ منعتی ترقی کے لئے ضروری ہے کہ ان وسائل کی منصوبہ بندی کی جائے اور ترقی کے لئے بھر پور توجہ دی جائے۔ پاکستان میں معدنی وسائل کے وسیع ، فرخائر دستیاب ہیں لیکن کافی عرصہ سے ان ذخائر سے زیادہ فائدہ نہیں اٹھایا گیا۔ جس کی بڑی وجہ تربیت یافتہ افراد کی کی ، مالی مجبوریاں اور جدید ٹیکنالوجی کی عدم دستیا بی جیسی مشکلات ہیں۔

1975ء میں معدنی ترقیاتی کارپوریش کا قیام عمل میں آیا۔ اس کے علاوہ صوبائی سطح پر بھی کارپوریشنیں قائم کی گئی ہیں۔ ملک میں معدنیات کی ترقی کے لئے بٹرولیم اور قدرتی وسائل کی وزارت ذمہ دار ہے۔ بیوزارت پانچ ذیلی ادار ہے بھی چلارہی ہے جووفاقی سطح پر معدنیات کی تلاش اور ترقی کا کام کررہے ہیں۔ 1 ....جولوجیکل سروے آف پاکتان 2 ..... جمسٹون (قیمتی پھر) کارپوریش آف پاکتان 1 .... جیل اور گئیس کی ترقیاتی کارپویشن 4 .... یا کتان منرل ڈویلیمنٹ کارپوریش

5.....وسائل کی ترقیاتی کارپوریش یا کتان کی اہم معدنیات درج ذیل ہیں:

1....کوئلیر

پاکتان میں کوئلہ کازیادہ تر استعال تعرل بیلی پیدا کرنے ، گھروں اورا بیٹیں پکانے میں ہوتا ہے۔اس وقت پاکتان میں مندرجہ ذیل مقامات سے کوئلہ نکالا جاتا ہے۔

الله على الله المراد ا

ہے ۔۔۔۔۔بلوچتان میں خوست ،شارگ ، ڈیگاری ،شیری آب ، مجھ بولان اور ہرنائی میں کوئلہ کی کان کی ہوری ہے۔

🚓 ....سنده میں کوئلہ کی کا نیں تھر ،تھیر ،سارنگ اور لا کھڑا میں واقع ہیں۔

. 2....معدنی تیل

معدنی تیل پاکتان میں توانائی کاایک اہم وسلہ ہے۔معدنی تیل کے کویں ، کھوڑ ، ڈھلیاں ،
جو یا میر ، بالکسر ، کرسال ، ثبت ، کوٹ ، سارنگ اور میال میں واقع ہیں۔ مزید تیل کے کنویں آ دھی ، قاضیاں
(ضلع راولپنڈی) ڈھوڈک (ڈیرہ عازی خان) نصخیلی (ضلع بدین) اور ٹنڈ واللہ یار (حیدرآ باد) میں دریانت
ہوئے ہیں۔ یہ ذ خانر کملی تیل کی ضرور بات میں اہم کر داراد اگر رہے ہیں۔ اس وقت معدنی تیل کی چارر یفائنر
پاکتان میں کام کردی ہیں جوائک ریفائنری ، پاکتان ریفائنری ، بیشتل ریفائنری اور پاک عرب ریفائنری

3....قدرتی گیس

قدرتی کیس توانائی عاصل کرنے کا ایک ستا اور صاف سترا ذریعہ ہے۔ یا کستان می قدرتی کیس

اں وقت قدرتی گیس کے مزید ذخائر ڈھوڈک، پیرکوہ، ڈھلیاں اور میال (پنجاب) اُج ،زن (بلوچتان) فہرپور، مزرانی، ساری، ہنڈی، کندکوٹ!ورسارنگ (صوبہ سندھ) میں واقع ہیں۔

اس وقت قدرتی گیس پائپ لائنز کے ذریعے ملک کے مختلف علاقوں تک پہنچائی گئی ہے اور پاکتان کے تقریباً تمام بڑے شہروں میں قدرتی گیس کی سہولت موجود ہے۔

### 4...خام لو ہا ( دھاتی )

5.....5

تا بے کا استعال بھل کی اشیاء خصوصاً تاریں بنانے کے لئے کیا جاتا ہے۔ زمانہ قدیم میں اس سے مرف سکتے اور برتن وغیرہ بنائے جاتے تھے۔ تا نے کے ذخائر صوبہ بلوچتان اور صوبہ سرحد کے بہت سے متابات پردریافت ہونے متابات پردریافت ہونے اور سینڈک اور بعض دیگر مقابات پردریافت ہونے اللہ فائرنہایت ایمیت کے حامل ہیں۔

السيرومانيك (غيردهاتي)

پاکتان میں کرومائیٹ کے وسیع ذخار پائے جاتے ہیں۔ کرومیم دھات کرومائیٹ سے حاصل ہوتی

ہے جوہائی سپیڈمشینوں اورفوٹی گرافی ہے متعلقہ آلات بنانے میں کام آتی ہے۔ کرومائیٹ کے ذخائر مسلم باغ چاغی اورخاران (بلوچتان) میں دریافت ہوئے ہیں۔ اس کے علاوہ کرومائیٹ کے ذخائر صوبہ سرحد میں مالاکنڈ اورمہندا سیجنی میں بھی واقع ہیں۔ پہلے کرومائیٹ کی تمام پیداوار برآ مدکردی جاتی تھی لیکن اب کرا پی سٹیل میں کچھ استعال ہوتی ہے۔

7..... چانی نمک

پاکتان میں خوردنی نمک کے وسیع ذخائر کو ہتان نمک میں ملتے ہیں۔ یہاں کھیوڑہ (ضلع جہلم) کے مقامات پرنمک کے سب سے بوے ذخائر ہیں۔اس کے علاوہ داڑ چھا (ضلع خوشاب) کالاباغ (ضلع میانوالی) اور بہادر خیل (ضلع کرک) میں نمک کے وسیع ذخائر موجود ہیں نیز ماڑی پور (کراجی) اسبیلہ میانوالی) اور بہادر خیل (ضلع کرک) میں نمک کے وسیع ذخائر موجود ہیں نیز ماڑی پور (کراجی) اسبیلہ اور کران کے ساحل کے قریب سے بھی نمک حاصل ہوتا ہے جو کھانے کے علاوہ کیمیائی صنعت میں بھی استعال کے لماتا ہے۔

8..... چونے کا پھر

پاکتان میں چونے کا پھرزیادہ تر شالی اور مغربی علاقوں میں پایاجاتا ہے۔اس کے ذخارُ داؤدخیل، واد ،روہڑی ،حیدر آباد، سبی اور خضدار میں پائے جاتے ہیں جے زیادہ تر سمنٹ کی صنعت میں استعال کیاجاتا ہے۔

.....

جبہم پاکتان میں زیادہ ترکوہتان نمک اور مغربی پہاڑی علاقوں میں پایاجاتا ہے۔اس کی کانیں کھیوڑہ، ڈنڈوٹ، داؤدخیل، روہڑی اورکوہاٹ میں ہیں۔ جیسم سینٹ کی صنعت، پلاسٹر آف پیرس، سلفیورک ایسٹراورامونیم سلفیٹ بنانے کے کام آتا ہے۔

10.....تكبيم م

پاکتان میں مختلف اقسام کاسٹک مرمر پایاجاتا ہے جو مختلف رگوں میں ملک ہے۔اس کے پیداداری

علاقے ملا گواری (خیبرایجنسی) مردان ، سوات ، نوشہرہ ، ہزارہ ، چاغی اور گلگت ہیں۔ کالا اور سفید سنگ مرمر بہت بدی مقدار میں کالاچٹا کی پہاڑیوں (ضلع اٹک) سے ملا ہے۔ اس کے علاوہ آزاد کشمیر میں ضلع مظفر آباد ، اور میر پور میں بھی سنگ مرمر دریافت ہوا ہے۔ ،

#### 11.....گندهک

گندھک صوبہ بلوچتان کے شلع چاغی میں کوہ سلطان اور شلع کچھی کے مقام سے حاصل ہوتی ہے۔

12.....عینی اور آتشی مٹی

چینی مٹی کی پیداوار کے لئے منگورہ (ضلع سوات)اورگر پارکر (صوبہ سندھ) بہت اہمیت رکھتے ہیں۔آتشی مٹی کے ذخائر کوہستان نمک اور کالا چٹا کی پہاڑیوں سے ملے ہیں۔اس سے اینٹیں بنائی جاتی ہیں جونولا دیکھلانے والی بھٹیوں میں استعال ہوتی ہیں۔

## پاکستان کی اہم فصلیں

پاکتان میں زرعی پیداوارسال میں دومرتبه حاصل کی جاتی ہے جے فسلوں کے موسم کہتے ہیں۔

1....فصلِ ديج 2....فصلِ خريف

فصل رہے کا موسم تمبرے اپریل تک رہتا ہے۔جس میں زیادہ تر گندم اور تیل داراجنا س کی کاشت کی جاتی ہے جبکہ خریف کا موسم اپریل سے اکتوبر تک رہتا ہے،جس کی آہم فصلیں چاول مکئ، کیاس، گنا، جوار اور باجرہ وغیرہ ہیں۔

اس کے علاوہ ہمارے ملک میں مختلف اقسام کی دالیں بھی پیدا کی جاتی ہیں۔ مثلاً مسور ، موتک، ماش کی دالیں ، آلو پیاز اور مرجیں وغیرہ بھی پیدا ہوتی ہیں علاوہ ازیں پاکستان میں بہت مقدموں کے پھل پیدا کئے جاتے ہیں ۔ پچلوں میں ہمارا ملک بہت مشہور ہے ۔ اہم پھل آم ، سگترہ ، مالٹا ، امرود، انگور ،سیب ، آلو بخارا، خوبانی مجموراور آڑووغیرہ ہیں۔



### بنيادي جمهوريتي

بنیادی جمهوریون کا باخی منزله نظام حب ویل ترتیب سے سامنے آتا ہے:

1.... يونين كوسل يا يونين كميش يا ناؤن كميش-

- 2.... مخصیل کونسل یا تفانه کونسل

3..... ۋسٹر كت كونسل

4..... ۋويۇنل كونىل

5....مشاورتی کونسل برائے صوبائی ترتی

اب برايك كي تشكيل وفرائض ملاحظه مول:

### بونىن كوسل يا ٹاؤن مميثی

تفکیل ..... یونین کونسل بنیادی جمہور تنوں کاسب سے ابتدائی ادارہ تھا۔اسے شہر میں یونین کمیٹی اور قصبات میں ٹاکون کمیٹی کہتے تھے۔اس میں ایک ہزارافراد براوراست بالغ رائے دہی کی بنیاد پراپناایک نمائندہ چن کئے تھے۔ووٹر کی عمر 21 سال سے کم نہ ہونی چاہیے تھی پہلے غیر سرکاری نا مزدگ میں منتخب ارکان اپنا چیئر مین خود منتخب کرتے تھے۔یونین کونسل یا ٹاکون کمیٹی کا چیئر میں مخصیل کونسل یا میونسل کمیٹی کا بلحاظ عہدہ ممبر متصور

اختيارات وفرائض .....اداره كافتيارات وفرائض مين درج ذيل امورشامل تنص

اپنے علاقے میں روشی اورصحت وصفائی کا انظام کرنا۔ مسافر خانوں وغیرہ کی تغییر کرنا۔ آب رسانی۔ سرکاری عمارات کی حفاظت ۔ پیدائش واموات کاریکارڈ رکھنا یعلیمی سہولٹیں مہیا کرنا ۔سیاب زدگان اوردوسرے معیبت کے ماروں اور بے سہارا لوگوں کی امداد ،میلوں اورنمائشوں کا انظام کرنا، ثقافت کوفروغ دینا۔

# المنطقة باكستان كالمنظانية المنظانية المنظاني

مغربی پاکتان کی تخصیل میں تخصیل کونسل اور مشرقی پاکتان کے تھانہ میں تھانہ کونسل ہوتی تھی۔اس کا چیئر مین سب ڈویژن آفیسر ہوتا تھا۔غیر سرکاری نمائندے بھی نامزد کئے جاسکتے تھے جوعمومًا منتخب ارکان کی تعداد کے نصف تک ہو سکتے ہیں۔ بلحاظ عہدہ کونسل کا چیئر میں تخصیل ما تھانہ کا زُکن متصور ہوتا۔

افتیارات وفرائض ....اس ادارہ کا کام شہروں کی یونین کمیٹیوں اور تعبوں کی ٹاؤن کمیٹیوں کے کام کی دیکھ بھال کرنااوران کے درمیان گہرے تعاون کونشو ونمادیتا تھا۔

### ڈسٹرکٹ کوسل

قرار پایا تھا کہ: اس ادارہ میں سرکاری ارکان ہوں گے جنہیں حکومت مامر ذکرے گی۔ غیر سرکاری ارکان بھی شامل ہوں گے ۔ امرد غیر سرکاری ارکان کی آ دھی تعداد یو نین کمیٹوں ، یو نین کونسلوں اور ٹاؤن کی شعداد یو نین کمیٹوں کے چیئر مینوں پر مشتمل ہوگا۔ اس کونسل کا سربراہ ڈیٹی کمشنر ہوتا تھا۔

اختیارات وفرائض .....اس اداره کے اختیارات وفرائض یہ ہیں کدسر کوں اور تالا بوں کی تغییر، پرائمری سکور کا قیام، لائبر میریوں کا قیام محت وصفائی کا انتظام، میپتالوں کا قیام، امراض کی روک تھام، آب رسانی، امداد باہمی کوفر دغ دینا۔مفادِ عامہ کے کام دغیرہ۔

### ۋوي<sup>د</sup> تل كۈسل

اس ادارہ کاسر براہ ڈویرٹ کمیٹن ہوتا تھا۔جس کے تحت ضلع کی تمام یونین کونسلوں ، یونین کمیٹیوں ادرناؤن کمیٹیوں کے اس ادارہ میں سرکاری ادرغیر سرکاری ارکان بھی نامزد کئے جاتے تھے۔نامزدارکان کی تعدادسرکاری ارکان کے مساوی ہوتی تھی۔

افتارات وفرائف .....ای کوسل کے بیافتیارات وفرائف تھے کہ ڈویژن کے مختلف محکموں کی جائج پڑتال،مقامی کوسلوں ،مینیل کمیٹوں اور کنٹونمنٹ بورڈ کے روابط بڑھانا ،صوبہ بیں اصلای سرگرمیوں کے لئے سفارشات پٹن کرنا۔



خوبيال

بنياهى جمهوريتول كے نظام ميں درج ذيل خوبيال تھيں:

1..... لوگوں میں اپنے نمائندے متنب کرنے کا شعور پیدا ہوا۔

2 .... كلى عله من بخة ناليال تغيير موكس-

3..... برسانی کاکام بهتر موا-

4....مدر یاامبلی کے رکن متخب کر کے لوگوں نے سیای شعور حاصل کیا۔

5..... با مهى جھڑے، كمر بلوتناز عاور صحت وصفائى كے نقائص كاسد باب كيا كيا-

6....معاشرتی معاشی اور ساس مشکلات کوطل کرنے میں مرد لمی-

نقائص

اس نظام ميں بينقائص درج ذيل نقائص تھے:

1 ..... سركارى مداخلت-

2.....نامزد كيون كالحريقه

3....اختيارات كاكم مونا-

#### انسداديمهم ،اصلاحي اقدامات اوراييد وكى بإبندى

انقلابی حکومت نے ذخیرہ اندوزوں ، ممکاروں اور دیگر ملک وطت کے دشمن لوگوں کے خلاف اندادی مہم بھی چلائی ۔ کراچی کے مشہور ممکلر قاسم بھٹی اوراس کا سونا آج بھی زبانِ زدعام ہیں۔ رشوت خورا فسروں کے خلاف مہم شروع ہوئی۔ دفاتر اورانظامی حکموں میں گئی اصلاحی تبدیلیاں کی گئیں۔ سیاسی بارٹیوں پر ایبڈوک یا بندی لگادی گئی اوروہ سیاست میں حصہ لینے سے روک دی گئیں۔



### پارلیمنط(Parliament)

دستوریا کتان1973ء کےمطابق پاکتان''پارلمینٹ''(مجلس شوریٰ) دوایوانوں پرمشمل ہے: 1.....ایوانِ زیریں (قومی اسمبلی) 2.....ایوانِ بالا (سینٹ)

### قوى اسمبل (National Assembly)

1973ء کے دستور پاکستان کی دفعہ 51 کے مطابق ، قومی اسمبلی دوسوسات مسلم ارکان پر مشمل ہوگ جو بلا واسطہ اور آزاد انہ دوٹ کے ذریعے قانون کے مطابق منتخب کئے جائیں گے۔

قومی آسمبلی کے امید داروں کو دوٹ دینے دالوں کے لئے پاکستان کا شہری ہونا ضروری ہے۔ ووٹروں کی عمر کم از کم اکیس سال مقرر ہے۔ ان کا نام انتخابی فہرست میں درج ہونا ضروری ہے۔ فاتر العقل اشخاص ووٹ دینے کے اہل نہیں ہیں۔

ملم اركان كے علاوہ مندرجہ ذیل در اضافی نشستیں بھی قومی اسمبلی کے لیے ختص كی گئی ہيں:

دستور ہذاکی دفعہ 51(3) میں کہا گیا ہے کہ: قومی اسمبلی میں تشتیں سرکاری طور پر شائع شدہ گزشتہ آخری مردم شاری کے مطابق آبادی کی بنیاد پر ہرصوبے، وفاق کے زیر انظام قبائلی علاقہ جات اور وفاقی دارالحکومت کے لئے متعین کی جائیں گی۔

| : | نه و ا | کی تعداد <sup>د</sup> | نشته | 1. 74      | 16  | . , ; |
|---|--------|-----------------------|------|------------|-----|-------|
| 7 | حب ري  | الاحتداد              | رسور | )علا فهروا | JU. | تو ق  |

عام نشتوں کی تعداد 207 ہے جن میں غیر مسلموں کی 10 نشتیں ملاکر کل 217 نشتیں بنتی ہیں۔ نوٹ ..... بی تعداد کھٹتی برحتی ہے اس وقت بی تعداد زیادہ ہے 2008ء کے انتخابات میں بی تعداد 342 تھی۔

#### اميدوارول كى الميت

قوى المبلى كانتاب من حديف وال ميدواركامندرجد فيل شرائط برأتر ناضرورى ب

1.....امیدواری عربچیس سال سے کم ندہو۔

2 ....اس كانام بطورد ورفهرست رائد دمندگان مل درج مو-

3 ..... ووسر کاری ملازم نه دو میاکس سرکاری یا نیم سرکاری محکے میں منافع بخش عبد بے پرفائز نه دو۔

4 .... مابقه ملازم ہونے کی صورت میں اے فارغ ہوئے دوسال سے زیادہ عرصہ گزرچکا ہواور کی بدعنوانی کی وجہ

ے وہاں سے نکالانہ کیا ہو۔

5.....وه و يواليدند بو

6....ووپارلیمنٹ کے کی قانون کے تحت ناال قرارنہ پایا ہو۔

7....كى اخلاقى جرم كى ياداش شى دوسال ياز يادة عرصهكاسرا أيافته شهو-

8 ..... و مکی اخلاقی پستی پرین جرم یا جعوثی گوای کے الزام میں سزایا فتہ نہ ہو۔

9 ....و و اسلامی تعلیمات سے بخولی آگاہ ہواور مجھ دار ، پارسا، ایمن اور دیانت دار اور اسلام سے منحرف فخص کے



طور پرمشہورنه ہو\_

### قومى اسمبلى كاانتخاب

قومی اسمبلی کے اراکین عوام کے منتخب شدہ نمائندے ہوتے ہیں۔ دستور ہذاکی دفعہ 51 (4) میں کہا گیا ہے کہ قومی اسمبلی کی محولہ شستیں پُرکرنے کے لئے جداگا نہ انتخاب کی بنیاد پر براہ راست اور آزادانه ووٹ کے ذریعے امیدواروں کا انتخاب کیا جائے گا۔

#### قومی اسمبلی کی میعاد

دستوں1973ء کے مطابق قومی اسمبلی تاوقتیکہ لل از وقت توڑنہ دی جائے اپنے پہلے اجلاس کے دن سے پانچ سال کی میعاد تک برقر ارر ہے گی اور اپنی میعاد کے اختتام پرٹوٹ جائے گی۔ قومی اسمبلی کاسپیکر وڈیٹی سپیکر

وستور پاکتان1973ء کی دفعہ 53 کے مطابق ، کئی عام انتخاب کے بعد قومی اسمبلی اپنے پہلے اجلاس میں اپنے ارکان میں سے ایک پلیکر اور ایک ڈپٹ پلیکر کا انتخاب کرے گی اور جتنی بار بھی پلیکر یا ڈپٹ پلیکر کا عہدہ خالی ہو، اسمبلی کسی اور رکن کو پلیکر یا ڈپٹ پلیکر منتخب کرے گی۔

#### ىينىڭ(Senate)

ایوانِ بالاکانام''سینٹ'(Senate) ہے۔ دستور پاکتان1973ء میں سینٹ کے ارکان کی تعداد 63مقرر کی گئی تھی۔ تعداد 63مقرر کی گئی تھی دستور میں ترمیم کرکے بیقعداد 87 کردی گئی۔ نشتوں کی تقسیم حب ذیل ہے:

- 1 ..... ہرایک صوبہ سے چودہ ارکان، جنہیں صوبائی اسمبلی کے ارکان منتخب کریں گے۔
- 2 ..... تمه ارکان کا متخاب تو می اسبلی میں وفاق کے زیرا تنظام قبائلی علاقوں سے منتخب ارکان کریں گے۔
- 3 ..... تین ارکان وفاقی دارالحکومت سے نتخب ہوں گے۔جنہیں صدرا پنے فرمان کے ذریعے نتخب کرےگا۔

4..... ہرصوبہ کی صوبائی اسمبلی کے ارکان پانچ ارکان کا متخاب کریں گے ، جوعلاء یا ماہرین فن اور دیگر پیشہ وارا نہ شعبوں کی نمائندگی کریں گے۔

سینٹ ایک متفل ادارہ ہے، جے صوبائی اسمبلیوں کی طرح ختم نہیں کیا جاسکتا۔اس کے اراکین مندرجہ ذیل طریقے سے سبدوش ہوتے رہتے ہیں اوران کی جگہ نے اراکین منتخب ہوتے رہتے ہیں۔

1.... صوبوں کی نمائندگی کرنے والے 64 ارکان میں سے ہرصوبہ سے سات ارکان پہلے تین سال کے اختیام پر سبدوش ہوں گے۔
سبدوش ہوجائیں گے اورا گلے تین سال کے بعد دوسر سات ارکان سبکدوش ہوں گے۔

2 .... قبائلی علاقوں سے متحب آٹھ ارکان میں سے چار پہلے تین سال کے بعد سبکدوش ہوجا کیں گے جبکہ باقی چارا گلے تین سال کے بعد سبکدوش ہوں گے۔

3.....وفاقی دارالحکومت سے منتخب تین اراکین میں سے ایک رکن پہلے تین سال کے بعد سبکدوش ہوگا جبکہ باقی دوسرے تین سال کے اختیام پرسبکدوش ہول گے۔

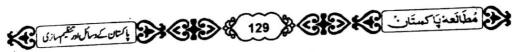
4 .....علاءاور ماہرین فن کی نشتوں پر منتخب ہونے والے ارکان میں سے ہرصوبہ سے دوارکان پہلے تین سال کے بعد سبکدوش ہوں مے جبکہ ہاتی تین الم کلے تین سال کمل ہونے پر سبکدوش ہوں گے۔

#### چير مين اور في چير مين

دستور پاکستان 1973ء کی دفعہ 60 کے مطابق ، بینٹ کی با قاعدہ طور پرتشکیل ہوجانے کے بعدیہ اپنے پہلے اجلاس میں اور بااستثنائے دیگر کارروائی اپنے ارکان میں سے ایک چیئر مین اور ایک ڈپٹر چیئر مین کا استخاب کرےگی اور جتنی بار بھی چیئر مین یا ڈپٹر مین کا عہدہ خالی ہوسینٹ ایک اور رکن کوچیئر مین یا ڈپٹ چیئر مین (جیسی کے صورت ہو) منتخب کرےگی۔

چیئر مین یاڈیٹی چیئر مین کے عہدہ گی میعادا آل دن سے تین سال ہوگی جس دن سے آل نے اپناعہدہ سنجالا ہو۔

سینٹ اور ڈپٹی چیئر مین کا انتخاب خفیہ رائے شاری کے ذریعے عمل میں لا یا جاتا ہے۔ سینٹ کے
چیئر مین کو وہی اختیارات حاصل ہیں جو تو می اسمبلی کے پیکر کو حاصل ہوتے ہیں۔ سینٹ سال میں کم از کم نوے
دن کام کرنے کی پابند ہے۔



### پاکتان کے حکمران (1947ء سے معامل)

#### گورز جزل

| 5)               |     |               |                        |        |
|------------------|-----|---------------|------------------------|--------|
| تارخ انتباء      | t   | تاریخ ابتداء  | المعالى                | نبرثار |
| 11 تبر1948ء      | //  | 15 ماگست1947ء | قائداعظم محمطي جناح    | 1      |
| 1951ء 1951ء      | 1// | 14 تبر1948 و  | خواجه ناظم المدين      | 2      |
| 06 گزر1955ء      | 11  | 1951ء 1951ء   | لمك غلام محمر          | 3      |
| 1956 براع 1956 م | "   | 1955ء 1955ء   | ميجر جزل سكندرعلى مرزا | 4      |
| , 1950g/125      |     | 7,0000        |                        |        |

نوٹ 23 مارچ1956ء کے آئین کے نفاذ پر پاکتان کوجمہوریة قرار دیا گیا، اس لئے گورز جزل کے بجائے صدرکوسر براہ مملکت بنایا گیا۔

#### صدور

|            | *                    |   |   |
|------------|----------------------|---|---|
| t          | تاریخ ابتداء         | المايكراي   | نمبرثار   |
| //         | 1956 بر1956          | ميجر جزل سكندرعلى مرزا  | 1   |
| <i>H</i> ' | 27اكۆي1958ء          | فيلذ مارشل محمرا بدب خان  | 2   |
| //         | 25ار 1969%           | جزل آغامحم يحيىٰ خان  | 3   |
| . //       | 20 د بر 1971 و       | ذ والفقار على بعثو  | . 4   |
| 11         | 1973ء 1973ء          | فضل الني چودهري   | 5   |
| //         | 16 تبر1978 و         | جزل محرضياء الحق  | 6   |
|            | 17اگست1988ء          | غلام اسحاق خان  | 7   |
|            |                      | وسيم جاد( قائم مقام)  | 8   |
|            | //<br>//<br>//<br>// | ال 1956 رويا 123<br>ال 1958 رويا 127<br>ال 1969 رويا 125<br>ال 1971 رويا 13<br>ال 1978 رويا 16<br>ال 1988 رويا 17 | الم المحافرة المحافرة الم 1956 من المحافرة المح |

| المُطَالَعَة فِي كَسِتَابَ عَلَيْهِ الْمُعَالِمَةِ مِنْ كَسِتَابِ الْمُعَالِمَةِ مُعِلِدَةً وَ الْمُعَالِمَةُ مُعِلِدَةً وَ الْمُعَالِمُ مُعِلِدَةً وَالْمُعَالِمُ مُعَالِمُ مُعِلِدَةً وَالْمُعَالِمُ مُعِلِدَةً وَالْمُعَالِمُ مُعِلِدُةً وَالْمُعَالِمُ مُعِلِدُةً وَالْمُعَالِمُ مُعِلِدُةً وَالْمُعَالِمُ مُعَالِمُ مُعَالِمُ مُعِلِدًا وَاللَّهُ مُعِلِدُةً وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعِلِدُةً وَاللَّهُ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ مُعْلِمُ وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعْلِمُ وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ وَاللَّهِ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ وَاللَّهُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُؤْلِقِيلًا مُعْلِمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مِنْ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مُعِلِمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مُعِلِّمُ مُعِلِمُ مِنْ مُعِلِمُ مِلْمُ مُعِلِمُ مِنْ مُعِلِمُ مُعِلِمُ مِلْمُ مِلْمُ مُعِلِمُ مِلْمُ مِلْمُ م |
|--|
|--|

|      |                  | - C-  | •  |
|------|------------------|---|--|
| - // | 14 نوبر1993ء     | سردار فاروق احمر لغاري                                  | 9  |
| //   | 2ذبر1997ء        |   | 10   |
| 11   | كم جور ک 1998ء   |   | 11   |
| İl   | 2001ء ي          |   | 12   |
| 11   | 18 أكست 2008ء    |   | 13   |
| 11 . | 9 تبر2008ء       | آ صف على زرداري   | 14   |
| //   | 9 تمبر2013ء      |   | 15   |
|      | <br>  <br>  <br> | ון 1997, 1998.<br>א א א א א א א א א א א א א א א א א א א | ال الم عام) 20 بم 1997ء ال الم 1997ء ال الم 1997ء ال الم بين الم |

16 نومر2002ء کو 1973ء کے آئین کی بحالی کے بعد جزل مشرف نے آئین کے تحت دوبارہ طف اٹھایا۔ 6 ماکتو بر2007ء کو دومری پانچ سالہ مدت کے لئے منتخب ہوئے مگر سویلین صدر کی حیثیت سے 2007 و صلف اٹھایا۔

#### نائ*ب صدور*

|             |    | -          |           | -       |
|-------------|----|------------|-----------|---------|
| تارخ انتباء | t  | ارخ ابتداء | المائراي  | نمبرثار |
| 1973ء       | 11 | 21ئبر1971ء | تورالا غن | 1.      |

## وزرائے أعظم

| تارخ انتهاء   | t | تارخ ابتداء   | UNZ+1             | نمرثار |
|---------------|---|---------------|-------------------|--------|
| 1951ء 1951ء   | " | 1947ء 1941ء   | خان ليانت على خان | 1      |
| 1953ريل 1953ء | " | 1951ء 1951ء   | خواجهناظم الدين   | 2      |
| 11أكست1955ء   | " | 1953ريل 1953ء | محرعلى بوكره      | 3      |
| 12 تبر1956ء   | " | 11أكست1955ء   | چوېدرې محميل      | 4      |
| 1957ء 118     | " | 12 تبر1956ء   | حسين شهيدسېروردي  | 5      |

مُطَالَعَهُ بِ كَسِتَانَ كَا ﴿ 131 ﴾ ﴿ 131 ﴾ ﴿ إِكَان كَمَالُ الرَّيْمُ مِازَى ﴾

| 16 د مجر 1957 و     | 11       | 1957ء 1957ء   | ابراجيم اساعيل چندريكر     | 6   |
|---------------------|----------|---------------|----------------------------|-----|
| 7 دا گۆ ب.1958 ء    | t        | 16 دنجبر1957ء | ملك فيروز خان نون          | 7   |
| 27اكتر،1958ء        | "        | 26/اكۆر1958ء  | جزل محمرا يوب خان          | 8   |
| 20رکبر1971ء         | "        | 7وکبر1971ء    | نورالا مين (نامرد)         | 9   |
| 5 جُولا كُ7977 ء    | "        | 1973ء         | ذ والفقار على بھٹو         | 10  |
| 29 كُ1988ء          | "        | 1985ئى23      | محمرخان جونيج              | 11  |
| 6 اگست1990 ء        | "//      | 2دىمبر1988ء   | نظر بعثو                   | 12  |
| 6نوبر1990ء          | "        | 6اگست1990ء    | غلام مصطفیٰ جنو کی (مگران) | 13  |
| 1993ء لا 1993ء      | 11       | 6 نوبر1990ء   | ميال محمد نواز شريف        | .14 |
| 18 جولائي 1993ء يمك | ے        | اور26 مگ      |                            |     |
| 26 گُ 1993ء         | "        | 1993ء 1993ء   | یخ شیر مزاری ( نگران)      | 15  |
| 1993ء 1993ء         | "        | 1993ر 18 يول  | معین احرقریش (گران)        | 16  |
| 5 نوبر 1996ء        | 11       | 1993ء 1993ء   | بنظير بعثو                 | 17  |
| 17 فروري1997ء       | 11       | 5 نوبر 1996ء  | معراج خالد ( نگران)        | 18  |
| 12اكۋى1999ء         | "        | 17 فرور 1997ء | ميال محمر نواز شريف        | 19  |
| 2004ن£25            | "        | 23 نبر 2002ء  | ميرظفرالله خان جمالي       | 20  |
| 28 أكست 2004ء       | "        | 2004ن£26      | چوہدری شجاعت حسین (مگران)  | 21  |
| 15 نبر2007ء         | "        | 2004ء         | شوكت الريز                 | 22  |
| 2008-124            | "        | 16 نوبر2007ء  | محدمیال سومرو ( نگران )    | 23  |
| 2012ي لي 2012ء      | ,        | 2008ء ن       | ميديوسف دضا كميلانى        | 24  |
| 2013 رود 2013       | "        | 2012ئي 2012ء  | راجه پرویزانرف             | 25  |
| ,2013⊍£5            | <i>"</i> | 20136،25      | میر ہزارخان کھوسو( گران )  | 26  |
| مال                 |          | £2013ع.5      | ڈاکٹرنوازشریف              | 27  |

#### المُعَالَّعَة فِي كَسِتَابَ عَلَى ﴿ 132 ﴾ ﴿ 132 ﴾ المُعَالِّينَ عَمِيلُ اللَّهِ اللَّلَّمِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّهِ اللَّلَّالِي الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ ا

نوٹ .....(1) ....لیافت علی خان کواب تک تمام وزرائے اعظم میں سب سے زیادہ عرصہ (4 سال 2 ماہ) وزارتِ عظمیٰ کے منصب برفائز رہنے کا اعزاز حاصل ہے ۔وہ بطور وزیرِ اعظم قتل ہونے والے واحد پاکتانی محکمران ہیں۔

- (2) ..... چندر گرکوسب سے کم عرصہ (ایک ماہ28 دن) وزیر اعظم رہنے کا اعزاز حاصل ہے ( جزل ایوب خان صرف ایک دن کے لئے وزیراعظم رہے۔)
  - (3)..... بعثووا حديا كتاني حكمران بي جنهيں پيانى كى سزادى گئى-
- (4) .... شوکت عزیز میملی بارآ کینی مدت بوری کرنے والی قومی آمیلی کے وزیراعظم رہے۔اُن کا دورِا قتد ارتقریباً سوا تین برس رہا۔
- (5) .....جمر میاں سومر وچیئر مین مینٹ کے عہدے ہے وقتی رخصت لے کر گران وزیراعظم بے۔اُن کی غیر موجودگ میں جان محر جمالی چیئر مین مینٹ بے۔سومروگران وزرائے اعظم میں سب سے طویل عرصہ (سواحیار ماہ) محران وزیراعظم رہے۔
- (6) ..... يوسف رضا كيلاني پاكتان پيپلز پارٹي كے تيسرے ( ذوالفقار على بعثواور بينظير بھٹو كے بعد ) وزير اعظم بے-

### مسلح افواج كے سربراہان

#### چيرُ مين جائن<sup>چيف</sup> آف ساف

| تارخ انتباء        | t. | تارخ ابتداء   | المائے کرای             | نمرثار |
|--------------------|----|---------------|-------------------------|--------|
| <b>1978</b>        | "  | كم ار 1976ء   | جزل محرثريف             | 1      |
| 1980ر يا 1980ء     | "  | <b>,</b> 1978 | ايْمرل مُحرثريف         | 2      |
| <b>,</b> 1984€,122 | "  | 1980ء         | جزل ا قبال خان          | 3      |
| 29ارچ1987ء         | "  | 1984،122ء     | جزل رحيم الدين خان      | 4      |
| 17 أكبت 1988ء      | "  | 29اري1987ء    | جزل اختر عبدالرحمان خان | 5      |

مُطَالَعَهُ فِي كَسِتَاتَ كَا ﴿ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّ

| 17اگست1991ء   | "  | 10 نوبر1988 و  | ايدمرل افتخارا حدسروي          | 6  |
|---------------|----|----------------|--------------------------------|----|
| 9نوبر1994.    | "  | 17 أكست 1991 . | جزل شيم عالم خان               | 7  |
| 9نبر1997ء     | "  | 10نبر1994ء     | ائير چيف مارشل فاروق فيروز خان | 8  |
| 7اکز،1998ء    | "  | 9نبر1997ء      | جزل جها تكيركرامت              | 9  |
| 7ا تزير 2001. | "  | 7اكۆر1998ء     | جزل پرویز شرف                  | 10 |
| 6 کور 2004ء   | "  | 7اكۋىر2001،    | جزل محرمزيز خان                | 11 |
| 71 تور2007ء   | "  | 7اكۋى2004،     | جزل احبان الحق                 | 12 |
| 71كة ب2010ء   | "  | 8ا كۆر2007،    | جزل طارق مجيد                  | 13 |
|               | "  | 8اکور2010ء     | جزل خالد شيم وائي              | 14 |
| حال           | // | £2010£910      | 0. 7 -2007                     |    |

#### بری فوج ( کمانڈرانچیف)

|                 |    |                  |                       | _      |
|-----------------|----|------------------|-----------------------|--------|
| تاریخانتهاء     | t  | تارخ ابتداء      | 112/12                | نبرثار |
| 1948ء 1948ء     | "  | 15 أكسة 1947ء    | جزل مرفريك ميسروي     | . 1    |
| 16 جؤري1951ء    | "  | 11 نردرگ 1948ء   | جزل سرؤكلس ويووكرني   | 2      |
| 28اكز،1958ء     | 11 | 1951ء نوري 1951ء | جزل محمدا يوب حان     | 3      |
| 17 تبر1966ء     | "  | 1958ء 1958ء      | جزل محرموی خان        | 4      |
| 20 د کبر 1971 و | "  | 17 تبر1966ء      | جزل آغامحر يجي خان    | 5      |
| 1972%،3         | "  | 20 د مبر 1971 ء  | لفثينث جزل كل حسن خان | 6      |

#### چيف آف ساف (كماندرانجيف)

| تاریخانتهاء   | t | تارخ ابتداء  | المايكراي           | نمبرشار |
|---------------|---|--------------|---------------------|---------|
| کِم بارچ£1976 | " | 19726ء       | جزل نكاخان          | 7       |
| 17 أكسة 1988ء | " | کیم ار 1976ء | جزل محمر ضياء المحق | 8       |

| 16أكت1991ء     | " | 17 أكست 1988 ء | جزل مرزاسلم بيك       | 9  |
|----------------|---|----------------|-----------------------|----|
| 8جزرئ1993ء     | " | 16 أكست 1991 ء | جزل آمف نواز جنجوعه   | 10 |
| 12 جۇرى1996ء   | " | 12 جۇرى1993 م  | جزل عبدالوحيد كاكز    | 11 |
| 7اكتوب1998ء    | " | 12 جۇرى1996 و  | جزل جهاتكير كرامت     | 12 |
| 28 نوبر 2007ء  | " | 7اكۆب1998ء     | جزل پرویز مشرف        | 13 |
| 29 نوبر 2013 ء | " | 28 زبر 2007ء   | جزل اشفاق پرویز کیانی | 14 |
| مال            | t | 2013 نوبر 2013 | جزل راحيل شريف        | 15 |

مشرف نے 46سال فوج میں گزارے اور 9سال چیف آف آری سٹاف کے عہدے پر تعینات رہے۔22جولائی 2010ء کو وزیراعظم یوسف گیلانی نے ان کی مدت ملازمت میں 3سال کی توسیع کردی۔ یاک بحربیر (کمانڈرانچیف)

| ٠.٠٠٠           | • | ,                      |                                 | T .     |
|-----------------|---|------------------------|---------------------------------|---------|
| تاریخ انتهاء    | t | تارخ ابتداء            | المعكراتي                       | نمبرثار |
| 31 جۇرى1953 م   | " | 1947أكت1947ء           | وائس الدمرل كفرة جمز ولفريذ     | 1       |
| كِم مار 1959ء   | " | 31جۇرى1953ء            | وأس ايدمرل حاجى محرصد ين جودهرى | 2       |
| 20 كۆبر1966 و   | " | کیم ار £1959ء          | وائس ايدمرل افضل دحمن خان       | 3       |
| 31 أكست 1969ء   | " | 20 كۆيم1966ء           | واكس ايدم لسيدعم احسن           | 4       |
| 22 د مبر 1971 و | " | كيم تم 1969ء           | وأكس ايدمرل مظفرحسن             | 5       |
| وار 1975%.      | " | ,1972 <sub>6</sub> ,13 | وائس ايدمرل حسن حفيظ احمه       | 6       |

#### چيفآف نيول شاف

| تاری انتهاء  | t | تارخُ ابتداء          | الميراي                | نبرثار |
|--------------|---|-----------------------|------------------------|--------|
| . 21ار 1979م | " | ,1975⊛,l23            | ايُدم ل محرش يف        | 1      |
| 1983 ي 1983  | " | 1979 <del>%</del> ر22 | ایُمرل کرامت دخن نیازی | 2      |

مطَالَعة بِ كَسَتَاتَ كَالْ عَلَيْهِ مُعِلِّدًا عَلَيْهِ مُعِلِدًا عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلِي عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلَي

| 1986ء                  | " | 1983،123ء    | ايدمرل طارق كمال خان   | 3  |
|------------------------|---|--------------|------------------------|----|
| 9 نوبر1988 ء           | " | 9ابر ل 1986ء | ايدمرل افتخارا حدسروى  | 4  |
| 8 نوبر 1991 م          | " | 10 نوبر1988ء | ايدُمرل يستورالحق ملك  | 5  |
| 9نوبر1994ء             | " | 9نوبر1991ء   | المدُم ل معيدا يم خان  | 6  |
| ک <sub>م</sub> کر1997ء | t | 10 نوبر1994ء | ايدمرل منصورالحق       | 7  |
| 2ا كۆر1999،            | " | 2 گ7997ء     | فيعل بخارى             | 8  |
| 3اكۆب2002ء             | " | 1999ء تا     | عبدالعزيزمرذا          | 9  |
| 6اكتى 2005ء            | " | 3 كۆر2002    | ايدمرل شابدكر يم الله  | 10 |
| 6اكتر 2008ء            | " | 7اكۆير2005ء  | ايُدم ل ايم افعنل طاهر | 11 |
| 7اكتر 2011،            | " | 7اكۆر2008ء   | المُ مرل نعمان بشير    | 12 |
| المال                  | " | 71 كور 2011. | آ صف مندحیل            | 13 |

### بإك فضائيه (كمانڈرانچيف)

| تاریخ انتهاء      | t | تاریخ ابتداء        | المسائراي                         | نمبرثار |
|-------------------|---|---------------------|-----------------------------------|---------|
| 17 فرور 1949ء     | " | 1947ء               | ائيرواكس مارشل المن پيرى كين      | 1       |
| 6 گُ1951ء         | " | 1949ء افرور 1949ء   | ارُوانس ارش آرايل آرايل آرايي     | 2       |
| ,1955⊍£19         | " | 7 گُ1951ء           | ائرواكس مارشل ابل ذبليوكينن       | 3       |
| 22.20 لا كي 1957ء | " | 20 بون1955ء         | ائرواك مارشل ائ وبليوني ميكد ولله | 4       |
| 22. ولا لُ1965ء   | " | 23ءَوا لُ1957ء      | ائر بارشل احفرخان                 | 5       |
| 31 أكست 1969ء     | " | 23جلائي1965ء        | ائر مارشل محمد نورخان             | 6       |
| 2ارچ1972ء         | " | <u>ک</u> ې ټبر1969ء | ائر مارشل اے دہیم خان             | 7       |



#### چيفآ ف ائرساف

| تاریخ انتهاء   | t | تارخ ابتداء   | ١١٤٤١                          | نبرثار |
|----------------|---|---------------|--------------------------------|--------|
| 1974 يا 1974ء  | " | 1972يري       | ائر مارشل ظفراحمه چودهري       | 1      |
| 22 برلالُ1978ء | " | 1974 ي 16     | ائر چيف مارشل دوالفقار على خان | 2      |
| 1985€يار5      | " | 23 يولك 1978ء | ائز چیف مارشل ایم انورشیم      | 3      |
| 1988ھ۔18       | " | 1985ج،6       | ائرجيف مارشل جمال احمدخان      | 4      |
| 9ارج1991ء      | " | وار 1988ء     | ار چيف مارشل عيم الله خان      | 5      |
| 8نوبر1994ء     | " | وارخ1991،     | ائرچيف مارشل فاروق فيروزخان    | 6      |
| 7نوبر1997ء     | " | 8 نوبر 1994 ء | ارٌجيف مارشل عباس خنگ          | 7      |
| 2000ء          | " | 7 نوبر 1997ء  | ارُجِف مارش پرديز مبدى قريشى   | 8      |
| 200غروري2003ء  | " | 2000ء         | ارٌ چیف مارشل مصحف علی میر     | 9      |
| 18ار 2006ء     | " | 18ار 2003ء    | ائر چیف مارشل کلیم سعادت       | 10     |
| 18ار 2009ء     | " | 18ار£2006ء    | ازچيف مارشل تؤريحوداحم         | 11     |
| حال            | " | 18ار\$2009ء   | داؤقرسليمان                    | 12     |

### چيف مارشل لاءايدمنسٹريٹر

| تارخ إنتهاء       | t,  | تاریخ ابتداء   | ا ما يراي                | نمبرثار |
|-------------------|-----|----------------|--------------------------|---------|
| £1962 <u>∪</u> £8 | 11. | 7 كۆر1958 -    | فيلذ مارشل محمدا يوب خان | 1       |
| 20 دنجبر 1971 ء   | "   | 1969%،25       | جزل محمه يحيي خان        | 2       |
| 1972ر 1972ء       | "   | 20 د بر 1971 و | ذ والفقار على بمثو       | 3       |
| 30 دىمبر1985ء     | "   | 5. دل ئي 1977ء | جزل محمر ضياءالحق        | 4       |

# المَّالَعَة بُ كَسَنَاتَ كَا الْكِلْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

| تارخ انجاء | t | تاریخ ابتداء  | الايكراي      | نمبرثار |
|------------|---|---------------|---------------|---------|
|            | " | 14 كۆبر1999 م | جزل پرویز شرف | 5       |

### جزل پرویز مشرف نے12 کو بر1999 کووزیاعظم محمدنواز شریف کی حکومت فتم کر کے اقدار پر بقنہ کیا تھا۔ سپریم کورٹ کے چیف جسٹس صاحبان (1949ء تا حال)

| تاریخ انتهاء  | t     | تارخ ابتداء        | 11261                     | نمبرثار |
|---------------|-------|--------------------|---------------------------|---------|
| 29 برن1954 ،  | "     | ,1949 <i>J3</i> .7 | منرجش ميال عبدالرثيد      | 1 1     |
| 2 گ1960ء      | .// . | 29.29ن1954ء        | مزجش ومير                 | 2       |
| 12 گُ1960ء    | "     | 3 گ1960ء           | مسرحش محرشهاب الدين       | 3       |
| 29 فرور 1968ء | 11    | 1960ء ع            | مسرجسس اعآركار لكس        | 4       |
| ,1968∪£3      | "     | کم ار \$1968ء      | مسترجستس الين اسدوحان     | 5       |
| 17 نوبر 1968ء | "     | 4.1968ء            | منرجش فعثل اكبر           | 6       |
| 1975ء 1975ء   | "     | 1968ء              | مسترجستس حودالرحمان       | 7       |
| 22 تبر1977ء   | "     | عَمُ نُوبِر 1975ء  | مسترجش محمر يعقوب على خان | 8       |
| 25ارچ1981ء    | 11    | 23 تبر1977ء        | مسزجسنس شيخ انوارالحق     | 9       |
| 31دىمبر1989ء  | "     | 1981ئ،1981ء        | مرجش مطيم                 | 10      |
| 1993ء 1993ء   | "     | يم جؤري1990ء       | مسرجش ايم أنضل كله        | 11 .    |
| 1994ء         | "     | 1993ء 1993ء        | مسرجش شيم حن شاه          | 12      |
| 5.5ن1994ء     | "     | 1994ء              | مسترجش سعد سعود جان       | 13      |
| 2دىجر1997ء    | "     | 5 بون1994ء         | مشرجستس سيه سجاء على شاه  | 14      |
| 30 برن1999ء   | "     | 3وتبر1997ء         | منزجش اجمل میاں           | 15      |

| Contains of 3 | CHES # 138 |                |
|---------------|------------|----------------|
|               | 3100 6 130 | مطالعة باكستان |

|             |   | - Vu             | # G. C. T. C. |    |
|-------------|---|------------------|---|----|
| 2000ئي£26   | " | كم يولالُ 1999 . | منزجش سعيدالزمان معديق                            | 16 |
| 6جرر2002ء   | " | 2000ينج 26       | مروشش ارشادهن خان                                 | 17 |
| 20025،31    | " | 7جرز2002ء        | منزجنس بثير جاتكيرى                               | 18 |
| 31وكبر2003ء | " | عَ فِرْدري 2002. | مهزجش فتخ دیاض احد                                | 19 |
| ,2005⊎£29   | 4 | 31د کبر 2003ء    | منزجش ناظم حين مديق                               | 20 |
| 1200%،121   | " | 3 نبر 2007ء      | منزجش عبدالحبيدة وكر                              | 21 |
| 11زير2013ء  | " | ,2005⊍£30        | مسروسنس افتحارهم جويدى                            | 22 |
| مال         | t | 13 د کبر 2013ء   | مسروس تعدق حين جيلاني                             | 23 |

ہے۔۔۔۔فیڈرل کورٹ آف پاکتان1949ء میں قائم کی گئتی۔ جبکہ 1956ء میں ملک کے پہلے آئین کی تھکیل کے ساتھ فیڈرل کورٹ آف پاکتان کی جگہ" پریم کورٹ آف پاکتان" کا قیام عمل میں لایا گیا۔ پہلے دونوں چیف جسٹس فیڈرل کورٹ کے تھے۔

کے .....صدر پرویر مشرف نے 19 می 2007ء کوجٹس افتا رجمہ جو مدری کے خلاف ریفرنس پریم جوڈ بیٹل نوسل میں بھیج کر انہیں غیر فعال کردیا۔ پہلے جٹس جادید اقبال، پھر رانا بھگوان داس قائم مقام جیف جٹس ہے۔ 20 جولائی 2007ء کو پریم کورٹ نے چیف جٹس افتا رحمہ جو مدری کو بحال کردیا۔ 3 نومبر 2007ء کو ملک میں ایم جنس نافذ کرتے ہوئے انہیں ان کے عہدے سے ہٹا دیا گیا۔ 16 ماری 2009ء کوانہیں دوبارہ اپنے عہدے پر بحال کردیا گیا۔

نون ..... بريم كورث كوأردو مين "عدالت عظلى "إوربائى كورث كو عدالت عاليه"

# بإكستان كى عدالتيں

1 ... شریعت کورث 2 ... بیریم کورث 3 ... بانی کورث 4 ... میشن کورث 6 ... بینکنگ کورث 7 ... دُرگ کورث 8 ... انسدادد چشت گردی عدالت مَطْنَعَهُ بِالسَّنَاتُ ﴾ ﴿ آنَ اللَّهِ ﴿ آنَ اللَّهِ ﴿ آنَ اللَّهِ ﴿ آنَ اللَّهُ ﴾ ﴿ أَنَانَ عَدَالَ الرَّجْهَادَى ﴾ 9 ..... في كُريشُن كورث 10 ..... اينم كاركنيس 11 ..... المُم يُس كورث 12 ..... صارف كورث 13 ..... ليبركورث 14 ..... بوردُ آف ريونيو 15 .... بيش مجمئريث كورث 16 .... فيملى كورث

### پاکستان میں اسلامی تحریکیں

عام طور پرمختلف تنظیمیں اپنے مطالبات کے لئے تحریکیں چلاتی رہتی ہیں اور مذہبی حوالے سے بھی غیر شرعی امور کے خلاف احتجاج ہوتار ہتا ہے لیکن مذہبی حوالے سے چارتحریکیں نہایت اہم ہیں۔

#### 1.....تحريك حتم نبوت 1953ء

مرزاغلام احمدقادیانی نے سرکاردوعالم علیہ کی ختم نبوت کا اٹکار کیا اورخود نبی ہونے کا دعویٰ کیا اس وجہ سے مرزا قادیانی اوراس کو ماننے والے دائر ہ اسلام سے خارج اور مرتد کا فر ہیں۔

پاکتان بننے کے بعد ظفر اللہ مرزائی کوکلیدی عہدہ دیا گیا یعنی وزیر خارجہ بنایا گیا۔اس لئے مسلمانانِ پاکتان نے ظفر اللہ کو برطرف کرنے اور مرزائیوں کو غیر مسلم اقلیت قرار دینے کے لئے تحریک چلائی جس میں تمام مکاتب فکر کے علاء شامل تھے۔جنہوں نے حضرت علامہ ابوالحسنات قادری رحمۃ اللہ علیہ (اس وقت میں تمام مکاتب فکر کے علاء شامل تھے۔جنہوں نے حضرت علامہ ابوالحسنات قادری رحمۃ اللہ علیہ (اس وقت کی حکومت نے اقتدار کے زور پر جامع مسجد وزیر خان لا ہور کے خطیب) کی قیادت پراتفاق کیا۔اس وقت کی حکومت نے اقتدار کے زور پر تحریک میں شامل مسلمانوں پر بہت مظالم ڈھائے اور تین علاء کو پھانی کی سزا کا تھم سنایا گیا جو بعد میں رہا تحریک میں مواد نامودودی شامل تھے۔ کردیے گئے ان میں مولا ناعبدالستارخان نیازی ،مولا ناسی خلیل احمد قادری اور مولا نامودودی شامل تھے۔

#### 2 ....تحريك ختم نبوت 1974ء

1974ء میں نشر میڈیکل کالج ملتان کے طلباء سفر کے دوران ربوہ کے ریلوے اسٹیشن پر پہنچ تو مرزائی غنڈوں نے ان برحملہ کردیا جس سے مسلمانوں کی غیرت ایمانی جاگ اٹھی اور ملک بحر میں قادیا نیوں مرزائیوں کے خلاف احتجاجی تح کیک شروع ہوگی چنا نچے علامہ شاہ احمدنورانی رحمۃ اللہ علیہ نے قادیا نیوں کوغیر مسلم اقلیت قرار دینے کے لئے قومی اسمبلی میں قرار داد پیش کی اور پھرتمام مکا تب فکر کے علاا وردیگر لوگوں نے اس تحریک میں مجر پور حصہ لیا۔ چنا نچہ 7 سمبر 1974ء کوتو می اسمبلی نے متفقہ طور پر مرزا قادیا نی اوراس کے مائے



والول اورحضور عليه السلام كي ختم نبوت كاا نكاركرنے والول كوغير مسلم اقليت قرار ديا۔

اس تحریک کے صدر مولا نامجہ یوسف بنوری اور جزل سیکرٹری علامہ سیدمحمود احمد رضوی تھے۔ چنانچیاس بہت بردی کامیابی کاسپراتمام مکاتب فکر کے علاء کے ساتھ ساتھ اس وقت کے ممبران قومی اسبلی اور وزیر اعظم ذوالفقار علی بھٹو کے سربجا ہے۔

3 .... تحريك نفاذِ نظام مصطفىٰ

پاکتان کے قیام کامقصدیے تھا کہ اس ملک میں اللہ اور اس کے رسول علیہ کا نظام (نظام مصطفیٰ) نافذ کیا جائے جوتمام مسائل کاحل ہے۔ای مقصد کے حصول کے لئے 1977ء میں تمام ندہبی جماعتوں نے تحریک چلائی جوکامیاب نہ ہو تکی اور جزل ضیاء الحق نے ملک میں مارشل لاء لگادیا۔

#### 4....تحريك ناموس رسالت

جب دشمنانِ اسلام نے ہمارے پیارے آقا حضرت مجمہ علیہ کی ذات پاک کے حوالے سے گتا خانہ خاکے بنائے تو پورے ملک میں نفرت کی آگ بھڑک آٹسی اور زندگی کے تمام طبقات اور تمام فد ہی اور سیای جماعتیں میدان میں نکل آئمیں اور دشمنان اسلام کو بناویا کہ:

"فیرت مسلم زنده ب اور برطرف سے لبیک یارسول الله" کی صدائیں بلند ہونے لگیں۔

#### پاکستان کے نہ ہمی تہوار

چونکہ پاکستان اسلام کے نام پر قائم کیا گیا اس لئے اس ملک کے باشندے ندہب سے والہا نہ لگا وُرکھتے ہیں اور غیر اسلامی تہوار مثلاً بسنت، ویلنا ئن اور دیگر ایسے تہواروں سے کنارہ کش رہتے ہیں جوشرم وحیاء کے خلاف ہیں۔اس لئے یہاں کے مسلمان ایسے تہوار مناتے ہیں جس کا شریعت اسلامیہ سے تعلق ہے وہ تہوار درج ذیل ہیں۔

اسسے یہ الفطر ماور مضان المبارک کے بعد کیم شوال المکر م کوعید الفطر منائی جاتی ہے۔

اسسے یہ الفطر یعید، جج کے بعد 10 ذوالحجہ کو منائی جاتی ہے اور مسلمان اپنے جانوروں کی قربانی

کرتے ہیں۔

المُعَالَعَة فِ كَسْتَانَ كَلِهُ الْمُعَالِدِ اللَّهِ اللَّ

سسعیدمیلا دُالنبی علی الله تعالی کآخری نبی حضرت محمد علی کی ولادت (پیدائش) کی خوش میں رہیج الاول شریف کے مہینے میں دنیا بھر کے مسلمانوں کی طرح پاکتانی مسلمان بھی جشن عیدمیلا دالنبی مناتے ہیں عمارتوں پر چراغاں ہوتا ہے، بازار سجائے جاتے ، جلوس نکالے جاتے ہیں اور سرکار دوعالم علی کے فضائل اور سیرت پاک کے تذکرے کے لئے محافل کا اہتمام ہوتا ہے۔

#### سوالات

سوال نمبر 1 ..... پاکستان کا سرکاری نام اورکل رقبه بتا ئیں نیز پاکستان کا دارا محکومت کون ساشہر ہے۔؟ سوال نمبر 2 ..... پاکستان کی سرحدوں کے نام بتا ئیں۔

سوال نمبر 3 ..... پاکتان کے پہاڑی سلسلے اور چند چوٹیوں کے نام مع بلندی ذکر کریں۔

سوال مبر 4 .... بنجاب کے کتف صوبے ہیں ان کے نام بتائیں۔

سوال نمبر 5 ..... پاکستان کے قدرتی وسائل پر مختر گر جامع مضمون ککھیں۔ میدا نمہ جات کی جہ میں تنامیا ہیں ہو

سوال نمبر6..... بنیا دی جمهوریتوں کی تفصیل ذکر کریں۔ سوال نمبر7..... پارلیمنٹ سے کیا مراد ہے؟ اوراس کے دوابوانوں کی تفصیل ذکر کریں۔

سوال مبر8 ..... یا کتان کے پہلے گورز جزل اور پہلے صدر کا تام کھیں۔

سوال نمبر 9..... آج تك كل كتف صدور آجك بين اور موجوده صدر كانام لكيس-

سوال مبر 10 ..... یا کستان کے پہلے اور آخری وزیر اعظم کا نام کلھیں۔

سوال نمبر 11 ..... آج کل پاکتان کا چیف آف آری شاف کون ہے؟ اوران کی تقرری کب ہوئی ان سے بچھلے چیف آف آری شاف کانام کیا ہے؟

سوال نمبر 12 ..... پاكستان ميس كون كون چيف مارشل لا ايدمنشريزر با- نام بتا كين -

سوال نمبر13 .... سپريم كورث كے چيف جسٹس كل كتنى تعداد ميں رہ بيك بير؟ پہلے اور موجود ، چيف جسٹس كا نام بتا كيں۔

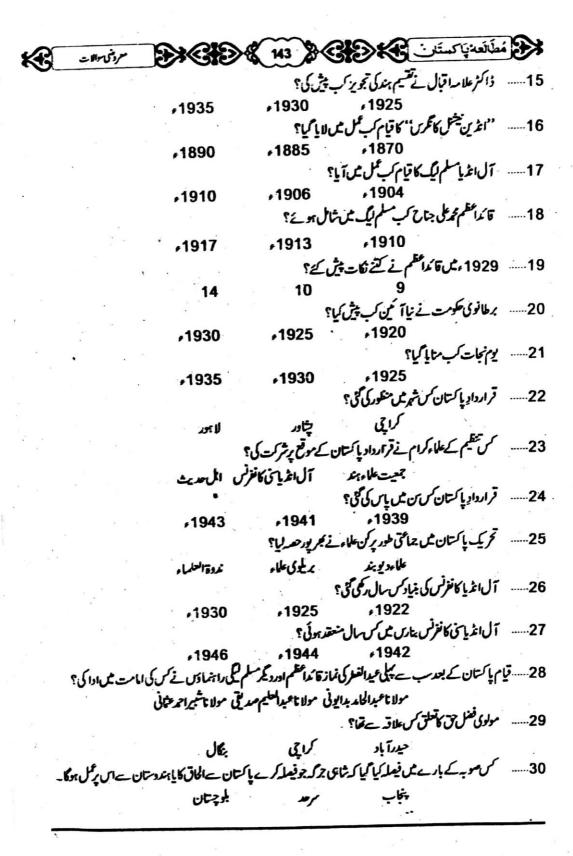
سوال نمبر14 ..... پاکستانی عدالتوں کے نام بتائیں اورسب سے بڑی عدالت کوکیا کہاجاتا ہے؟

سوال نمبر 15 ..... پاکستان میں بڑی اسلام تحریوں کی تعداداور نام بتا کیں۔



معروضي سوالات

| رصغر میں مجرین قاسم کی آید کس سال ہوئی؟<br>712ھ 722ھ 750  | 1           |
|---|-------------|
| اسلامی حکومت کی بنیادکس نے رکھی؟<br>سلطان محمر فوری محمود غرنوی سلطان محمر فوری سلطان محمر فوری کی سلطان محمر فوری کی سلطان محمود فورنوی کی سلطان محمود فورنوی کی سلطان محمود فورنوی سلطان محمود فورنوی کی سلطان کی محمود فورنوی کی سلطان کی محمود فورنوی کی محمود فورنوی کی محمود فورنوی کی محمود فورنوی کی  | 2           |
| س بھر ان کی و فات کے بعد اسلامی حکومت کمزور ہوئی ؟  | 3           |
| ناورشاه نے برصغیر پرکب حملہ کیا؟  | 4           |
| . صغیر میں اسادی حکومہ تر کے زوال مذیر ہوتے وقت کس نہ ہی راہنمانے مسلمانوں کی راہنمائی کی؟  | 5           |
| شاه ولى الله رحمة الله عليه مجد دالف ثانى رحمة الله عليه المام الحمد رضا بربيون رحمة الله عليه الله عليه الله عليه المام الحمد رضا بربيون رحمة الله عليه المحمد المعرب ال |             |
| 1840ء 1857ء 1850ء<br>مج سن بی کرده انگر من کتنرسال رصفیم برحکم ان ارسے؟   |             |
| UL100 UL90 UL80   | *.          |
| جنگ آزادی میں سب سے زیادہ قربانی کس نے دی؟<br>علامہ فضل حق خیر آبادی سیداحد بریلوی مولاناام مجن صببا  |             |
| مره اند بمان( کالا پانی) میں کس شخصیت کوقید کیا گیا؟<br>شاه د کی اللہ شاه د کی اللہ شخصیت کوقید کیا گیا؟<br>شاه د کی اللہ شاه د کی اللہ اللہ کا سامہ فضل میں خیر آبادی  | <i>7.</i> 9 |
| د وقو می نظریه کے خلاف کس نے سازش کی ابتداء کی؟<br>مغلیہ بادشاہ اکبر شابجہان جہانکیر  | 10          |
| امام احدرضا خان فاصل بریلوی کی پیدائش کب ہوئی؟  | 11          |
| تحريك خلافت كا آغاز كس من ميس موا؟  | 12          |
| 1919ء 1922ء 1930ء<br>تحریک خلافت کس کے خلاف تھی؟  | 13          |
| تحریک خلافت کس کےخلاف تھی؟<br>ہندو سکھ<br>وہ کون نے عالم دین ہیں جنہوں نے ۱۹۳۱ء میں تقسیم ہند کی تجویز چیش کی؟  |             |
| وه نون سے عام دین ہیں جو اس اس اس میں مولا نا اشرف علی تھا نوی مولا نا نعیم الدین مراد آبادی  | 14          |
|   |             |



| المروز الات                             | D& 144 %   | الله الله الله الله الله الله الله الله  | <b>3</b> |
|---|--|--|----------|
|   | المسابعة المسابعة                                | باكتان كي زادى كب عمل يس آئى؟  |          |
| ,1947                                   | ,1945  | ب1944  | 31       |
|   |  | قراردادمقاصدكب منظوري من ؟   | 32       |
| <b>,1952</b>                            | ,1949  | ,1948  | 02       |
| ,                                       | ربوا؟  | 1901ء کا آئین کس وزیراعظم کے دور میں منظو  | 33       |
| ذ والفقارعلى بعثو                       | محمدخان جونيجو                                   | چوبدری محمل  |          |
|   |  | ١٩٦٢ على كرور عي نافذ كيا كيا؟   | 34       |
| جزل شحندر مرزا                          | جزل محمدا يوب خان                                | جزِل مجين خانٍ   | :        |
| معينقريق                                | ؟<br>نوازشری <u>ف</u>                            | ۱۹۹۰ مے انتخابات کے بعدگون وزیراعظم بنا؟<br>بے نظیر بھٹو   | 35       |
|   |  | جزل پرویز شرف نے اقد ارکب سنجالا؟  | 36       |
| <b>→2001</b>                            | <b>,</b> 1999                                    | <b>,</b> 1997  |          |
| P.                                      |  | آ زاد جمول مشميركا دارالخلاف كون ساشرىم؟   | 37       |
| کونگی                                   | مظفرآ باد  | 74 /2  |          |
| * |  | مجرراجه عزيز بمني شهيد كوكون سااعز ازملا؟  | 38       |
| ستارهٔ اقبیاز                           | نثان حيدر  | حارهٔ جراًتِ   |          |
| <b>-</b> L.,                            |  | 17/أكسة 1988م 18 جولا ك 1993م  | 39       |
| جزل محمر ضياءالحق                       |  | فنل البي چوبدري  |          |
|   |  | حسین شہیدسمروردی کب پاکستان کے وزیراعظ   | 40       |
| ,1962                                   | 1960   | The state of the s |          |
|   |  | میاں نواز شریف کتنی بار پاکستان کے وزیراعظم  | 41       |
| تمن بار                                 | دوبار  |  |          |
| جزل راحيل ثريف                          |  | اس وقت پاکتان کے چیف آف آرمی شاف   | 42       |
| بر ارادا بين سريف                       |  | جزل اشغال کیا کی<br>ایر در در جیشه مرجب در   |          |
| · Carl                                  |  | پاکتان کے چیف جنٹ ممزجنٹ فیم حن ثا<br>تیرے   | 43       |
| باربوي                                  | ניפצט י  | برے<br>موجود و چیف جسٹس کون میں؟   | 44       |
| جشن تقدق حسين جيلاني                    | جشر عدالي بذكر                                   | و بودوه پیت س افغاراحمه چو مدري<br>جسنس افغاراحمه چو مدري  |          |
| 00.00                                   | ن جر سيدور                                       | ن اور مد پرومرون<br>بهاتر یک ختم نبوت کس من جس چلانی کئ؟   | 45       |
| ,1960                                   | ,1953  | 1952   |          |
|   |  | 1944 می ترکی نتم نوت میں قادیانوں کے   | 46       |
| بى<br>مولا ناعيدالحق                    | مولا ناشاه احمد نورانی<br>مولا ناشاه احمد نورانی |  |          |
| <u> </u>                                | J  |  |          |

## فسيفريض الببلى كيشز كيم طبوعات

#### الله تعالیٰ کے فضل وکرم ہے جمیں قرآن مجید کی اشاعت میں کئی منفر داعز از حاصل ہیں۔

تلاوت اورفہم قرآن مجید کوانتہائی آسان بنانے والانسخ نفظی اور بامحادرہ ترجمہ کیساتھ،
 مختلف رنگوں میں دستیاب ہے۔اب قرآن حکیم پڑھنامشکل نہیں رہا۔
 معمولی اُردو پڑھنے والے بھی آسانی ہے قرآن حکیم کی تلاوت کر سکتے ہیں۔

2- حفاظِ كرام كي آساني كيليح مثنابهات كيساته قرآن حكيم كي اشاعت \_

A translation of the Holy Quran -4 in simple, idiomatic English

#### KANZUL-IMAAN

Ву:

NOOR-UL-IRFAAN -3
with the English Translation of
KANZUI - IMAAN

Bv:

Aqib Farid alQadri

Moulana Mohammad Hoosain Mukaddam

5- القرآن الحكيم براموى عنى كنزالايمان (براموى زبان)

6- القرآن الحكيم في ترجمة كنزالايمان (پتوزبان)

7- بیاضی قرآن تھیم کی اشاعت کامفرداعزاز۔

8- مبتدى كيلي جديدانداز مي مختلف رنكول مين رحماني قاعده تجويدي قواعد كيساتهـ

9- شرح اساء الحسني مع شرح اساء المصطفىٰ عظاقة اليك تماب ميس يكجاب

10- سيرت النبي الطيكة كى روشى من مصطفائي معاشره كي تشكيل \_ (مقالات سينار)

11- نى اكرم كي كرة كاسوة حسنه اور تعليمات كى روشى من احترام آدميت \_ (مقالات سينار)

12- حضرت امام اعظم البوحنيف متليك فقهي بعيرت اوراسلام معاشره كي تفكيل جديد - (مقالات سيمينار)

13- نفحات سيرت يدونيسر داكراساق قريثي

14- نفحات تصوف يدونيسر داكراس واتريش

15- نمازسنت نبوى كي كيروشي ميس (سوالا جوابا)\_

16- شرح عقائد على

وي رانه

یاک سر زمیں شاد باد ، کشور حسین شاد باد تو نشانِ عزم عالیشان ارض پاکستان!

مركز يقين شاد باد

پاک سر زمین کا نظام قوتِ اخوتِ عوام قوم ، مُلك ، سلطنت كاتنده تابنده باد شاو باد منزل شراد

يرچم ستاره و بلال ربير ترقی و كمال

ترجمان ماضي مثان حال جان استقبال

سابيه خُدائے ذوالجلال

حفيظ جالندهري

Al-Baghdad Printers PAK
F-Mall: ab\_printers007@yahoo.com E-Mail: ab\_printers007@yahoo.com Tell: + 92-41-8788807